CHOICE OF MILLIONS SINCE 1970
CHARMINAR®
BEST SELLER
SCRAPPER
www.charminarbrush.com
9440297101

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 67 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.8 2082 मंगलवार, 3 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में कोरोना से 24 घंटे में 6 मौतें

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं।

कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौतें हुई हैं। सोमवार को अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की और 47 साल की महिला की कोरोना से जान गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से मौत हुई थी।

सरकार तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए काम कर रही है : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने 'तेलंगाना स्थापना दिवस' समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तेलंगाना के पुनर्निर्माण के लिए काम कर रही है।

सोमवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में 'तेलंगाना स्थापना दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं और सभी आधिकारिक कामकाज प्रणालियां बिखर गईं और पिछली सरकार में राज्य की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गई। रेवंत रेड्डी ने कहा, हालांकि, इसे एक बड़ी चुनौती के रूप में लेते हुए, मौजूदा कांग्रेस सरकार हर क्षेत्र को सुव्यवस्थित कर रही है और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग गुलामी और मानवाधिकारों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करते हैं। लोगों की महत्वाकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप, लोगों की सरकार आगे बढ़ रही है। बर्बाद हो चुकी व्यवस्थाओं को सुधारा जा रहा है, एक-एक करके चीजों को सही किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले से ही एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने की योजना बनाई है और महिला समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इंदिरा महिला शक्ति योजना शुरू की है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को उद्यमी के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सरकार पांच साल में महिलाओं को एक लाख करोड़ रुपये का ऋण दे रही है और पहले साल में 21,000 करोड़ रुपये की ऋण राशि वितरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने आगे घोषणा की कि राज्य सरकार ने सभी महिला स्वयं सहायता समूहों को क्यूआर कोड वाले विशेष कार्ड जारी करने का निर्णय लिया है और महिला समूहों का पूरा विवरण विशेष कार्ड में अपडेट किया जाएगा। उन्होंने कहा, सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को "महालक्ष्मी" के रूप में सशक्त बनाना और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार अपने स्कूलों में प्री-स्कूल प्रणाली शुरू करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा, सरकार यंग इंडिया इंटीग्रेटेड आवासीय विद्यालय स्थापित कर रही है, जहां पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों को एक ही छत के नीचे अध्ययन करने की सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में सरकार 11,600 करोड़ रुपये की लागत से 58 आवासीय विद्यालयों का निर्माण कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, हैदराबाद शहर को दुनिया के अन्य विकसित मेट्रो शहरों के बराबर विकसित करने और उनके साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। ऐतिहासिक मूसी नदी को पुनर्जीवित करने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर बापू घाट बनाने के लिए मूसी कायाकल्प परियोजना पहले ही शुरू की जा चुकी है। सरकार ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ 30,000 एकड़ में फ्यूचर सिटी विकसित करने की योजना बनाई है।

एआई सिटी, फार्मा सिटी, स्पोर्ट्स सिटी, लाइफ साइंसेज और हेल्थ सिटी भी विकसित की जा रही हैं। ऐसी बड़ी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन पहले ही किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली मेट्रो रेल दूसरे चरण की परियोजना शुरू की जा रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, राज्य सरकार भारत को 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में तेलंगाना राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। इसके तहत, तेलंगाना राइजिंग-2047 कार्य योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है और अगले 10 वर्षों में राज्य को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राइजिंग को मजबूत विकास हासिल करने का मुख्य साधन माना जाता है और सरकार ने तेलंगाना को देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में नंबर एक विकसित राज्य बनाने की योजना बनाई है।

मोदी 3.0 का एक साल पूरा होने पर 4 जून को मंत्रिपरिषद की अहम बैठक

11 साल की उपलब्धियों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की मोदी 3.0 कैबिनेट की एक अहम बैठक 4 जून को आयोजित की जाएगी। यह बैठक शाम 4:30 बजे सुषमा स्वराज भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होगी। प्रधानमंत्री अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने से ठीक पहले सभी केंद्रीय मंत्रियों के साथ इस महत्वपूर्ण बैठक में रणनीतिक चर्चा करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में केंद्र सरकार के पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों, योजनाओं और जनहितकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही आगामी दिनों में जनता के बीच जाकर सरकार की नीतियों और कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की योजना पर भी गहन विचार-विमर्श होगा।

बैठक में हाल ही में संपन्न 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भी विशेष चर्चा होने की संभावना है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी इस सैन्य अभियान को सरकार की निर्णायक नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में सशक्त योगदान के तौर पर जनता के बीच ले जाने पर बल देंगे। सभी मंत्रियों को निर्देश दिया जा सकता है कि वे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और उसके सामरिक, कूटनीतिक व मानवीय पक्षों को आमजन तक पहुंचाएं, ताकि देशभर में इसके प्रति जागरूकता और गर्व की भावना को और अधिक मजबूत किया जा सके।

बैठक में पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख योजनाओं- जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छ भारत अभियान आदि- की जमीनी रिपोर्टिंग, जनसमर्थन और लाभार्थियों से संवाद के कार्यक्रमों को तेज करने पर जोर दिया जाएगा।

कोरोना को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

केंद्र और दिल्ली सरकार से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों के बीच एक अवमानना याचिका पर कोरोना सैंपल लेने, सैंपल संग्रह केंद्रों व इसके ट्रांसपोर्ट के संबंध में तैयार की गई नीति पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र व दिल्ली सरकार को स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत के पूर्व आदेश के बाद हुई बैठक व इसमें निकले परिणाम की सूचना हाई कोर्ट को नहीं देने पर सवाल उठाया।

न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि अदालत के पूर्व आदेश के तहत केंद्र सरकार ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि 30 मई 2023 को हुई बैठक का क्या नतीजा निकला और उसके बाद क्या फैसला लिया गया। हालांकि, पीठ ने कहा कि पहली नजर में अवमानना याचिका का कोई मतलब नहीं बनता क्योंकि बैठक में उप-समितियों के गठन का फैसला लिया गया था।

अदालत ने कहा कि यह देखते हुए कि कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है और वास्तव में समुदायिक केंद्रों में संक्रमण की रिपोर्ट आ रही है। कोर्ट ने कहा कि अगर 30 मई 2023 की बैठक के बाद उठाए गए कदमों में कहीं कोई कमी है तो यह एक गंभीर मुद्दा है। अदालत ने केंद्र सरकार की स्थायी वकील मोनिका अरोड़ा को व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि केंद्र सरकार के अधिकारियों को न्यायिक निर्देशों से अवगत कराया जाए और छह सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट पेश की जाए। मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

अदालत ने उक्त निर्देश डॉ. रोहित जैन द्वारा दायर अवमानना याचिका दिया। रोहित जैन ने 27 जनवरी 2023 को अदालत द्वारा पारित आदेश का अधिकारियों द्वारा अनुपालन नहीं करने का आरोप लगाया है।

'हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े'

पैराग्वे के राष्ट्रपति से बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। दूसरी बार पैराग्वे के किसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। मुझे खुशी है कि आपके साथ ताकतवर प्रतिनिधिमंडल आया है। आप केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि मार्ग प्रशस्त करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे पास आर्थिक सहयोग सहित डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा, रेलवे और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर हैं। इसके अलावा भारत और पैराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग :

उन्होंने कहा कि भारत और पैराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां में समानता है, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं। हमें संतोष है कि कोरोना महामारी के दौरान हम भारत में बनी वैक्सीन को पैराग्वे के लोगों के साथ साझा करने में सक्षम थे।

करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी :

पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। यह भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी।

'भारत जी-20 की मेजबानी करता है और पाकिस्तान टी-20'

प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- पाक सरकार आतंकवाद की पनाहगार

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। विभिन्न देशों में एक सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बेनकाब कर रहा है। इसी बीच शिवसेना यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच साफ तौर पर अंतर बताते हुए कहा कि भारत जहां ग्लोबल ट्रेड और डिप्लोमेसी पर फोकस करता है, वहीं इस्लामाबाद लगातार आतंकवाद को एक टूल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने लंदन में कहा, हमने जी-20 की बहुत सफल अध्यक्षता की। हम जी-20 की मेजबानी करते हैं, जबकि पाकिस्तान टी-20 की मेजबानी करता है। इसमें दुनिया के टॉप 20 आतंकवादी शामिल हैं। वह इतने पर ही नहीं रूकी उन्होंने कहा कि टॉप आतंकियों को पाकिस्तानी सरकार पनाह देती है। यह उनकी नीति है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, भारत ट्रेड की तरफ देख रहा, हम अपनी इकोनॉमी को देख रहे हैं। वहीं पाकिस्तान आतंकवादी व्यवस्था को देख रहे हैं। हम इसी बात को सामने लाने की जरूरत है। आपको घर वापस जाकर यह डॉक्यूमेंट्री देखनी चाहिए कि ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान से कैसे बाहर निकाला गया। उसे छिपाया गया, मदद दी गई, ट्रेनिंग दी गई और समर्थन दिया गया। अपने तथाकथित सहयोगी अमेरिका से छिपाया गया। वे आपसे हाथ मिलाते हैं, लेकिन पीठ पीछे काटते हैं।शिवसेना यूबीटी की सांसद ने आगे कहा कि दुनिया को भारत की सेना को उनके काम के लिए थैंक्यू बोलना चाहिए। चतुर्वेदी ने यह भी कहा कि 20 करोड़ से ज्यादा भारतीय मुसलमान भारत सरकार के साथ खड़े हैं और आतंकवाद का कड़ा जवाब देने के बारे में बोल रहे हैं।

राज्यसभा सीट को लेकर तकरार

एआईएडीएमके और डीएमडीके संभावित गठबंधन में आई खटास

चेन्नई, 2 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा सीट आवंटन को लेकर एआईएडीएमके और डीएमडीके के बीच गठबंधन खटाई में पड़ता दिख रहा है। दरअसल एआईएडीएमके ने डीएमडीके को राज्यसभा सीट आवंटन टाल दिया है, जिससे नाराज होकर डीएमडीके पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे एआईएडीएमके के साथ गठबंधन पर फैसला जनवरी 2026 में ही करेंगे। गौरतलब है कि रविवार को ही एआईएडीएमके के उप-महासचिव के पी मनुसामी ने एलान किया था कि डीएमडीके, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा होगी।

डीएमडीके ने एआईएडीएमके पर लगाया वादा तोड़ने का आरोप :

तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। डीएमडीके ने एआईएडीएमके पर 2024 लोकसभा चुनाव से पहले हुए समझौते का सम्मान न करने का आरोप लगाया। डीएमडीके की महासचिव प्रेमलता विजयकांत ने कहा कि एआईएडीएमके, पीएमके के अंबुमणि रामदास और टीएमसी के जीके वासन को एक-एक राज्यसभा की सीट आवंटित कर चुकी है, अब उनकी पार्टी का नंबर है राज्यसभा सीट पाने का। डीएमडीके के सख्त रुख को देखते हुए एआईएडीएमके ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी और डीएमडीके के बीच गठबंधन तोड़ने की साजिश रची जा रही है, लेकिन ये सफल नहीं होगी।

डीएमडीके की नेता ने सीएम स्टालिन को दिया धन्यवाद :

डीएमडीके की नेता प्रेमलता ने बताया कि उनकी पार्टी और एआईएडीएमके के बीच समझौता हुआ था कि उन्हें 2024 लोकसभा चुनाव में लोकसभा की पांच और राज्यसभा की एक सीट मिलेगी। ये आश्वासन लिखित में दिया गया था, लेकिन तारीख नहीं बताई गई थी। अब एआईएडीएमके अपने शर्त को पूरा नहीं कर रही है तो अब हम 9 जनवरी 2026 को कुडलोर में होने वाली पार्टी की बैठक में गठबंधन पर फैसला करेंगे। डीएमडीके की महासचिव ने मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन को भी पार्टी की आम सभा में पारित प्रस्ताव को अपनाने के लिए धन्यवाद दिया।

होने वाला है बड़ा अनिष्ट? : महाकाल मंदिर के शिखर पर लगा स्वर्ण ध्वज गिरा, पुजारी दे रहे संकेत

उज्जैन, 2 जून (एजेंसियां)। महाकाल की नगरी उज्जैन में पिछले कुछ दिनों से तेज हवा चल रही है। इस वजह से मौसम बदल गया है। इसी बीच, महाकाल मंदिर में एक अप्रत्याशित घटना हुई। तेज हवा के कारण महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर लगा सोने का ध्वज अचानक गिर गया। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई। लेकिन, इस घटना ने मंदिर प्रशासन की सावधानी और व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ध्वज को फिर से लगाने का काम शुरू हो गया है। वहीं, पुजारी मान रहे हैं कि ये अनिष्ट के भी संकेत होते हैं। हालांकि यहां भगवान स्वंय विराजमान हैं तो ऐसी संभावना कम है।

दरअसल, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के ऊपर लगा सोने का ध्वज गिर गया। यह ध्वज सालों से भक्ति और परंपरा का प्रतीक रहा है। दो-तीन दिन पहले तेज हवा चलने से यह ढीला हो गया और नीचे गिर गया। जब यह घटना हुई, तब मंदिर में सैकड़ों भक्त दर्शन के लिए मौजूद थे। मंदिर प्रशासन ने तुरंत उस जगह को खाली करा लिया और गिरे हुए ध्वज को सुरक्षित रख लिया।

मंदिर के पुजारियों का कहना है कि यह घटना बहुत ही असामान्य है। यह धार्मिक रूप से चिंता का विषय है। परंपरा के अनुसार, गिरे हुए ध्वज को फिर से लगाया जाएगा। इसके लिए शिखर पर मचान बांधकर ध्वजा लगाने का काम चल रहा है।

मंदिर के महेश पुजारी ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वैसे तो बाबा महाकाल कालों के काल हैं। वे खुद सभी प्रकार की विपत्तियां को दूर करने वाले हैं परंतु शिखर का ध्वज गिरने की घटना को यदि अनिष्ट माना जाए तो इसके लिए सभी को भक्ति भाव पूजन पाठ व ध्यान करना चाहिए। तेज हवा लगभग 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। इस हवा ने मंदिर के ऊपर लगे ध्वज को गिरा दिया। यह एक दुर्लभ घटना है। इससे मंदिर प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, मंदिर प्रशासन ध्वज को फिर से स्थापित करने में लगा हुआ है।

ममता बनर्जी को पाकिस्तानी आतंकवादियों की चिंता है : तरुण चुघ

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध करके सिद्ध कर दिया है कि उन्हें पहलगाम में मारे गए निर्दोष और निहत्थे भारतीयों की चिंता नहीं, पाकिस्तानी आतंकवादियों की चिंता है। उन्होंने कहा कि जिस अभियान में हमारी सेना ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, आप उसका विरोध कर रही हैं और पाकिस्तान की भाषा में उस पर सवाल उठा रही हैं। बंगाल की जनता उन्हें 2026 के चुनाव में सिंदूर के अपमान का करारा जवाब देगी।

उन्होंने कहा कि ममता सरकार ने बंगाल को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार और हिंदुओं पर अन्याय का गढ़ बना दिया है। कोयला घोटाला, शिक्षक भर्ती घोटाला, पशु तस्करी, आवास घोटाला से बंगाल की जनता त्रस्त हो चुकी है। बंगाल के हर भ्रष्टाचार और घोटाले के मूल में तृणमूल है। बंगाल की जनता जल्द ही भाजपा की सरकार बनाएगी। यह चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बंगाल को फिर से 'सोनार बंगला' बनाने का है, आतंक और माफिया से मुक्ति दिलाने का अभियान है।

उन्होंने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के लगातार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सवाल उठाने पर कहा कि आतंकवादियों के रोने पर आंसू बहाने वाले हमें मत बताएं कि दुश्मन से कैसे निपटना है। साल 2004 से 14 तक देश में रोज जवानों की शहादत होती थी। लेकिन, यूपीए सरकार केवल और केवल घड़ियाली आंसू बहाती थी। उन्होंने कहा कि जब आपकी सरकार थी तो सेना को गोली चलाने से पहले दिल्ली से इजाजत लेनी पड़ती थी। आज मोदी युग है, हमारे सैनिकों को आतंकवादियों पर कार्रवाई की खुली छूट है, सबकुछ सेना तय करती है। यह नया भारत पीएम नरेंद्र मोदी का है, कांग्रेस को शायद यही चुभ रहा है तभी तो 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे गौरवशाली अभियान पर राजनीति की जा रही है।

भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के विदेश दौर पर उन्होंने कहा, भारत की सबसे प्रतिष्ठित टीम विश्व मंच पर देश का पक्ष रख रही है और पाकिस्तान के जघन्य आतंकवादी माफिया चेहरे को उजागर कर रही है। ऐसे समय में जब भारत के अभियान की विश्व स्तर पर प्रशंसा हो रही है, कांग्रेस पार्टी और देश के कुछ विपक्षी नेता ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, जो पाकिस्तानी मीडिया और जनता की भाषा लगती है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के प्रवक्ता के रूप में काम कर रही है।

दिल्ली के बाटला हाउस में तोड़फोड़

नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, मामले आगे के लिए टला

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के बाटला हाउस इलाके में मकानों को गिराने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट जुलाई में करेगा सुनवाई। कोर्ट ने फिलहाल रोक का कोई आदेश देने से मना किया है और कहा है कि याचिकाकर्ता अपने पास उपलब्ध कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करें। 40 याचिकाकर्ताओं ने यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है कि 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उनका पक्ष सुने बिना डिमोलिशन का आदेश दिया। अब डीडीए ने 15 दिन में मकान खाली करने का नोटिस चिपका दिया है। 29 मई को यह मामला चीफ जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई की अध्यक्ष वाली बेंच के सामने रखा गया था, जिसने अगले सप्ताह सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दे दिया था। याचिकाकर्ता के वकील ने जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। हालांकि शुरू में सीजेआई ने कहा कि उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट जाना चाहिए। वकील ने बताया कि वह सुप्रीम कोर्ट के ही आदेश से प्रभावित हैं। यह मामला बाटला हाउस इलाके के खसरा नंबर 271 और 279 का है। 40 याचिकाकर्ताओं ने यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है कि उनका पक्ष सुने बिना मकानों को गिराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अब 15 दिन में मकान खाली करने का नोटिस चिपका दिया गया है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया है कि वह खसरा नंबर 271 और 279 में रहते हैं और उनके निर्माण बहुत पुराने हैं। उनके सारे दस्तावेज भी हैं। उनकी कॉलोनी 2019 की पीएम उदय (प्रधानमंत्री अनऑथोराइज़्ड कॉलोनीज इन दिल्ली आवास अधिकार योजना) के तहत नियमित किए जाने के योग्य है। 2008 में दिल्ली सरकार कॉलोनी को प्रोविजिनल रेग्युलराइजेशन सर्टिफिकेट भी दे चुकी है।

वकील अदील अहमद के जरिए याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें कहा गया कि 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उनके इलाके में अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया। यह आदेश दिल्ली डेवलपमेंट ऑथोरिटी (डीडीए) के खिलाफ लंबित एक अवमानना याचिका पर आया है। आदेश से प्रभावित लोगों को कोर्ट में अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा था कि कार्रवाई से पहले लोगों को कम से कम 15 दिन का नोटिस दिया जाए। डीडीए ने उचित तरीके से नोटिस देने की बजाय 26 मई को उसे मकानों पर चिपका दिया है।

महिला ने ऑटो ड्राइवर पर बजा दी चप्पल, पैरों में गिरकर मांगनी पड़ी माफी

बेंलगुरु, 2 जून (एजेंसियां)। कन्नड़ भाषा को लेकर हो रहे विवाद की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सिंगर सोनू निगम और एयर फोर्स के एक अधिकारी के साथ भाषा विवाद की घटना के बाद अब एक और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बेंलगुरु में बाइक पर सवार एक महिला ने छोटे से विवाद के दौरान ऑटो-रिक्शा चालक को अपनी चप्पल से मार दिया। यह घटना कैमरे में कैद हो गई। वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि पहले एक हिंदी भाषी महिला ऑटो चालक को चप्पल से मारते हुए दिखाई दे रही है। बाद में वही महिला अपने पति के साथ ऑटो चालक और उसके परिवार के लोगों के पैरों में गिरकर माफी मांगती हुई नजर आ रही है। दोनों तरफ से इस घटना को लेकर पुलिस में किसी भी तरह की शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई। घटना बेंगलुरु के बेलन्दूर इलाके की बताई जा रही है।

आरएसएस के बड़े नेता पर एफआईआर

पुलिस ने भड़काऊ भाषण देने का लगाया आरोप; सुहास शेट्टी से जुड़ा है मामला

मंगलुरु, 2 जून (एजेंसियां)। (कर्नाटक)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता कल्लाडका प्रभाकर भट के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। उनपर दक्षिण कन्नड़ में भड़काऊ भाषण देना का आरोप है। पुलिस की एफआईआर में आरोप है कि कल्लाडका प्रभाकर भट ने 12 मई को दक्षिण कन्नड़ में एक भाषण दिया था। यह भाषण हिन्दुत्वादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की शोक सभा में दिया गया था। बता दें कि 1 मई को मंगलुरु में सुहास शेट्टी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार, सुहास की हत्या के बाद 12 मई को मंगलुरु के कवलपदुर गांव के माडवा पैलेस कन्वेंशन हॉल में शोक सभा आयोजित की गई थी। यह जगह बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अधिकार में आती है। शोक सभा में आरएसएस नेता कल्लाडका प्रभाकर भट ने लगभग 500 लोगों को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कथित रूप से भड़काऊ भाषण दिया, जिससे सार्वजनिक सद्भाव बिगड़ने के साथ-साथ समुदायों में दुश्मनी भी बढ़ सकती है। बता दें कि 1 मई की शाम मंगलुरु में बजरंग दल के पूर्व नेता सुहास शेट्टी की सरेआम हत्या कर दी गई थी। कुछ लोगों ने सुहास पर धारदार हथियारों से वार किया और सुहास ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस घटना से कर्नाटक में हड़कंप मच गया था।

सुल्तानपुर में राहुल गांधी के मानहानि मामले में सुनवाई टली

शोक प्रस्ताव के कारण 1 जुलाई को होगी

सुलतानपुर, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सुलतानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत में विचाराधीन मानहानि मामले की सुनवाई सोमवार को एक अधिवक्ता के निधन पर वकीलों के कार्य से अनुपस्थित रहने की वजह से टल गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने यहां बताया कि अधिवक्ता कमल श्रीवास्तव का निधन होने पर बार एसोसिएशन के शोक प्रस्ताव के कारण वकीलों ने आज न्यायिक कार्य नहीं किया। इसकी वजह से मानहानि मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख एक जुलाई नियत की है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। मिश्रा का आरोप था कि वर्ष 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पिछली सुनवाई 28 अप्रैल को हुई थी। वादी पक्ष ने कोतवाली देहात के पीताम्बरपुर कलां निवासी अनिल मिश्रा को गवाह के रूप में पेश किया था। गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने गवाह से जिरह शुरू की थी। जिरह आगामी एक जुलाई को भी जारी रहेगी।

दिल्ली में मद्रासी कैंप पर चला बुलडोजर

आप बोली- ये भी हिंदू हैं, मदद के लिए आगे आई तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में बीते कुछ दिनों से अवैध तरीके से रह रहे लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। राजधानी के कई इलाकों में बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है। बीते दिन रविवार को भी निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन सटे इलाकों में भी ये अभियान चलाया गया। जहां सैकड़ों मकानों को बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया। इन मकानों में मालिक के अलावा कई परिवार किराए पर रह रहे थे। सरकार की इस कार्रवाई के बाद अब विपक्ष हमलावर हो चुका है। इस बीच तमिलनाडु सरकार ने मद्रासी कैंप में रह रहे लोगों को मदद देने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कहा कि ये भयावह दृश्य कहीं और का नहीं देश की राजधानी दिल्ली का है। आगे कहा कि देखिए बुलडोज़र का आतंक कैसे वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद बनाए गए लोगों के छोटे छोटे घर कुचल कर बर्बाद किए जा रहे हैं। ये तमिल भाइयों-बहनों के घर है। ये भी हिंदू हैं। बीजेपी किसी की सगी नही ये तुमको सिर्फ़ बर्बादी दे सकती है।

लोगों की मदद करेगी तमिलनाडु सरकार

तमिलनाडु सरकार ने मद्रासी कैंप में रह रहे लोगों को मदद देने का ऐलान किया है। सरकार मद्रासी कैंप के उन निवासियों की सहायता करेगी, जो तमिलनाडु में अपने मूल जिलों में वापस जाना चाहते हैं। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि इन लोगों के लिए आजीविका और अन्य आवश्यकताओं के लिए उन्हें सहयोग किया जाएगा।

कहां हुई बुलडोजर कार्रवाई ?

बारपुला में ढहाए गए ज्यादातर मकान 2 से 3 मंजिला थे। इन मकानों में मालिक के अलावा कई परिवार किराए पर रह रहे थे। यहां रहने वाले ज्यादातर परिवार दक्षिण भारतीय थे। यही कारण है कि इस बस्ती को मद्रासी बस्ती कहा जाता है। ये इलाका निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन सटा हुआ है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मद्रासी कैंप में सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट के आदेश पर अधिकारियों ने 1 जून 2025 से को मकान ढहा दिया।

लोगों के सर से छत छीन ली- सौरभ भारद्वाज

दिल्ली में झुग्गी बस्ती तोड़ने को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भी सीएम रेखा गुप्ता पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कल दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसी झुग्गी बस्ती को तोड़ा नहीं जाएगा और आज ही बारपुला मद्रासी कैंप को बुलडोजरों ने उजाड़ दिया। हजारों लोगों के सर से छत छीन ली।

कार और ट्राली की टक्कर में चार लोगों की मौत

महेंद्रगढ़, 2 जून (एजेंसियां)। महेंद्रगढ़- रेवाड़ी रोड पर कनीना के नजदीक उन्हानी गांव में ट्राले व वरना कार की भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। गश्त के दौरान मौके पर मौजूद पुलिस कर्मचारी राकेश ने बताया कि तकरीबन दो बजे के आसपास उन्हानी नहर के पास खड़े ट्राले में तेज गति से आ रही वरना कार ने पीछे से टक्कर मार दी। वरना कार ट्राले के अंदर घुस गई। घायलों को बड़ी मशक्कत से निकालकर उप नागरिक अस्पताल कनीना पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने चारों लोगों को मृत घोषित कर दिया।

कठुआ में सेना का सर्च ऑपरेशन, इलाके में दिखे 3 संदिग्ध लोग

स्थानीय लोगों को किया गया अलर्ट

जम्मू, 2 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के कठुआ जिले में संदिग्ध गतिविधि का पता चला है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने सोमवार को एक वन क्षेत्र के पास तलाश अभियान शुरू किया। सुरक्षाबलों के अधिकारियों ने कहा कि हीरानगर इलाके में एक नागरिक द्वारा तीन संदिग्ध लोगों को देखे जाने के बाद अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि एक संयुक्त अभियान दल तलाश में जुटा है। इलाके तथा राजमार्ग पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों की टीम पूरी तरह चौकन्ना है। राज्यभर में कहीं भी कोई संदिग्ध शख्स दिखता है तो सर्च ऑपरेशल चलाया जाता है। इस सर्च ऑपरेशन में सेना के साथ-साथ लोकल पुलिस की भी मदद ली जाती है। जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना, पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा कई क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। विशेष तौर पर कठुआ, किश्तवाड़ और सम्बा के जंगली इलाकों में संदिग्ध आतंकी गतिविधियों की सूचना के बाद 27 मई 2025 से संयुक्त अभियान चल रहा है, जो कठुआ के लोवांग और सरथल जैसे क्षेत्रों में छठे दिन भी जारी है।

नदर त्राल में मारे गए थे तीन आतंकी

किश्तवाड़ के शिंगपोरा क्षेत्र में 22 मई 2025 को शुरू हुए 'ऑपरेशन त्रशी' में एक सैनिक शहीद हो गया था। चार आतंकियों को घेर लिया गया था। इस दौरान दोनों ओर से जमकर गोलीबारी हुई थी। इसके अलावा, 15 मई 2025 को पुलवामा के नदर त्राल क्षेत्र में एक अन्य सर्च ऑपरेशन में तीन आतंकी मारे गए थे।

भारत का ऑपरेशन सिंदूर

ये सर्च ऑपरेशन 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 लोग मारे गए थे) के बाद शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का हिस्सा रहा है। इसका उद्देश्य आतंकी ठिकानों को नष्ट करना और क्षेत्र में स्थिरता लाना है।

अंबाला में कोरोना की दस्तक: एक महिला सहित दो संक्रमित मिले

अंबाला, 2 जून (एजेंसियां)। अंबाला में एक बार फिर कोरोना ने दस्तक दी है। सोमवार को अंबाला में दो मरीजों में संक्रमण पाया गया है। इसमें एक 74 वर्षीय महिला तो दूसरा 43 वर्षीय व्यक्ति है और दोनों अंबाला सिटी के रहने वाले हैं। व्यक्ति नोएडा में जॉब करता है और अपने परिवार से मिलने के लिए आया था। हालांकि दोनों मरीज स्वस्थ है। स्वास्थ्य विभाग ने जांच के बाद दोनों मरीजों को उनके घरों में ही 7 दिन के लिए होम आईसोलेट कर दिया है। साथ ही उन्हें इम्यूनिटी बूस्ट करने वाली दवाएं आदि दी गई है। साथ ही विभाग ने दोनों मरीजों के परिजनों व संपर्क में आने वाले सदस्यों की भी सैंपलिंग शुरू कर दी है ताकि पता चल सके कि कोई ओर तो संक्रमित नहीं है। जिला महामारी नियंत्रक डॉ। सुनील हरि ने बताया कि एक महिला व पुरुष में कोरोना का संक्रमण पाया गया है। दोनों होम आईसोलेट है। इस बार का संक्रमण कोई जानलेवा नहीं है लेकिन सावधानी बरतने की जरूरत है।

अन्ना यूनिवर्सिटी रेप केस में कोर्ट का बड़ा फैसला

आरोपी ज्ञानसेकरन को 30 साल की सजा, 90 हजार का जुर्माना भी

चेन्नई, 2 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में रेप मामले में महिला कोर्ट का फैसला सामने आ चुका है। अदालत ने दोषी ज्ञानशेखरन को 30 साल कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 90,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यहां साल 2024 के दिसंबर महीने में यूनिवर्सिटी की 19 वर्षीय छात्रा के साथ कैंपस में ही बिरयानी बेचने वाले शख्स ने रेप किया। जज राजलक्ष्मी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सजा आज 2 जून फैसला सुनाया है। चेन्नई महिला अदालत की तरफ से अन्ना विश्वविद्यालय रेप केस में आरोपी ए ज्ञानसेकरन को कम से कम 30 साल के लिए आजीवन कारावास और 90,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाए जाने पर, आरोपी के वकील बीआर जयप्रकाश नारायणन ने कहा, "अदालत ने अन्ना विश्वविद्यालय बलात्कार मामले में ज्ञानसेकरन को सभी 11 धाराओं में आरोपी पाया है।" कोर्ट ने पिछले हफ्ते ही आरोपी को दोषी करार दिया था और आज सजा का ऐलान किया गया है। आरोपी को बिना किसी छूट के 30 साल की सजा सुनाई गई है। उस पर 90,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है, जो पीड़िता को मिलेगा। आरोपी के वकील ने कहा कि हमारे पास बेहतर अपील करने का मौका है। अदालत से दस्तावेज मिलने के बाद, हम ऊपरी अदालत में अपील करेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दिसंबर 2024 में तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी इस समय सुर्खियों में थी। इसकी वजह 19 साल छात्रा के साथ कैंपस में ही बिरयानी बेचने वाले एक शख्स ने रेप किया था। आरोपी की पहचान ज्ञानशेखरन के रूप में हुई थी। उस छात्रा के साथ हुई दरिंदगी को लेकर विपक्षी दलों ने स्टालिन सरकार को निशाने पर लिया था। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया था कि आरोपी ज्ञानशेखरन ने पहले वीडियो बनाया और बाद में उसके साथ रेप किया था। जांच में यह भी पता चला कि ज्ञानशेखरन आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही 15 केस दर्ज हैं। इससे पहले भी वह रेप की घटना को अंजाम दे चुका है।

पुरी मंदिर के ऊपर फिर दिखा ड्रोन

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ ध्वज बदलने का वीडियो; पुलिस अलर्ट

भुवनेश्वर, 2 जून (एजेंसियां)। मंदिर के ऊपर एक बार फिर ड्रोन कैमरा उड़ते देखा गया है। ड्रोन कैमरे का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। वीडियो के वायरल होने का पता चलने के बाद उत्तर प्रदेश में हिमांशु नाम के एक व्यक्ति ने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट से इसे डिलीट कर दिया है। हेमंत कुमार पाढ़ी ने सिंहद्वार थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने 82/25 को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुबह करीब 10 बजे मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में चुनरा सेवकों द्वारा बाना बांधने जाते हुए दृश्य ड्रोन के जरिए रिकॉर्ड किया गया, जबकि चुनरा सेवादार नमस्कार करते नजर आए। पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल ने कहा कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

एसपी ने कहा कि पुलिस ने रथ यात्रा से पहले मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ने को गंभीरता से लिया है। जिस अकाउंट से यह सीन वायरल हुआ, उसकी जांच कर उसकी पहचान कर ली गई है। एसपी अग्रवाल ने बताया कि पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। इससे पहले भी कई बार मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ने की घटनाएं हो चुकी हैं।

सिक्किम में लैंडस्लाइड से आर्मी कैंप तबाह

तीन लोगों की मौत और 6 जवान लापता

कोलकाता, 2 जून (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट में बारिश से बुरा हाल है। सिक्किम के छतेन में बाढ़ के कारण अब कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 6 सुरक्षाकर्मी लापता हैं। भूस्खलन के कारण एक आर्मी कैंप चपेट में आ गया है और तीन लोगों की मौत हो गई। एक रक्षा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। रक्षा अधिकारी ने आगे बताया कि तीन लोगों के शव बरामद हुए हैं, वहीं 4 लोगों को मामूली चोटों के साथ बचा लिया गया है। अधिकारी ने ये भी कहा, छह लापता कर्मियों का पता लगाने के लिए बचाव दल चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं सिक्किम सरकार ने हालात को देखते हुए मंगन जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण तीस्ता नदी उफान पर है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

मंगन के पुलिस अधीक्षक सोनम डेचु भूटिया ने बताया है कि कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़कें बंद हैं। पर्यटकों को अपने होटलों में रहने की सलाह दी गई है। सिक्किम में में फंसे पर्यटकों को पुलिस, वन कर्मियों और लाचुंग होटल एसोसिएशन की कोशिश से निकाला जा रहा है। इससे पहले बताया गया था सिक्कि में बाढ़ के कारण 32 लोगों की मौत हो गई।

मणिपुर में खोले गए राहत शिविर

वहीं मणिपुर में पिछले चार दिनों में लगातार मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से 3,365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ऐसे में लोगों की मुश्किलों को कम करने के लिए 31 राहत शिविर कैंप खोले गए हैं।

महबूबा मुफ्ती बोलीं

'कश्मीरी पंडितों की वापसी जरूरी, उनके स्वागत में मेला खीर भवानी जाऊंगी

जम्मू, 2 जून (एजेंसियां)। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) नेता महबूबा मुफ्ती का कहना है कि जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की वापसी जरूरी है। उन्होंने उपराज्यपाल से मुलाकात कर कई विषयों पर चर्चा की और अपनी कई मांगें भी उपराज्यपाल के सामने रखीं। इस मुलाकात के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि उन्होंने एलजी से मुलाकात की और फिर से कश्मीरी पंडितों की वापसी पर जोर दिया। मुफ्ती ने कहा कि सैन्य शांति नहीं होगी और उन्हें लगता है कि कश्मीरी पंडितों के बिना कोई राजनीतिक प्रक्रिया पूरी नहीं होती। उन्होंने एलजी को एक दस्तावेज सौंपा है, उसे उमर अब्दुल्ला और गृह मंत्री को भी भेजेंगी।

एक-एक कर लौटेंगे कश्मीरी पंडित

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कश्मीरी पंडितों का एक बड़ा हिस्सा घाटी से बाहर है और पीएम पैकेज के तहत काम करने वाले लोग ट्रांसफर की प्रक्रिया को लेकर बहुत परेशान हैं। ऐसी नीति में उन्हें उस जगह काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए, जहां पीएम पैकेज के कर्मचारी नहीं जाना चाहते। उन्होंने आगे कहा कश्मीरी पंडितों का एक दिन में वापस लौटना संभव नहीं है, लेकिन जैसे-जैसे जम्मू और अन्य इलाकों में माहौल बेहतर होता जाएगा, वे एक-एक करके आएंगे। मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि राजनीतिक रूप से भी उनके लिए आरक्षण बनाए रखें।

अमरनाथ यात्रा पर भी बात हुई

पीडीपी नेता ने बताया अमरनाथ यात्रा पर हमने एलजी से बात की और हमने इस बात पर जोर दिया कि कश्मीरी लोग यात्रा में भाग लेने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमने पीडीपी के तौर पर एलजी से निर्देश मांगा कि हम इसके लिए क्या कर सकते हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ईद आ रही है और हमने एलजी से जेल में बंद लोगों को कश्मीर वापस लाने का अनुरोध किया है।

उमर अब्दुल्ला पर क्या बोलीं ?

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लेकर उन्होंने कहा कि अगर वह अपनी मध्यस्थता का इस्तेमाल करने को तैयार नहीं हैं, तो हम इसमें क्या कर सकते हैं। वह खुद अपनी शक्ति कम कर रहे हैं। इसके बाद मुफ्ती ने कहा मैं कश्मीरी पंडितों का स्वागत करने के लिए मेला खीर भवानी जाऊंगी और यह राजनीतिक रूप से नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी किया जाना चाहिए।

सीएम कवियों, कलाकारों को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अलग तेलंगाना राज्य के आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले नौ कवियों, कलाकारों और साहित्यकारों को 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया। यह कार्यक्रम सोमवार को परेड ग्राउंड में हुआ।

9 दिसंबर, 2024 को, मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि तेलंगाना के इन नौ कवियों को न केवल 1 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा, बल्कि राज्य में उनके असाधारण योगदान के सम्मान में फ्यूचर सिटी में 300 गज का भूखंड और एक तांबे का प्रमाण पत्र भी मिलेगा। स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, परेड ग्राउंड में उन्हें चेक वितरित किए गए।

रेवंत रेड्डी ने येक्का यादगिरी राव, अंदेसरी, सुद्दाला अशोक तेजा, जयराजू, पाशम यादगिरी के साथ-साथ दिवंगत गुडा अंजैया और गदर के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया और पुरस्कार प्रदान किए, जिन्हें नकद पुरस्कार मिले। गोरेटी वेंकन्ना की बेटी ने अपने पिता की ओर से नकद पुरस्कार प्राप्त किया, जो वर्तमान में विदेश यात्रा पर हैं। हालांकि, बंडी यादगिरी के परिवार के सदस्यों को नकद पुरस्कार नहीं मिला क्योंकि वे उपलब्ध नहीं थे।

इंटरमीडिएट के छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक नाबालिग लड़की ने रविवार रात मेडीपल्ली के बोडुप्पल स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। उसे कथित तौर पर डर था कि वह इंटरमीडिएट एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा में फेल हो जाएगी। जानकारी के अनुसार, 16 वर्षीय लड़की, जो बोडुप्पल के एक निजी जूनियर कॉलेज की इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा थी, उसने दो विषयों की दोबारा परीक्षा दी थी, जिनमें वह पहले फेल हो गई थी।

हालांकि, कथित तौर पर वह अपने प्रदर्शन से परेशान थी और उसने अपनी जान दे दी। परिवार के सदस्यों के सो जाने के बाद उसने अपने शयन कक्ष में छत के पंखे से दुपट्टे का प्रयोग कर फांसी लगा ली। मेडिपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

तेलंगाना समावेशी विकास का मॉडल : उत्तम

सूर्यपेट, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को समावेशी विकास और प्रगति के मॉडल राज्य में बदलने के लिए नए सिरे से संकल्प के साथ, सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को राज्य के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर सूर्यपेट में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी, इस बात पर जोर दिया कि उनके बलिदान ने राज्य की विकास यात्रा की नींव रखी।सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने तेलंगाना राइजिंग-2047 विजन डॉक्यूमेंट के प्रति तेलंगाना की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जो मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना को कल्याण, सामाजिक न्याय, हरित ऊर्जा, नवाचार, उद्योग, पर्यटन और पारदर्शी शासन में राष्ट्रीय नेता बनाने के लिए तैयार किया गया रोडमैप है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कल्याण और सामाजिक न्याय नीति, हरित ऊर्जा नीति, नवाचार और औद्योगिक नीति और पर्यटन नीति सहित प्रमुख नीतियां तैयार की हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि किसान तेलंगाना की विकास कहानी के केंद्र में हैं। पिछले 18 महीनों में, 25,35,964 किसानों को 20,617 करोड़ रुपये की फसल ऋण माफी से लाभ हुआ है।

धान का हर दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदा गया, जिसमें 24 घंटे के भीतर भुगतान किया गया, जो तेलंगाना की त्वरित सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की पहचान है। राज्य सरकार ने बढ़िया धान पर 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया था। इन पहलों ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिया, जिससे तेलंगाना भारत में कृषि खरीद के लिए एक मॉडल बन गया। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों ने 2.9 करोड़ टन धान का उत्पादन किया, जो एक रिकॉर्ड उच्च है जिसने तेलंगाना को देश में शीर्ष योगदानकर्ताओं में शामिल कर दिया है। मंत्री ने कहा कि सिंचाई के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसमें नागार्जुन सागर बायीं नहर, मुक्तला शाखा नहर, जनपद शाखा नहर और कई लिफ्ट सिंचाई योजनाओं सहित प्रमुख नहरों पर आधुनिकीकरण कार्य किए गए हैं, ताकि अधिक भूमि को खेती के अंतर्गत लाया जा सके। उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर बायीं नहर, मुसी परियोजना और एसआरएसपी चरण 2 से प्रचुर मात्रा में पानी की आपूर्ति किसानों के लिए निर्बाध सिंचाई सुनिश्चित कर रही है, जबकि सरकार मौजूदा लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के पुनरुद्धार पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है और जहां आवश्यक हो वहां नई योजनाओं को मंजूरी दे रही है।

मधु यशकी गौड़ ने एमएलसी कविता को लेडी माफिया डॉन बताया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश अभियान समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और पूर्व सांसद मधु यशकी गौड़ ने बीआरएस एमएलसी कविता के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए उन्हें "लेडी माफिया डॉन" बताया और कहा कि वह भाजपा का मोहरा हैं। गांधी भवन में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान मधु यशकी गौड़ ने दावा किया कि कविता ने तेलंगाना में पिछले बीआरएस प्रशासन के दौरान कई घोटालों और धोखाधड़ी गतिविधियों में महत्वपूर्ण कदाचार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कविता जीएसटी और नकली मुद्रा से जुड़े घोटालों सहित कई घोटालों में फंसी हुई हैं। उन्होंने तेलंगाना जागृति की जांच की मांग की और इसे एक भ्रष्ट संगठन करार दिया। कांग्रेस नेता ने आगे आरोप लगाया कि जब राजीव प्रताप रूडी केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री थे, तब कविता ने 100 करोड़ रुपये लिए। तेलंगाना जागृति के नाम पर 800 करोड़ रुपये की ठगी की, जिसमें कौशल विकास परियोजनाएं शुरू करने का वादा किया गया था। उन्होंने उन पर फीनिक्स जैसे संगठनों से धन जुटाने का भी आरोप लगाया। कविता ने अपने विभिन्न व्यावसायिक उपक्रमों के माध्यम से करोड़ों रुपये जमा किए हैं। वह अवैध धन की सुरक्षा के लिए अपनी जागृति को मजबूत कर रही है। इसके अलावा, कविता पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में काम कर रही है। उनका मानना है कि अगर भविष्य में बीआरएस पार्टी कमजोर होती है तो भाजपा को फायदा होगा।

राजभवन ने तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह मनाया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को राजभवन में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राज्यपाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तेलंगाना के लोगों और दुनिया भर में रहने वाले तेलंगानावासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। औपचारिक समारोह के बाद राज्यपाल ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह के तहत राजभवन सामुदायिक हॉल संस्कृत में आयोजित तेलंगाना संस्कृतिका संबारालु में भाग लिया। राज्यपाल ने अपने भाषण में तेलंगाना आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और राज्य की विशेषता वाली एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना का जश्न मनाया।

तेलंगाना सभी मोर्चों पर अग्रणी राज्य के रूप में उभरा : शब्बीर अली

आदिलाबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने दावा किया कि तेलंगाना कृषि, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। वह सोमवार को आदिलाबाद जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और औपचारिक सलामी लेने के बाद संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने 12वें स्थापना दिवस के आधिकारिक समारोह का नेतृत्व किया। तेलंगाना के गठन के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए, शब्बीर अली ने उनके अमूल्य योगदान को स्वीकार किया और कहा कि तेलंगाना का निर्माण उनके बलिदानों पर हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार तेलंगाना-2047 विजन को लागू कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य व्यापक विकास के मॉडल के रूप में उभरे। कृषि क्षेत्र में, उन्होंने कहा कि सरकार ने 25 लाख किसानों के लिए 20,617 करोड़ के कृषि ऋण माफ किए हैं। महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार मुफ्त बस यात्रा, रसोई गैस रिफिल पर 500 रुपये की सब्सिडी और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी पहलों के माध्यम से सम्मान और समर्थन सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 600 बसें स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 150 पहले ही वितरित की जा चुकी हैं। सरकार इंदिरा महिला शक्ति योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद सम्मेलनों और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है, जिसने तेलंगाना को विश्व मानचित्र पर ला खड़ा किया है। उन्होंने एससी वर्गीकरण सुनिश्चित करके और कल्याणकारी कार्यक्रमों में समान प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देकर सामाजिक न्याय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। शब्बीर अली ने सभी अधिकारियों और नागरिकों से तेलंगाना-2047 के सरकार के विजन को पूरा करने की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले।

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने पूरे जोन में एबीएसएस (अमृत भारत स्टेशन योजना) कार्यों को करते समय सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को नियमित रूप से कार्यों का निरीक्षण करने और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने पर्यवेक्षकों को ट्रैक रखरखाव कार्य करते समय सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। उन्होंने फील्ड स्टाफ को सुरक्षा निर्देशों और दिशानिर्देशों का पालन करने के बारे में नियमित रूप से परामर्श देने का निर्देश दिया। अरुण कुमार जैन ने मानसून की सावधानियों पर भी जोर दिया और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए ट्रैक पेट्रोलिंग को मजबूत करने की सलाह दी। उन्होंने तूफानी मौसम और संभावित भारी बारिश के मद्देनजर स्टेशनों पर आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने पटरियों की सुरक्षा, कर्मचारियों की काउंसलिंग आदि से संबंधित जोन पर चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि समय-समय पर दिए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का फील्ड स्तर के सभी कर्मचारियों द्वारा पालन किया जाए।

बकरीद से पहले हैदराबाद के भेड़ बाजारों में रौनक

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अजहा, जिसे बकरीद के नाम से भी जाना जाता है, के नजदीक आने के साथ ही हैदराबाद के भेड़ बाजारों में रौनक बढ़ गई है और विभिन्न राज्यों से व्यापारी त्यौहार के लिए भेड़ और बकरियां बेचने के लिए आ रहे हैं। ईद-उल-अजहा हिजरी कैलेंडर के बारहवें और अंतिम महीने धु-उल-हिज्जा की 10वीं तारीख को पड़ती है और शनिवार को मनाई जाएगी। जियागुडा और गोलनाका बाजारों में पिछले कुछ दिनों में भेड़ों की आवक बढ़ गई है और लोग बलि के लिए पशु चुनने और खरीदने के लिए वहा आ रहे हैं। बाजार में भेड़ व्यापारी के शिव लाल ने बताया कि बाजार में 10 से 12 किलोग्राम मांस देने वाली भेड़ की कीमत 11,000 रुपये है, जबकि बड़ी भेड़ की कीमत इससे भी ज्यादा है। अगले कुछ दिनों में दूसरे राज्यों से आने वाली भेड़ों के कारण कीमतों में गिरावट आ सकती है।

जियागुड़ा बाजार में 50 से अधिक कमीशन एजेंट हैं और गोलनाका बाजार में दो दर्जन एजेंट हैं जो रोजाना भेड़ों की बिक्री में मदद करते हैं। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात और अन्य राज्यों से बड़े ट्रकों में मवेशी बाजार में आते हैं और बिक्री के लिए रखे जाते हैं। जियागुडा के एक एजेंट मोइन कुरैशी ने बताया कि शहर में पशुपालकों को भेड़ों की अच्छी कीमत मिलती है। त्यौहार से पहले वे स्थानीय व्यापारियों से सौदा करते हैं और मवेशी लाकर बेचते हैं। इससे उन्हें अच्छा मुनाफा होता है। बकरीद के दौरान मांग के कारण भेड़ों की कीमतों में उछाल देखने को मिलता है। महबूबनगर के एक मवेशी विक्रेता के मोहन ने बताया कि बलिदान की भेड़ों की कीमत सामान्य भेड़ों की तुलना में थोड़ी अधिक होती है, क्योंकि जानवर की उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति जैसी कुछ खास बातें होती हैं। जलपल्ली, फलकनुमा, बरकस, टोलीचौकी, खिलवत, सिटी कॉलेज, चंचलगुडा, पहाड़ीशरीफ, राजेंद्रनगर और याकूतपुरा में भी अस्थायी बाजार खुल गए हैं।

राज्य स्थापना दिवस पर ट्रांसको सीएमडी ने ध्वजारोहण किया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीएमडी/टीजीट्रांसको डी. कृष्ण भास्कर ने आज विद्युत सौधा में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के दूरदर्शी नेतृत्व में, टीजी पावर यूटिलिटीज ने पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान उत्पादन, पारेषण और वितरण क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति हासिल की है। अपने मुख्य भाषण में सीएमडी ने बताया कि टीजीट्रांसको ने महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण से प्रेरित बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि की आशंका को देखते हुए 118 नए ईएचवी सबस्टेशन (9x400 केवी, 34x220 केवी, 75x132 केवी) के साथ 18,354 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ अगले पांच वर्षों के लिए ट्रांसमिशन योजना तैयार की है। यह बहुत गर्व की बात है कि तेलंगाना एसएलडीसी ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 'एलडीसी उत्कृष्टता पुरस्कार-2024' का प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता है। सीएमडी ने कहा कि प्रतिष्ठित पुरस्कार एनएलडीसी और फोरम ऑफ लोड डिस्पैचर्स (एफओएलडी) के सदस्यों वाली प्रतिष्ठित जूरी द्वारा चुना गया है। सर्वोत्तम प्रथाओं और उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाकर, टीजी पावर यूटिलिटीज ने बिजली खरीद प्रक्रिया को अनुकूलित किया है और दिसंबर 2023 से मई 2025 तक की अवधि के लिए लगभग 1226 करोड़ रुपये की बड़ी राशि बचाई है। बिजली क्षेत्र द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका के साथ, तेलंगाना देश में एक प्रमुख निवेश गंतव्य बन गया है। इस अवसर पर, सीएमडी/टीजीट्रांसको ने सभी बिजली कर्मचारियों से सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने की अपील की। जेएमडी/टीजीट्रांसको जे. सूर्य प्रकाश, टीजीट्रांसको और टीजीजेनको के निदेशक जी. नरसिंह राव, बी. नरसिंह राव, एम. सचिदानंदम, ए. अजय, बी. लक्ष्मैया और ई. अनुराधा ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

हरीश राव ने बीआरएस गठबंधन की चर्चाओं को किया खारिज

कहा- पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस और बीजेपी दोनों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अगले चुनावों में न तो गठबंधन करेगी और न ही किसी पार्टी से समर्थन मांगेगी। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने हाल ही में वारंगल के पास एक जनसभा के दौरान यह बात स्पष्ट कर दी थी। सोमवार को तेलंगाना भवन में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह के दौरान उन्होंने घोषणा की कि हम अकेले चुनाव लड़ेंगे और 100 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में लौटेंगे, हमारे नेता के चंद्रशेखर राव मुख्यमंत्री होंगे।

हरीश राव ने चेतावनी देते हुए कहा कि बीआरएस विवादास्पद बनकाचार्ला परियोजना के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार परियोजना का विरोध करने में विफल रही, जबकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू काम में तेजी ला रहे हैं, जबकि केंद्र में उनके समर्थन पर निर्भर भाजपा ने भी तेलंगाना के हितों की रक्षा नहीं की, जिसने आठ सांसद दिए। उन्होंने मांग की कि यदि कांग्रेस और भाजपा सांसदों में जरा भी ईमानदारी है तो उन्हें इस परियोजना को तत्काल रोकना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर तेलंगाना की कीमत पर आंध्र प्रदेश के हितों के साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया।

वरिष्ठ बीआरएस विधायक ने पुलिस और सरकारी अधिकारियों को अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए बीआरएस कार्यकर्ताओं को परेशान करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि हम देख रहे हैं। नाम लाल किताब में लिखे जाएंगे। सावधान रहें, आने वाली सरकार हमारी है।

कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए हरीश राव ने रेवंत रेड्डी सरकार पर आरोप लगाया कि उसने 12,000 करोड़ रुपये के बिल वाले सिर्फ़ चार ठेकेदारों को फ़ायदा पहुंचाया, जबकि छोटे ठेकेदारों के 1,200 करोड़ रुपये के लंबित बकाये को अनदेखा किया। उन्होंने कहा कि छात्रों या किसानों के लिए कोई पैसा नहीं है, लेकिन कांग्रेस नेताओं को फ़ायदा पहुंचाने के लिए सौंदर्य प्रतियोगिताओं और छह लेन वाली सड़कों के लिए पैसे बहाए जा रहे हैं।

उन्होंने सीसीटीवी फुटेज तुरंत जारी करने और मिस इंग्लैंड मिल्ला मैगी के साथ कथित दुर्व्यवहार में शामिल एक सांसद, एक निगम अध्यक्ष और एक आईएएस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि अगर आपमें थोड़ी भी ईमानदारी है, तो तुरंत कार्रवाई करें। पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को चुनौती दी और कहा कि अगर वह तेलंगाना में महिलाओं को 21,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने के अपने दावे को साबित कर दें तो वह इस्तीफा दे देंगे। रेवंत रेड्डी को तेलंगाना का गद्दार बताते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री पर आंध्र प्रदेश के अपने आकाओं के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया।

उन्होंने रेवंत रेड्डी से कहा कि आपने कभी जय तेलंगाना का नारा नहीं लगाया और इसके बजाय नारे लगाने वालों पर बंदूक तान दी। कम से कम अब, अपनी गलतियों को सुधारें और सही माध्यमों से बनकाचेरला परियोजना को रोककर राज्य के विकास के लिए काम करना शुरू करें। झूठ बोलना और तेलंगाना को धोखा देना बंद करें।

नेपाली लुटेरे गिरोह ने उड़ा दी हैदराबाद पुलिस की नींद

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और नेपाल के बीच सक्रिय संपत्ति अपराधियों के अंतर्राष्ट्रीय गिरोह ने इस समय शहर की पुलिस की नींद उड़ा रखी है। नेपाली गिरोह के नाम से प्रसिद्ध इन गिरोहों के सदस्य संपन्न परिवारों के यहां घरेलू नौकरानियों, रसोइयों, चौकीदारों और देखभाल करने वालों के रूप में काम करते हैं- और रातों-रात लुटेरे बन जाते हैं तथा करोड़ों रुपये की संपत्ति लूट लेते हैं। कुछ हफ़्ते पहले, काचीगुडा में एक परिवार को नशीला पदार्थ खिलाकर घर के काम में लगे पांच सदस्यों वाले नेपाली गिरोह ने लूट लिया था। गिरोह ने 60 लाख रुपये नकद और एक किलो सोना लूट लिया था।

करीब 25 दिनों से पुलिस की टीमें उनकी तलाश कर रही हैं, लेकिन वे अभी तक अपराधियों को पकड़ने में कामयाब नहीं हो पाई हैं। टीमें अलग-अलग राज्यों में घूम चुकी हैं और भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को भी अलर्ट कर चुकी हैं, लेकिन उनके प्रयासों से कोई नतीजा नहीं निकला है। पिछले मामलों में, पुलिस ने इसी तरह के अपराधों में शामिल नेपाली गिरोहों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। हालांकि, एक या दो सदस्य, जिनके पास अक्सर चोरी की गई संपत्ति का लगभग आधा हिस्सा होता है, अभी भी फरार हैं। सबसे बड़ी चुनौती अपराध करने के तुरंत बाद गिरोह का नेपाल सीमा पार भाग जाना है।

कालापत्थर इंस्पेक्टर खलील पाशा ने कहा, सावधानीपूर्वक योजना बनाकर हम गिरोहों को नेपाल में घुसने से पहले ही पकड़ सकते हैं।

एक बार जब वे नेपाल में घुस जाते हैं, तो उन्हें ट्रैक करना बेहद मुश्किल होता है। कार्य-प्रणाली के बारे में बताते हुए टास्क फोर्स इंस्पेक्टर एस. राघवेन्द्र ने कहा कि गिरोह का एक सदस्य पहले लक्ष्य के घर में नौकरी हासिल करता है और नियोक्ता का विश्वास जीतने के बाद, गिरोह के अन्य सदस्यों को अलग-अलग भूमिकाओं में वहां लाता है। उन्होंने कहा, जब भी मौका मिलता है, वे घर लूटकर भाग जाते हैं।

कुछ मामलों में, गिरोह अपराध करने से पहले नियोक्ता के परिवार को बेहोशी वाली दवाई मिलाकर खाना परोसते थे। अन्य मामलों में, वे नियोक्ता के छुट्टी पर जाने या किसी समारोह में भाग लेने तक इंतजार करते थे। पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे घरेलू सहायकों और ड्राइवरों को काम पर रखने से पहले उनके प्रमाण-पत्र अपलोड करने और सत्यापित करने के लिए हॉकआई मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करें। उन्होंने नियोक्ताओं को वैध पहचान प्रमाण एकत्र करने की भी सलाह दी।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-SrDME-WAT-313-2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के ओर एक्सचेंज कॉम्प्लेक्स (OEC), सेन्ट्रल सिक लाइन (CSL) एवं विशाखापट्टनम स्टील प्लांट साइडिंग (VSPS) डिपो स्थित BOXN एवं BOXNHL वैरिएंट वैगन में दो दरवाजे को बंद करना एवं शेष बचे दो दरवाजों की ऊँचाई को कम करना तथा विशाखापट्टनम स्टील प्लांट साइडिंग (VSPS) डिपो में अन्य विशेष मरम्मत की कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 19,17,15,690.02, EMD(रुपये में) : 11,08,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 18 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 27.06.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर(कोचिंग)/ वाल्टियर

PR-192/Q/25-26

आम आदमी पार्टी ने छोड़ा कांग्रेस, आरजेडी का साथ

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बनाया गया विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन अंतिम सांसें ले रहा है। अधिकतर पार्टियां गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़ने पर ध्यान दे रही हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले आम आदमी पार्टी ने भी गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। दिल्ली चुनाव में भी आप ने कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया था और पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद आप ने सभी राज्यों को दो हिस्सों में बांटा है। पहले हिस्से में वो राज्य हैं, जहां राष्ट्रीय नेतृत्व की तरफ से ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। यहां चुनाव प्रचार से लेकर अन्य सभी अहम फैसले अरविंद केजरीवाल और

मनीष सिसोदिया जैसे नेता लेंगे। वहीं, दूसरे हिस्से में अन्य राज्य हैं, जहां स्थानीय नेतृत्व को अपने फैसले लेने की छूट है।

अनुराग ढांडा ने किया खुलासा

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक अनुराग ढांडा ने कहा कि आम आदमी पार्टी किसी गठबंधन में नहीं है। पार्टी के पास अपनी ताकत है और वह उसी के भरोसे आगे बढ़ रही है। इंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि वह गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए किया गया था। अब आम आदमी पार्टी किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। फिलहाल आप सभी राज्यों में अपना संगठन मजबूत करने पर काम कर रही है।

सभी राज्यों को दो हिस्सों में बांटा

आम आदमी पार्टी ने सभी राज्यों को दो हिस्सों में बांटा है। पहले ग्रुप में वो राज्य हैं, जहां राष्ट्रीय नेतृत्व ज्यादा ध्यान देगा। इन राज्यों में पहले से पार्टी की पकड़ अच्छी है और इसे बेहतर करनी की कोशिश की जा रही है। इनमें पंजाब सबसे अहम है, जहां आप सत्ता में है। इसके अलावा गुजरात, असम, दिल्ली, गोवा उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश इस कैटेगरी में शामिल हैं। इन राज्यों में अहम फैसले लेने से लेकर चुनाव प्रचार तक की जिम्मेदारी अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेता संभालेंगे। वहीं, दूसरी कैटेगरी में वो राज्य हैं, जहां पार्टी की स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। यहां स्थानीय नेतृत्व के पास फैसले लेने की छूट है।

बिहार में सात चरण की यात्रा

बिहार में आम आदमी पार्टी सात चरण की यात्रा निकाल रही है। अनुराग ढांडा ने कहा आप अपने दम पर बिहार में चुनाव लड़ेगी। हम बूथ स्तर पर पार्टी का संगठन मजबूत करने पर ध्यान दे रहे हैं। लोगों से जुड़ने के लिए सात चरण की यात्रा निकाली जा रही है। सीमांचसल क्षेत्र के जरिए हम तीसरे चरण में पहुंच गए हैं। पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी।

चोरी के माल का होना था बंटवारा

हिसाब लगा रहे थे बदमाश तभी पहुंच गई पुलिस, मुठभेड़ में 4 अरेस्ट

बहराइच, 2 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आए दिन पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ होने की खबरें आती रहती हैं। अब ऐसी ही एक खबर उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से आई है। बहराइच जिले में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। ये मुठभेड़ जिले के फखरपुर थाना इलाके के भाकला गांव के गांधी घाट पर हुई। बताया जा रहा है पुलिस और बदमशों में ये मुठभेड़ उस समय हुई जब बदमाश चोरी के समान के बंटवारे के दौरान आपस में झगड़ा कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हुआ है। घायल बदमाश को इलाज के लिए फखरपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसका प्राथमिक इलाज किया। पुलिस ने बदमाशों के पास से असलहे, कारतूस, दो बाइकें और चोरी किया गया माल बरामद किया है। उन्होंने बताया कि फिर बदमाशों को भनक लग गई की पुलिस ने उनको घेर लिया है। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वो घायल हो गया। तीन और बदमाशों को दबोच लिया गया। घायल बदमाश हिस्ट्री शिटर है। उसका नाम रज्जब अली है।

बिहार पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

मोतिहारी में मंच से किसानों के लिए कर दिया बड़ा एलान!

मोतिहारी, 2 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार के कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को पूर्वी चंपारण के पीपराकोठी में कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य भारतीय कृषि को डिजिटल समाधान द्वारा उन्नत बनाना है। किसानों को खरीफ फसलों की नई तकनीक और किस्मों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। वैज्ञानिक समय पर बुवाई, प्रमाणित बीज का उपयोग, बीजोपचार और मिट्टी की जांच के बारे में बताएंगे। फव्वारा और ड्रिप सिंचाई के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा। यह राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसे वैज्ञानिक पहुंच, टिकाउ प्रथाओं और किसान सशक्तिकरण के माध्यम से भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने के लिए किया गया है। अभियान किसानों को आधुनिक कृषि तकनिकों, वैज्ञानिक तरीके से खेती और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करेगा। इससे किसानों को फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। अभियान की शुरुआत ओडिशा के पुरी से की गई है।

मंत्री ने चंपारण को बताया सत्याग्रह की जननी

मंत्री ने चंपारण को सत्याग्रह की जननी बताते हुए कहा कि पूर्वी चंपारण के सांसद सह पूर्व केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने गांधी की राह पर चलकर किसानों के अनेक काम किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर इन्होंने जो काम किए वो किसानों के खेवनहार बने।

बाराबंकी में ट्रक से टकराई कार, चार लोगों की हो गई मौत

बाराबंकी, 2 जून (एजेंसियां)। रामनगर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया। सुबह करीब 5 बजे बाराबंकी-बहराइच हाईवे पर धनौरा मोड़ के निकट अंचल चंचल ढाबा के पास अर्टिगा कार और ट्रक में टक्कर हो गई। इस हादसे में अर्टिगा कार सवार महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी रामनगर से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है। पुलिस के मुताबिक हादसे में मृतकों में इमामबाड़ा कोतवाली नगर गोंडा निवासी आयान कुरैशी (23) और एक महिला की पहचान हुई है। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) गरिमा पंत ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इंस्पेक्टर अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अन्य मृतकों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

आकाश आनंद की टिप्पणी पर मायावती ने किया पलटवार

कहा- बरसाती मेंढक नहीं कर सकते हैं आपका भला

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। हुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को लेकर कसे तंज पर पलटवार करते हुए कहा कि बसपा को कमजोर करने वाले संगठन और दल बरसाती मेंढक की तरह हैं, जो विधायक, सांसद या मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को जारी अपने बयान में कहा कि देश में बसपा ही बहुजन हित की एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी है। पार्टी हित में लोगों पर कार्रवाई करने व पश्चाताप करने पर उन्हें वापस लेने की परंपरा है। इसी क्रम में आकाश आनंद के उतार-चढ़ाव व उन्हें मुख्य नेशनल कोआर्डिनेटर बनाने से बहुत से लोगों में बेचैनी स्वाभाविक है। पार्टी को उम्मीद है कि अब आकाश आनंद डॉ। भीमराव आंबेडकर एवं कांशीराम के आत्म-सम्मान के कारवां को आगे बढ़ाने व उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी पूरी तनम्यता व जी-जान से निभाएंगे।

पार्टी को अवसरवादी व स्वार्थी लोगों की कतई जरूरत नहीं है। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना कहा कि वैसे भी कांग्रेस, भाजपा व सपा आदि पार्टियों के सहारे व इशारे पर चलकर बहुजनों की एकता व बसपा को कमजोर करने वाले बरसाती मेंढकों की तरह के संगठन व दलों के नेता चाहे निजी स्वार्थ में विधायक, सांसद व मंत्री क्यों ना बन जाएं, इनसे समाज का कुछ भला होने वाला नहीं है। लिहाजा लोग इनसे सावधान रहें। बता दें कि चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को कहा था कि आकाश आनंद को जनता नकार चुकी है। उन्हें मजबूरी में निकाला और रखा जा रहा है। बसपा के पास और कोई विकल्प नहीं है।

आकाश आनंद पर की थी ये टिप्पणी।

बसपा में आकाश आनंद की दोबारा वापसी पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जनता उन्हें नकार चुकी है। मजबूरीवश उन्हें निकाला और लिया जा रहा है। उनके पास कोई विकल्प नहीं है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती का मैं सम्मान करता हूं। कांशीराम और भीमराव अंबेडकर के मिशन को अब हमारी पार्टी पूरा करेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि बाबा साहब कहते थे कि मुर्दा लोग मिशन नहीं चलाते और जिंदा मिशन को नहीं छोड़ते। कांशीराम के संदेश और मिशन को आगे बढ़ने का काम आजाद समाज पार्टी कर रही है। एमपी-एमएलए और मंत्री बनना हमारा सपना होता, तो हमारी पार्टी के प्रथम पंक्ति में बैठे लोग आज किसी पार्टी में मंत्री होते।

पटना में 4 नाबालिग लड़कियां लापता, 2 दिन बाद भी सुराग नहीं

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। राजधानी पटना से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पटना जिले के ग्रामीण क्षेत्र से एक साथ निकली चार लड़कियां लापता हो गई हैं। ये सभी नाबालिग बताई जा रही हैं। बीते शनिवार (31 मई, 2025) को ये सभी घर से निकलीं, लेकिन दो दिन के बाद भी उनका कुछ अता-पता नहीं है। ना ही पुलिस के पास फिलहाल कोई जवाब है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा है। पूरा मामला पटना के पचरुखिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है। चार नाबालिग सहेलियां जब शनिवार को घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने इसकी शिकायत अगले दिन (रविवार) पचरुखिया थाने में की। परिजनों के अनुसार उन बच्चियों के पास कोई मोबाइल नहीं है। सभी के एक साथ लापता हो जाने से इनके घर में कोहराम मचा है। थाने में आवेदन देने वाले एक बच्ची के परिजन ने बताया कि उनकी 15 साल की बेटी एक बजे दिन में अपनी तीन सहेलियों के साथ बगल के एक गांव में कपड़ा सिलवाने की बात कहकर घर से गई थी। शाम हो गया लेकिन नहीं लौटी। इसके बाद जब बच्ची की सहेलियों के घर जाकर पता किया गया तो पता चला कि और भी तीन लड़कियां नहीं आई हैं।

हैदराबाद के कारोबारी से 1.98 करोड़ की साइबर ठगी करने वाला कानपुर से गिरफ्तार

कानपुर, 2 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना राज्य के हैदराबाद निवासी कारोबारी से 1.98 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने जूही लाल कालोनी से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान अमर शर्मा के रूप में हुई है। तेलंगाना पुलिस की टीम उसे लेकर रविवार सुबह रवाना हो गई। जानकारी के अनुसार हैदराबाद के गांधीनगर निवासी बड़े कारोबारी जी वेंकट रेड्डी से तीन मार्च को साइबर ठगों ने फेसबुक के माध्यम से संपर्क किया। ऑनलाइन निवेश में ज्यादा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देने वाला मैसेज भेजा। साइबर ठगो के जाल में फंसकर रेड्डी ने धीरे-धीरे बताए गए ट्रेडिंग अकाउंट में 1.98 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया। निवेश की रकम निकालने की कोशिश करने पर ठगों ने उनका अकाउंट बंद कर दिया। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तेलंगाना पुलिस के दरोगा अभिषेक के मुताबिक वारदात में पांच आरोपी शामिल थे। इसमें एक आरोपी निखिल को दिल्ली से गिरफ्तार किया जा चुका है।

तेज प्रताप के समर्थन में उतरे लालू यादव के सांसद

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के पक्ष में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद और प्रदेश अध्यक्ष के बेटे उतर गए हैं। सांसद सुधाकर सिंह ने तेज प्रताप का समर्थन किया है। कहा कि तेज प्रताप यादव ने जो किया है, उसे मैं गुनाह की श्रेणी में नहीं मानता है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और राम विलास पासवान का भी उदाहरण दिया। साथ ही राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से अपने फैसले पर विचार करने की अपील की। सुधाकर सिंह के इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। आइए जानते हैं सुधाकर सिंह ने क्या कहा?

दो शादी करना अनैतिक नहीं

बक्सर से सांसद और राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह ने कहा कि तेज प्रताप यादव ने कोई गुनाह नहीं किया है। अगर उन्होंने कुछ किया है तो इसकी घोषणा वह स्वयं करेंगे। दो शादियां हिन्दू रीति रिवाजों में रही है। कई जगह हमने तीन चार शादियों के बारे में हमने सुना है। दो शादी कई लोग कर चुके हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर इसे अनैतिक काम नहीं मानता हूं। आज भी कई लोग दो शादियां करके रह रहते हैं। उन्होंने रामविलास पासवान का भी उदाहरण दिया। उन्होंने भी दो शादी की थी। चिराग पासवान उनकी दूसरी पत्नी के बेटे हैं। उन्होंने लालू प्रसाद से अपील करते हुए कहा कि एक पिता के तौर उन्हें तेज प्रताप यादव को माफ कर देना चाहिए।

अब्बास अंसारी की सीट पर कौन लड़ेगा

बीजेपी या सुभासपा! ओपी राजभर ने कर दिया बड़ा दावा

लखनऊ, 2 जून (एजेंसियां)। हेट स्पीच मामले में सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म होने के बाद मऊ विधानसभा सीट खाली हो गई है, जिसके बाद जल्द ही इस सीट पर उपचुनाव कराए जाएंगे। इसे लेकर अब योगी कैबिनेट में मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान होता है तो उनकी ही चुनाव लड़ेगी। राजभर ने मऊ सीट पर दावा ठोकते हुए कहा कि वो इसे लेकर एनडीए के शीर्ष नेतृत्व से बात करेंगे। अब्बास अंसारी साल 2022 में सुभासपा से मऊ सीट पर चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे, लेकिन अब उनकी विधायकी रद्द हो गई है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जो सीट खाली हुई है वो सुभासपा की सीट है। इसलिए नियमों के हिसाब से इस सीट पर सुभासपा ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग यहां उपचुनाव का ऐलान करता है तो उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी। हम एनडीए गठबंधन से बातचीत करके, शीर्ष नेतृत्व से बातचीत करके वहां चुनाव लड़ेंगे।

अब्बास अंसारी के साथ खड़ी है पार्टी

राजभर ने कहा कि अब्बास अंसारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का एमएलए रहा है। अगर वो कोर्ट जाते हैं तो भी वो पार्टी के विधायक है और अगर न्यायालय स्टे देता है तो भी पार्टी के ही विधायक रहेंगे। इसलिए हम उनके साथ हैं। इस दौरान उन्होंने पंचायत चुनाव को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इसे लेकर चार बार मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है। दो बार गृहमंत्री से बात हो चुकी है। प्रधानमंत्री से भी एक बार इस चुनाव को लकेर बात हुई है। सभी की इस पर सहमति है कि धनबल और बाहुबल को खत्म करने के लिए जनता से चुनाव कराया जाए। कोशिश इस बात की है कि इस बार का पंचायत चुनाव सीधे जनता चुने। बकरीद पर सड़क पर कुर्बानी को लेकर राजभर ने कहा कि इसकी इजाजत किसी को नहीं है। सड़क पर कुर्बानी करने की इजाजत कोई संविधान नहीं देता है। कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है लेकिन जो अपने घर के अंदर करना चाहे या जहां पूजा पाठ करना चाह वहां कर सकता है। इसको लेकर कभी कोई मना नहीं करेगा। ओम प्रकाश राजभर ने इस दौरान सपा-कांग्रेस पर भी जमकर हमला किया और कहा कि ये लोग उल्टा काम करते हैं। इन्होंने कभी राजभर महाराजा सुहेलदेव का जिक्र नहीं किया लेकिन, आज एनडीए गठबंधन की सरकार जब से बनी है तब से देश में तमाम महापुरुष जो भी किसी भी जाति धर्म के हैं उनके व्यक्तित्व को जनता के बीच में बताने का काम हो रहा है। इसी कड़ी में 10 जून को महाराजा सुहेलदेव का विजय दिवस बहराइच में मनाया जाएगा। इसमें योगी आदित्यनाथ जी मुख्य अतिथि रहेंगे। वहां बने पार्क और मूर्ति का उद्घाटन प्रधानमंत्री से वर्चुअल कराने की तैयारी है।

बक्सर ट्रिपल मर्डर केस के 3 आरोपियों ने कोर्ट में किया सरेंडर

बक्सर, 2 जून (एजेंसियां)। बक्सर के अहियापुर में बालू की गाड़ी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद में तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी। वहीं दो लोग घायल हुए थे। इस हत्याकांड के तीन आरोपियों ने आज (सोमवार) बक्सर स्थित कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वालों में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व मुखिया मनोज यादव और बटेश्वर यादव शामिल हैं। कुर्की-जब्ती की कार्रवाई से दबाव बढ़ने के बाद इन लोगों ने सरेंडर किया है। पुलिस ने बीते रविवार को हत्या में प्रयुक्त स्कॉर्पियो को कोचस थाना क्षेत्र से लावारिस हालत में बरामद किया था। इससे जांच की रफ्तार और तेज हो गई थी। बता दें कि बीते 24 मई को अहियापुर गांव में बालू की गाड़ी रखने को लेकर विवाद हुआ था। बात इतनी बढ़ गई कि गोलीबारी तक हो गई। इस गोलीबारी में एक ही पक्ष की ओर से पांच लोग घायल हो गए थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि दो घायल हुए थे। घटना के बाद से ही पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। थाने की ओर से कुर्की का नोटिस भी चस्पा किया गया था।

जमीनी रंजिश में महिला की गोली मारकर हत्या

मैनपुरी, 2 जून (एजेंसियां)। जमीनी रंजिश के चलते देर रात सोते समय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चारपाई पर रक्तरंजित हालत में शव पड़ा देखकर स्वजन में चीख-पुकार मच गई। मौके पर पुलिस ने एक आरोपित को असलहा सहित गिरफ्तार कर लिया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में जुट गई है। वहीं मृतका के पति की ओर से घटना की तहरीर पुलिस को दी गई है। कुरावली थाना क्षेत्र के गांव जखौरा निवासी अरविंद कुमार से गांव के ही रुकुम सिंह से जमीनी रंजिश चल रही है। इसी के चलते दोनों पक्ष कई बार आमने-सामने भी आ चुके हैं। रात अरविंद सहित अन्य स्वजन खाना खाने के बाद सोने के लिए चले गए। उनकी 45 वर्षीय पत्नी रानी देवी घर के बरामदे में चारपाई पर सो रही थीं। रात डेढ़ बजे के करीब गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। रक्त रंजित हालत में शव पड़ा देख स्वजन में चीख पुकार मच गई।

दाल सब्जियों के दाम गिरने से लोगों में राहत

लोकल आम पहुंचने से मंडी गुलजार

वाराणसी, 2 जून (एजेंसियां)। पिछले साल ही सब्जियों दाम स्थिर या कम है। इसके कारण लोग सब्जियों की खरीद भी खूब कर रहे हैं। वहीं, दाल के भाव भी सीमा में हैं। कीमत कम होने से दाल तो खूब गल रही है। जीरे की छौंक भी सस्ती हो गई है। अरहर की एक नंबर दाल का भाव लगभग दो माह पहले जहां 140-150 प्रतिकिलो था। वहीं अब घटकर 105-110 रुपये किलो हो गया है। अरहर नहीं मसूर, मूंग व उड़द की दाल का भी गिरा है। वहीं अन्य खाद्य सामग्रियों के भाव में भी गिरावट या स्थिर है। हालांकि सरसों तेल में उबाल है वहीं दूसरी ओर रिफाइन तेल में नरमी आई है। सब्जी की स्थिति ये है कि परवल 10 से 30 रुपये किलो तक बिकने लगा। आलू भी 50 रुपये में तीन किलो तक बिक रहा है। नेनुआ 15 25, बैंगन 15 से 25, करैला 15 से 20 किलो तक बिक रहा है। प्याज भी 50 रुपये में तीन किलो तक बिका है। जब

सब्जी ही सस्ती हो तो दाल की लोग बचत कर रही है। यानी सब्जियों के दाम घटने से दाल की खपत पर भी असर पड़ा है। जाड़े के दिन में हरी मटर का भाव तक गिरकर 15 रुपये किलो तक आ गया था। हालांकि आटा, गुड़, किसमिस, बादाम, काजू आदि के दाम में बढ़ावा है। हालांकि दाल के साथ ही खड़ा मिर्च, धनिया, जीरा का भाव गिरा हुआ है। खोजवां स्थित प्रोविजन स्टोर के रिषभ गुप्ता ने बताया कि अधिकतर खाद्य पदार्थों के भाव में गिरावट या स्थिर है। खड़ा चना व मटर का दाम तो बहुत कम हो गया है। यही कारण है कि इस साल सत्तू का भाव भी नहीं बढ़ा।लोकल आम पहुंचने से मंडी हुई गुलजार संवाद सहयोगी, वाराणसी : फलों के राजा आम की आवक से पहड़िया मंडी में रौनक आ गई है। खासकर वाराणसी जनपद के आसपास इलाकों से लोकल आम पहुंचने से। भाव में भी 10 से 20 रुपये तक की कमी आ गई है। मंडी के फल विक्रेता पिंकी सोनकर, बताते हैं कि ओडिशा के दशहरी और लंगड़ा कच्चा आम की आवक से मंडी में शुरुआत हुई थी। इसकी कीमत 50 से 60 रुपये प्रति किलो थी। अब 10 से 15 पिकअप गाड़ी से रामनगर, चोलापुर, चौबेपुर, पिंडरा, लोहता, सिंधोरा, काशी विद्यापीठ, मिर्जामुराद आदि जगहों से लोकल लंगड़ा और दशहरी कच्चा आम आना शुरू हो गया हैं। इसकी वजह से मंडी में ग्राहकों की भीड़ भी बढ़ गई है। आम के रेट में 20 रुपये तक की कमी आ गई है। इस समय मंडी में कच्चा आम दशहरी/ लंगड़ा 35 से 45 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। हालांकि यही आम फुटकर मार्केट में पकाकर 80 से 90 रुपये प्रति किलो यानी दोगुना दाम में बेचा जा रहा है। इसलिए कच्चा और सस्ता आम खरीद कर घर पकाने वालों की भीड़ मंडी में बढ़ गई है। मार्केट से आधा दाम में कच्चा आम मंडी से खरीद कर लोग घर में ही पका कर आम खाने का आनंद ले रहे हैं। वहीं सीजन की शुरुआत में बंगाल की लीची आई थी। उसके 10 दिन बाद ही बिहार के मुजफ्फरपुर की फेमस लीची मंडी में आ गई। जिसका थोक रेट 70 से 90 रुपये प्रति किलो तक है। बाहर मार्केट में फुटकर रेट 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है।

पड़ोस वाले अंकल बने हैवान

टेडी बियर दिलाने के बहाने बुलाया और कर दिया रेप

पटना, 2 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि यह वारदात पीड़ित बच्ची के पड़ोस में रहने वाले अधेड़ व्यक्ति ने अंजाम दिया। आरोपी ने पीड़िता को टेडी बियर दिलाने के बहाने ले गया और उसके साथ गंदा काम किया । वारदात के बाद खुद आरोपी ने ही पीड़िता को अपनी कार में बैठाकर उसके घर तक छोड़ा। जानकारी होने पर पीड़िता के परिजनों ने आरोपी की कार पर पथराव किया है। वहीं, सूचना मिलने पर हरकत में आई पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया, लेकिन पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया है। मामला मुजफ्फरपुर में तुर्की थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस संबंध में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि पीड़ित छात्रा अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी आया और उसे टेडी बियर दिलाने के बहाने ले अपनी गाड़ी में उसे दो किलोमीटर दूर ले गया। जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को वापस उसके घर तक छोड़ने के बाद फरार हो गया। बच्ची के परिजनों ने बताया कि दो घंटे बाद ही पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि एफएसएल टीम के साथ मिलकर मामले की जांच कराई जा रही है। परिजनों के मुताबिक तुर्की थाना पुलिस ने केस नहीं दर्ज किया तो महिला थाने में शिकायत दी। अब महिला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। डीएसपी पश्चिमी टू अनिमेष चंद्र ज्ञानी के मुताबिक मामले की जांच कराई जा रही है। महिला थानेदार अदीति कुमारी ने बताया कि बच्ची के साथ हुई अमानवीय घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। उसका सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराया गया है।

पबजी वाला 'दोस्त' निकला फर्जी

बिहार में बेचता था अंडा, एमपी की युवती कैसे फंसी जाल में

उमरिया, 2 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उमरिया से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक हिंदू युवती ऑनलाइन गेम पबजी खेलती थी। इसी प्लेटफॉर्म पर वह बिहार के एक मुस्लिम युवक के संपर्क में आई। दोनों के बीच दोस्ती हो गई। इसके बाद युवती मध्य प्रदेश से बिहार पहुंच गई। हालांकि, परिजन की शिकायत पर पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया है। पुलिस युवती को ढूंढते-ढूंढते बिहार के मधुबनी पहुंची। यहां वह झंझारपुर में मिली। एक अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस वहां पहुंची तो आरोपी युवक फरार हो गया था। आरोपी युवक के पिता भी घर पर नहीं मिले। दोनों की तलाश की जा रही है। आरोपी युवक का नाम सलमान है। वह अंडा बेचता है।

पुलिस ने युवती को किया बरामद

पुलिस के मुताबिक, आरोपी युवक ने अपनी पहचान छिपाई। नाम भी दूसरा बताया। उसने खुद को हिंदू बताया। उमरिया पुलिस ने बताया कि एमपी पुलिस की एक टीम आई थी। एमपी पुलिस को उसके परिजन की ओर से शिकायत मिली थी। पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया है। क्या युवती का धर्मांतरण हुआ, क्या उसके साथ कोई बदसलूकी हुई...पुलिस ये पता लगाने में जुटी है। एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी युवक को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसकी तलाश में पुलिस की टीम जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि वह किन-किन लोगों के संपर्क में था। पुलिस आरोपी के दोस्तों का भी पता लगा रही है। घरवाले भी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। वहीं, इसकी जानकारी होते ही गांव में सन्नाटा पसर गया है। गांव का कोई भी व्यक्ति इस पूरे मामले पर बोलने से बच रहा है।

'महिला इन्फ्लुएंसर की गिरफ्तारी के वक्त कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया', पुलिस का दावा

कोलकाता, 2 जून (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है कि उन्होंने सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला वीडियो अपलोड करने के आरोप में 22 वर्षीय महिला इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर को अवैध रूप से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दावा किया कि शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी का बचाव करते हुए कहा कि मामले की उचित जांच की गई और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। कोलकाता पुलिस ने फेसबुक पर पोस्ट में कहा, 'कोलकाता पुलिस ने कानून की ओर से स्थापित प्रक्रिया के अनुसार वैधानिक रूप से काम किया। आरोपी को देशभक्ति व्यक्त करने या व्यक्तिगत विश्वास के लिए गिरफ्तार नहीं किया गया था। उस पर समुदायों के बीच घृणा को बढ़ावा देने वाली आपत्तिजनक सामग्री साझा करने के लिए कानूनी कार्रवाई की गई थी।'

कोलकाता पुलिस ने कहा, 'मामले की विधिवत जांच की गई और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आरोपी को बीएनएसएस की धारा 35 के तहत नोटिस देने के कई प्रयास किए गए, लेकिन हर बार वह फरार पाई गई। इसके बाद सक्षम अदालत की ओर से गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया, जिसके बाद उसे गुड़गांव से वैध तरीके से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे उचित मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार उसे ट्रांजिट रिमांड में भेजा गया। बाद में अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।'

क्या है मामला?

इससे पहले कोलकाता पुलिस ने कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणियों वाला एक वीडियो अपलोड करने के लिए महिला को गिरफ्तार किया था, जिसमें दावा किया गया था कि बॉलीवुड अभिनेता ऑपरेशन सिंदूर पर चुप थे। कोलकाता पुलिस ने कहा, 'कुछ सोशल मीडिया अकाउंट गलत सूचना फैला रहे हैं कि कोलकाता पुलिस ने पाकिस्तान का विरोध करने के लिए एक कानून की छात्रा को अवैध रूप से गिरफ्तार किया है। यह कहानी शरारती और भ्रामक है।' महिला के खिलाफ 15 मई को गार्डन रीच पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने एक वीडियो पोस्ट किया था, जो भारत के नागरिकों के एक वर्ग की धार्मिक आस्था का अपमान करता है और विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य और घृणा को बढ़ावा देता है। मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उचित धारा के तहत दर्ज किया गया था। आरोपी महिला पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से दुर्भावनापूर्ण कार्य करने, जानबूझकर अपमान करने, शांति भंग करने के लिए उकसाने के अलावा संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद गुड़गाव से उसकी गिरफ्तारी हुई। फिर उसे कोलकाता लाया गया। यहां की एक अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज की और 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

भाजपा पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कथित तौर पर वीडियो पोस्ट करने के लिए महिला को गिरफ्तार करने में कोलकाता पुलिस की आलोचना की। भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि गिरफ्तारी न्याय के लिए नहीं, बल्कि तुष्टिकरण के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, '22 वर्षीय कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को अब हटाए जा चुके वीडियो और सार्वजनिक माफी के बाद भी गिरफ्तार किया गया। कोई दंगा नहीं। कोई अशांति नहीं। फिर भी ममता बनर्जी की पुलिस ने रातों-रात कार्रवाई की। न्याय के लिए नहीं, बल्कि तुष्टिकरण के लिए। जब टीएमसी नेता सनातन धर्म का अपमान करते हैं।।। महाकुंभ का मजाक उड़ाते हैं और सांप्रदायिक जहर फैलाते हैं तो कोई एफआईआर नहीं होती, कोई गिरफ्तारी नहीं होती, कोई माफी नहीं मिलती। यह न्याय नहीं है। यह वोट बैंक प्रतिशोध है।'

पुलिस के स्पेशल सेल में घुसा 'स्पेशल'चोर

पलक झपकते 50 लाख कैश और करोड़ों के जेवर लेकर फरार

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। चोर उच्चकों पर नकेल कसने का दावा करने वाली दिल्ली पुलिस के अपने दफ्तर भी सुरक्षित नहीं है। यहां हाई सिक्योर माने जाने वाले दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल में ही चोरी हो गई है। बड़ी बात यह कि चोर कोई और नहीं, बल्कि इसी स्पेशल सेल में पूर्व में तैनात रहा हेड कांस्टेबल है, जिसका पिछले दिनों दूसरे जिले में ट्रांसफर हो गया था। आरोपी ने सेल में तैनात पुलिस कर्मियों की आंखों में धूल झोंककर करीब 50 लाख की नगदी और करोड़ों रुपये कीमत के सोने पर हाथ साफ कर दिया है। मामला सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी हेड कांस्टेबल को अरेस्ट कर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना का खुलासा होने के बाद महकमे में हड़कंप मच गया है। बता दें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का ऑफिस लोधी रोड पर है। इस ऑफिस से एंटी टेरर स्क्वॉड (एटीएस) का भी काम होता है। इसके अलावा यह टीम देश भर में गैंगस्टरों और आतंकवादियों से जुड़े मामलों की भी जांच करती है।

मालखाने में हुई चोरी

पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस सेल के द्वारा दबिश में बरामद माल को यहां मालखाने में रखा जाता है। चोरी भी इसी मालखाने में हुई है। यहां चोरी करने वाले आरोपी हेडकांस्टेबल की पहचान खुर्शीद के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। इसमें जानने का प्रयास किया जा रहा है कहीं वह पहले भी तो इस तरह के मामलों में शामिल नहीं रहा है।

पुलिस के सामने ही दिया वारदात

सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने यह वारदात मालखाने की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों के सामने ही अंजाम दिया था। दरअसल आरोपी जब मालखाने में पहुंचा तो उसे किसी पुलिसकर्मी ने रोकने की कोशिश नहीं की। दरअसल आरोपी हेड कांस्टेबल पहले यहां मालखाने में तैनात था, इसलिए यहां तैनात कर्मचारियों को लगा कि वह शायद किसी आधिकारिक काम से आया होगा। इस प्रकार आरोपी सीधे अंदर तक बिना रोकटोक के चला गया और इस वारदात को अंजाम देने के बाद आराम से निकल भी गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी इस तरह की वारदातों को पहले भी अंजाम देता रहा होगा।

करोड़ों का माल बरामद

फिलहाल मामला सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से 50 लाख रुपये की नगदी के अलावा भारी मात्रा में सोना बरामद कर लिया है। अब पुलिस अपने रिकार्ड का मिलान कर रही है। इसमें पता किया जा रहा है कि कितने प्रतिशत रिकवरी हुई और कितनी बाकी है। इसके अलावा पुलिस आरोपी की अन्य वारदातों में संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

छत पर सो रही थी 22 साल की दिव्यांग लड़की, किडनैप कर घोंट दिया गला

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मदनपुर खादर इलाके में 22 साल की एक दिव्यांग लड़की का अपहरण कर उसकी हत्या कर देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दिव्यांग लड़की के लापता होने की सूचना देर रात लगभग एक बजकर दो मिनट पर मिली थी और पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए इसकी सूचना दी गई थी। उन्होंने बताया कि कॉल पहले सरिता विहार पुलिस थाने में की गई थी और बाद में इसे कालिंदी कुंज पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मदनपुर खादर एक्सटेंशन निवासी स्थानीय निवासी ने फोन कर बताया कि एक दिव्यांग लड़की का अपहरण कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि बाद में जांच में पता चला कि मदनपुर खादर की रहने वाली लड़की अपने माता-पिता के साथ अपने घर की छत पर सो रही थी, तभी उसका कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया।

जिम में कोई भी मुस्लिम ट्रेनर न हो, जिम संचालक को निर्देश देने वाले एसआई पर हुआ एक्शन

भोपाल, 2 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कथित 'लव जिहाद' मामले ने पुलिस प्रशासन और राजनीति में गरमाहट ला दी है। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें सब-इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा को एक जिम संचालक को निर्देश देते देखा गया कि जिम में कोई भी मुस्लिम ट्रेनर न हो। इस मामले में सब-इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा पर बड़ी कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा को लाइन अटैच कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह की किसी भी कार्रवाई की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो समुदाय के बीच तनाव उत्पन्न करे। वीडियो में दिनेश शर्मा कह रहे थे, कोई भी मुसलमान यहां ट्रेनिंग देने या लेने नहीं आएगा। मैंने आपको यह स्पष्ट कर दिया है। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और पुलिस प्रशासन को मामले की जांच के आदेश देने पर मजबूर कर दिया।

बीजेपी सांसद आलोक शर्मा ने भी दिया बयान

इस विवाद में बीजेपी के सांसद आलोक शर्मा भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा है कि भोपाल के कई जिमों की सूची तैयार की जा रही है, जहां मुस्लिम समुदाय के ट्रेनर मौजूद हैं। आलोक शर्मा ने इंदौर में उठाए गए कदमों का समर्थन करते हुए कहा कि भोपाल में भी पुलिस को सूची सौंपेंगे और कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर 'लव जिहाद' की अनुमति नहीं दी जाएगी। भोपाल में इस मामले के बाद प्रशासन और पुलिस दोनों सतर्क हो गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी समुदाय के खिलाफ भेदभाव या अनुचित कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिलांग की खाई में मिली एक लाश, परिजनों से शव की शिनाख्त कराएंगे

इंदौर, 2 जून (एजेंसियां)। शिलांग में लापता हुए इंदौर के दंपति को खोजने खाई में उतरी टीम को एक लाश मिली है। शव को खाई के उपर लाया जा रहा है। शव की पुष्टि परिजनों के द्वारा किए जाने के बाद ही यह पता चलेगा कि शव राजा का है कि किसी और का। जिस स्थान पर शव मिला है। उसके आसपास खोजी दल ने अभियान और तेज किया है। यह लाश डबलडेकर रुट के खाई वाले हिस्से में मिली है। मौके पर राजा और सोनम रघुवंशी के भाई भी पहुंच गए है, उनसे पुलिस अफसर शव की शिनाख्त कराएंगे। हो सकता है कि शव किसी और का भी हो ,क्योंकि वहां काफी पर्यटक आते है। आपको बता दे कि राजा और सोनम शादी के बाद इंदौर से हनीमून मनाने शिलांग गए थे, लेकिन लापता हो गए थे। उनकी खोजबीन सप्ताह भर से एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों पर एक्शन

2000 लोगों को किया डिपोर्ट

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने के बाद भारत सरकार ने देश में रह रहे अवैध प्रवासियों को वापस बांग्लादेश भेजने का अभियान चलाया है। अब तक लगभग 2000 से अधिक अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को सीमा पार कर उनके देश भेज दिया गया है। इसमें से अधिकतर अप्रवासी पुलिस कार्रवाई के डर से भारत- बांग्लादेश की सीमा के पास आए और अपने देश वापस लौट गए। इस अभियान की शुरुआत गुजरात से हुई, जहां सबसे पहले बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा गया। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा, असम, महाराष्ट्र और राजस्थान ने भी इस अभियान को आगे बढ़ाया। इन सभी राज्यों ने मिलकर बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों को वापस उनके देश भेजा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन राज्यों में आर्थिक गतिविधियां अधिक होती हैं, अवैध प्रवासी अक्सर रोजी-रोटी कमाने के लिए उसी राज्य में जाते हैं। इसी कारण गुजरात ने सबसे पहले अप्रवासियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया और अवैध पाए जाने पर उन्हें वापस उनके देश भेजा गया। इसके बाद दिल्ली और हरियाणा ने भी अवैध प्रवासियों का खोज कर उन्हें वापस भेजा। इस संबंध में गृह मंत्रालय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध प्रवासियों को निकालने के लिए सभी राज्य की सरकारें सहयोग करें। अवैध प्रवासियों को सीमा पर लाने के लिए भारतीय वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद अप्रवासियों को बीएसएफ को सौंफ दिया जाता है, जहां वे शिविरों में रहते हैं। भोजन और जरूरत के सामानों के लिए अप्रवासियों को कुछ बांग्लादेशी मुद्रा दी जाती है।

राहुल गांधी आज भोपाल आएंगे, संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे

भोपाल, 2 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को भोपाल में राहुल गांधी के दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। राजधानी में जगह-जगह स्वागत पोस्टर लगाए जा रहे हैं और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में रविवार को इसको लेकर एक अहम बैठक भी हुई। राहुल गांधी का पिछला दौरा विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान हुआ था, जब उन्होंने पुराने भोपाल में रोड शो किया था। भोपाल में राहुल गांधी 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत करेंगे, जिसका आयोजन रविंद्र भवन में होगा। इसमें केवल एआईसीसी और पीसीसी के डेलीगेट्स, जिला और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पार्टी द्वारा विशेष पास जारी किए जा रहे हैं। यहां राहुल गांधी प्रदेश में कांग्रेस को फिर से संगठित करने की रणनीति साझा करेंगे और मिलकर कार्य करने की अपील कर सकते हैं। यह पहल कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए संगठित तैयारी की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। राहुल गांधी सुबह 10 बजे पीसीसी कार्यालय में राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक लेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे एआईसीसी पर्यवेक्षकोंके साथ बैठक करेंगे। फिर दोपहर दो बजे रविंद्र भवन में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ करेंगे। राहुल गांधी बूथ से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस नेटवर्क को दोबारा मजबूत करने पर ज़ोर देंगे। जिलाध्यक्षों के चुनाव के लिए पहले 50 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए थे। इसमें और कुछ नाम जोड़े गए हैं। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के अनुसार, राहुल गांधी नए और पुराने नेताओं को साथ लाकर भाजपा की कथित नाकामियों, भ्रष्टाचार और झूठे वादों के खिलाफ जनजागरण करेंगे।

मोबाइल पर बात करने में मग्न थी नर्स

अस्पताल में टेप की जगह काट दी नवजात की उंगली; मचा हड़कंप

बेंगलूरू, 2 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के वेल्लोर से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सरकारी अस्पताल में एक नर्स ने लापरवाही करते हुए एक नवजात शिशु की उंगली ही काट दी। आरोप है कि नर्स फोन पर बात करते-करते काम कर रही थी। ऐसे में उसका ध्यान फोन पर था और उस टेप काटना था। लेकिन उसने टेप की बजाय नवजात शिशु की उंगली ही काट दी। इसके बाद बच्चे के पिता को उससे डेढ़ घंटे तक मिलने भी नहीं दिया गया। इस दौरान नर्स नवजात के हाथ से सुई निकाल रही थी। सुई पर लगे टेप को हटाने के लिए नर्स कैंची का इस्तेमाल कर रही थी। तभी उसने टेप काटने की बजाय बच्चे की उंगली ही काट दी। पिता विमल राज का आरोप है कि इस घटना के वक्त नर्स फोन पर बात कर रही थी और उसका ध्यान फोन में लगा हुआ था। ऐसे में लापरवाही करते हुए उसने टेप की जगह बच्चे की उंगली काट दी। यही नहीं पीड़ित विमल राज ने ये भी आरोप लगाया कि बच्चे के साथ हुए हादसे के बाद उन्हें बच्चे से मिलने भी नहीं दिया। करीब डेढ़ घंटे तक उन्हें टालते रहे और बच्चे को देखने तक नहीं दिया गया। इसके बाद बच्चे को चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां बच्चे का इलाज शुरू किया गया। अब बच्चे की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है। इस घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी वेल्लोर की जिलाधिकारी सुब्बुलक्ष्मी को दी गई। उन्होंने इस मामले में जांच के आदेश देते हुए कहा कि अगर नर्स दोषी पाई जाती है और फोन पर बात करने वाली बात सच साबित होती है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मचा हड़कंप, मिला तेंदुए का शव

उमरिया, 2 जून (एजेंसियां)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर जोन में एक नर तेंदुए का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से वन विभाग और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया। यह घटना करौंदिया क्षेत्र के कक्ष क्रमांक पीएफ 619 की है, जहां सुबह क्षेत्रीय कर्मचारियों को गश्त के दौरान तेंदुए का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच शुरू की गई। क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और डॉग स्क्वॉड की मदद से आसपास के इलाके में सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही फील्ड स्टाफ द्वारा पैदल गश्त भी लगातार जारी है, ताकि किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि के संकेत मिल सकें। पनपथा बफर परिक्षेत्र के अधिकारी एसएस मार्को ने बताया कि मृत तेंदुआ लगभग चार वर्ष का नर था। शव के परीक्षण के दौरान उसके शरीर पर बाहरी चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे यह मामला संदिग्ध बन गया है।

वन्य चिकित्सकों की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम किया और आवश्यक नमूने सुरक्षित किए हैं। प्राथमिक जांच में किसी शिकारी जाल या अन्य अवैध गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जो तेंदुए की मौत के वास्तविक कारण का खुलासा करेगी। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पतौर परिक्षेत्र में भी एक तेंदुए का कंकाल बरामद हुआ था, जो लगभग 12 दिन पुराना बताया गया था। इस घटना के बाद से ही टाइगर रिजर्व क्षेत्र में निगरानी और सख्ती बढ़ा दी गई थी, लेकिन अब एक और तेंदुए की मौत ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिर्फ तारीख पर तारीख...

सांसद बर्क के अवैध निर्माण पर कब होगी कार्रवाई? आज होनी है अगली सुनवाई

संभल, 2 जून (एजेंसियां)। दीपासराय में सांसद जियाउर्रहमान बर्क द्वारा बिना नक्शा पास कराए बनाए गए मकान का मामला अब तारीख पर तारीख की कहावत बन चुका है। नगर नियोजन का उल्लंघन करते हुए किए गए इस निर्माण पर प्रशासनिक कार्रवाई की बजाय सुनवाई की तिथियां लगातार टलती जा रही हैं। अब तक 10 बार सुनवाई टल गई है। अब तीन जून को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, पांच दिसंबर 2024 को उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क को नोटिस जारी कर मकान के नक्शे से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा था। आरोप है कि दीपासराय स्थित मकान बिना किसी वैध नक्शा पास कराए बनाया गया है, जो नगर नियोजन अधिनियमों का खुला उल्लंघन है, लेकिन सांसद की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ने दावा किया कि यह मकान जियाउर्रहमान बर्क के नाम पर नहीं है और उन्होंने कोई निर्माण नहीं कराया है।

इस तकनीकी बहस के बीच मामला कानूनी पेंच में उलझता गया। अब तक इस मामले में दस बार सुनवाई की तारीख टल चुकी है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। एक जनवरी को हुई पहली सुनवाई में सांसद के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क की ओर से समय मांगा गया। 10 फरवरी को एसडीएम ने 500 रुपये का जुर्माना लगाया और अगली तारीख 17 फरवरी तय की गई। फिर 18 मार्च को दोबारा समय मांगा गया और जांच के लिए पीडब्ल्यूडी तथा नियमन विभाग की दो सदस्यीय टीम गठित की गई। 22 मार्च को सुनवाई के दौरान सांसद के वकील नईम कुरैशी ने बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी न्यायालय में अपील कर रखी है और इसलिए सुनवाई को आगे बढ़ाया जाए। यह सिलसिला आगे भी जारी रहा पांच अप्रैल, 15 अप्रैल और अब 3 जून तक मामला लटकता आ रहा है।

होटल में बैठे दोस्त, फ्री में खाने के लिए बनाया गजब का प्लान

प्लेट में खुद डाल दिए बाल; हुआ हंगामा

राजकोट, 2 जून (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट में तीन युवकों ने होटल में फ्री खाना खाने के लिए एक प्लान बनाया और खुद के सिर से बाल तोड़कर खाने में डाल दिया. इसके बाद उन्होंने होटल में हंगामा खड़ा कर दिया और होटल पर ही आरोप लगाया कि उनके खाने में से बाल निकला है, तीनों युवकों ने होटल के कर्मचारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सफाई से काम नहीं किया. इसलिए खाने में बाल निकला है. अब वह बिल नहीं देंगे. उन्होंने काफी देर तक इस बात को लेकर हंगामा किया. ये मामला राजकोट के साधु वासवानी रोड स्थित मोमोनी रेस्टोरेंट से सामने आया है. यहां तीन दोस्त खाना खाने के लिए आए थे. जहां इन तीनों ने खूब हंगामा किया. इन तीनों में से से दो युवकों ने अपने सिर से से धीरे से बाल उखाड़ा और खाने में फेंक दिया. लेकिन उनकी ये हरकत होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. इन युवकों ने बाल खाने में डालने के बाद खाने को होटल के मैनेजर को दिखाया और उन पर चिल्लाना शुरू कर दिया. यही नहीं एक युवक ने झगड़े में अपनी गलती मानने के बजाए बाल का डीएनए टेस्ट कराने तक की बात कह दी. युवक सफाई और खाद्य सुरक्षा की झूठी शिकायत करके होटल में फ्री में खाना, खाना चाहते थे.

'फर्जी' मुठभेड़ में कर दी पिता और 14 साल के बेटे की हत्या

अब 7 पुलिसवालों पर हुआ एक्शन

अहमदाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में 2021 में कथित फर्जी मुठभेड़ में एक व्यक्ति और उसके 14 साल के बेटे की कथित तौर पर हत्या करने के सिलसिले में पुलिस के एक उपनिरीक्षक (एसआई) समेत सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक जेडी पुरोहित ने बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद बाजना पुलिस ने 29 मई को उपनिरीक्षक वीएन जडेजा और 45 साल के छह सिपाहियों के खिलाफ हनीफखान मलिक और उसके नाबालिग बेटे मदीन की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में एफआईआर दर्ज की। पुरोहित ने बताया, "जडेजा और छह सिपाहियों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है। अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।" कथित फर्जी मुठभेड़ के समय बाजना थाने में तैनात पुलिसकर्मी वर्तमान में अलग-अलग इलाकों में सेवा दे रहे हैं। मलिक के वकील पुनीत दवे ने बताया, "इस साल अप्रैल में मलिक की नाबालिग बेटी सुहाना की अर्जी पर सुनवाई करते हुए पाटडी तालुका की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पुलिस को इन सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था।" गुजरात हाई कोर्ट ने जुलाई 2024 में एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मजिस्ट्रेट को कथित फर्जी मुठभेड़ की जांच करने का निर्देश दिया था। दवे ने बताया कि आरोपी पुलिसकर्मियों और राज्य सरकार ने बाद में सत्र कोर्ट में मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती दी, जिसमें दावा किया गया कि अधीनस्थ कोर्ट को एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने के बजाय पहले जांच करनी चाहिए थी। वकील ने बताया, "हालांकि, ध्रांगधरा की सत्र कोर्ट ने दो मई को पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया, जिससे एफआईआर दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।"

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 3 जून - 2025

बांग्लादेश में बढ़ती अराजकता

बांग्लादेश में संकट गहराता जा रहा है। इसका मुख्य कारण प्रमुख पक्ष शक्ति प्रदर्शन पर उतर आए हैं जिससे तेजी से अराजकता बढ़ रही है। बांग्लादेश में राजनीतिक बारूद सुलग रहा है जिससे न केवल देश के स्थायित्व पर खतरा है, बल्कि इसकी छाया भारत और पूरे दक्षिण एशिया पर पड़ सकती है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद अंतरिम काल में गैर-निर्वाचित सलाहकार नेता मुहम्मद यूनुस तथा सेना प्रमुख जनरल वकारुज्जमा के नेतृत्व में देश की सेना के बीच गतिरोध बढ़ता जा रहा है। संकट के केन्द्र में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का विखंडन, तेजी से बिगड़ता सुरक्षा परिवेश तथा भू-रणनीतिक परिवर्तन है जिसके प्रभाव बांग्लादेश की सीमाओं से बहुत आगे तक जाएंगे। मुहम्मद यूनुस ने स्वयं को शुरुआत में केवल अस्थाई सलाहकार के रूप में पेश किया, लेकिन अब उन्होंने बिना किसी व्यापक जनादेश के सत्ता पर अपना कब्जा जमा लिया है। चुनाव कराने में उनकी अनिच्छा तथा प्रशासन की लगातार उग्र व विदेशोन्मुख प्रकृति का देश की राजनीतिक शक्तियों तथा सेना की ओर से भारी विरोध हो रहा है। यूनुस द्वारा चुनावों की घोषणा में अनिश्चित विलंब से निराश जनरल वकारुज्जमा ने संवैधानिक व्यवस्था लौटाने की मांग की है। उन्होंने घोषणा की है कि सेना की भूमिका देश की रक्षा करना है, पुलिस जैसा कामकाज करना नहीं। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार से म्यांमार के राखीन राज्य तक अमेरिका-समर्थित विवादास्पद 'राखीन कॉरिडोर' का मुहम्मद यूनुस द्वारा समर्थन से तनाव विस्फोटक बिंदु तक पहुंच गया। हालांकि, इसे मानवीय सहायता के नाम पर पेश किया गया, पर सेना इस कॉरिडोर को संभावित भू-राजनीतिक जाल मानती है। इसके माध्यम से बांग्लादेश में छद्म युद्ध शुरू हो सकता है, उसकी संप्रभुता प्रभावित हो सकती है तथा वह क्षेत्रीय टकरावों में फंस सकता है। यूनुस के विदेश नीति झुकाव से बांग्लादेश का आंतरिक संकट खतरनाक रूप से अंतरराष्ट्रीय संकट में बदल सकता है। इस नीति में बांग्लादेश के हितों के बजाय सत्ता पर उनको अपनी पकड़ मजबूत करना ज्यादा महत्वपूर्ण लगता है। चीन और पाकिस्तान को खुश करने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लालमोनीरहाट हवाईअड्डा बीजिंग को सौंपने तथा अमेरिकन हितों के प्रति झुकाव के कथित प्रयास बांग्लादेश के परंपरागत रूप से भारत से जुड़ाव तथा उसके गठन के मूल सिद्धान्तों से व्यापक विचलन का संकेत देते हैं। विश्व नेताओं के सहयोग से अपनी गैर-निर्वाचित सरकार को वैधता दिलाने तथा लोकतांत्रिक जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के परोक्ष प्रयास संभवतः सर्वाधिक परेशान करने वाले हैं। आगे पेंच फंस सकता है। यूनुस के विदेश नीति झुकाव से बांग्लादेश का आंतरिक संकट खतरनाक रूप से अंतरराष्ट्रीय संकट में बदल सकता है। इस नीति में बांग्लादेश के हितों के बजाय सत्ता पर उनको अपनी पकड़ मजबूत करना ज्यादा महत्वपूर्ण लगता है। चीन और पाकिस्तान को खुश करने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लालमोनीरहाट हवाईअड्डा बीजिंग को सौंपने तथा अमेरिकन हितों के प्रति झुकाव के कथित प्रयास बांग्लादेश के परंपरागत रूप से भारत से जुड़ाव तथा उसके गठन के मूल सिद्धान्तों से व्यापक विचलन का संकेत देते हैं। विश्व नेताओं के सहयोग से अपनी गैर-निर्वाचित सरकार को वैधता दिलाने तथा लोकतांत्रिक जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के परोक्ष प्रयास संभवतः सर्वाधिक परेशान करने वाले हैं। यूनुस ने अमेरिका से लेकर वेटिकन तक कई देशों की यात्रा की है और वे देश में अस्वीकृति के बावजूद विश्व मंच पर अपनी वैधता तलाश करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। यूनुस का समर्थन कर रही जमात जैसी इस्लामवादी शक्तियों और देश की प्रमुख सेक्युलर पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध से धार्मिक पुनः ध्रुवीकरण का खतरा बढ़ गया है। भारत के लिए यह स्थिति बहुस्तरीय चुनौतियां पेश करती है। बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के क्षरण, मुहम्मद यूनुस की भारत विरोधी लफ्फाजी तथा उनके चीन और पाकिस्तान के प्रति झुकाव से नई दिल्ली में खतरे की घंटियां बजने लगी हैं। ढाका में जो कुछ भी होता है, वह केवल ढाका तक सीमित नहीं रहेगा। बांग्लादेश में आंतरिक संघर्ष व्यापक भू-राजनीतिक टकरावों और वैचारिक संघर्षों से भी प्रभावित है जो पूरे दक्षिण एशिया पर असर डाल रहे हैं। बांग्लादेश में यह समय लोकतंत्र, संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थायित्व के लिए जागरूक और सतर्क होने का समय है। भारत समेत सारी दुनिया को बांग्लादेश की स्थितियों पर सावधानी से नजर रखने के साथ ही वहां पैदा हो रही विकृतियों के खिलाफ कठोर प्रतिक्रिया करनी चाहिए। हालांकि, भारत सरकार इस्लामी गिरफ्त में जा रहे बांग्लादेश पर हिंदू-विरोधी हिंसा रोकने को लगातार दबाव डालने से बांग्लादेश में हिंदू-विरोधी हिंसा काफी सीमा तक थमी है, पर उनका अलगाव बढ़ रहा है। बांग्लादेश की जनता को अपने भविष्य का निर्णय करने का अधिकार है। इसमें किसी प्रकार का षडयंत्र, सैन्यवाद या विदेशी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। बांग्लादेश में आगे बढ़ने का रास्ता केवल मतपेटियों से होकर गुजरता है।

शेख हसीना की बढ़ती जा रही है मुश्किलें

अशोक भाटिया

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ रही हैं। वहां की पुलिस ने शेख हसीना पर शिकंजा कसने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। अब खबर है कि बांग्लादेश पुलिस के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) ने इंटरपोल से 12 लोगों के खिलाफ रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध किया है। इस सूची में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का नाम भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 77 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त बांग्लादेश से भाग चुकी हैं। राजधानी ढाका में उग्र छात्र आंदोलन के बाद हसीना बांग्लादेश से भाग आईं थीं। इस आंदोलन ने उनकी पार्टी अवामी लीग (एएल) के 16 साल के शासन को समाप्त कर दिया था। ज्ञात हो कि शेख हसीना तख्तापलट के बाद से ही भारत में रह रही हैं। वह विरोध प्रदर्शनों के बाद भारत भाग आई थी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार शेख हसीना की वापसी की मांग कर रहा है, लेकिन भारत ने ऐसी किसी भी मांग पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत और बांग्लादेश के रिश्ते शेख हसीना के समय मजबूत रहे हैं, लेकिन उनके तख्तापलट के बाद इनमें दरार आ गई है। बांग्लादेश की नई यूनुस सरकार का झुकाव चीन औप पाकिस्तान की तरफ है, जबकि बांग्लादेश से भारत रिश्ते बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। द डेली स्टार के अनुसार, एनसीबी ऐसे अनुरोधों को अदालतों, लोक अभियोजकों या जांच एजेंसियों की अपीलों के आधार पर प्रक्रिया में लाता है। सहायक पुलिस महानिरीक्षक (मीडिया) एनामुल हक सागर ने पुलिस मुख्यालय में कहा, ये आवेदन उन आरोपों के संबंध में दायर किए जाते हैं, जो जांच के दौरान या किसी चल रही केस प्रोसिडिंग में सामने आते हैं।रेड नोटिस का उपयोग इंटरपोल द्वारा किसी व्यक्ति की अस्थायी गिरफ्तारी के लिए किया जाता है, ताकि प्रत्यर्पण या अन्य कानूनी प्रक्रिया की जा सके। इंटरपोल विदेशों में रह रहे भगोड़ों का पता लगाने में मदद करता है और एक बार पुष्टि हो जाने पर संबंधित अधिकारियों को यह जानकारी साझा की जाती है। बांग्लादेश में 8 अगस्त को अंतरिम सरकार ने देश की बागडोर संभाली थी और इस सरकार में मुहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी मिली थी। यूनुस के पद संभालने के कुछ ही हफ्तों बाद बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों, सैन्य और नागरिक अधिकारियों के खिलाफ 'मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार' के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे।पिछले साल नवंबर में आईसीटी के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने पुलिस मुख्यालय से हसीना और अन्य भगोड़ों की गिरफ्तारी में इंटरपोल की मदद लेने का औपचारिक अनुरोध किया था। 21 जनवरी को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा था कि वो अपदस्थ हसीना को भारत से वापस लाने के प्रयास जारी रखेगी और यदि जरूरत हुई तो अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप भी मांगा जाएगा। वैसे बताया जाता है कि रेड कॉर्नर नोटिस कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं होता है। यह एक अनुरोध होता है इंटरपोल सदस्य देशों से कि वे उस व्यक्ति को अस्थायी रूप से गिरफ्तार करें ताकि उसे प्रत्यर्पण के लिए तैयार किया जा सके। यानी गिरफ्तारी जरूरी नहीं है। ये सदस्य देश की मर्जी पर निर्भर करता है।हालांकि, जानकारों का कहना है कि अगर इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी करता है तब भी शेख हसीना का प्रत्यर्पण पूरी तरह भारत पर निर्भर करेगा। इंटरपोल के नोटिस पर सीधे गिरफ्तारी करने के लिए भारत कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। भारत पहले देखेगा कि क्या बांग्लादेश के साथ प्रत्यर्पण संधि है? क्या आरोप राजनीतिक प्रकृति के हैं? अगर ऐसा है तो भारत इनकार भी कर सकता है। इसके अलावा, भारत की अपनी राजनीतिक और कूटनीतिक प्राथमिकताएं क्या हैं? अगर भारत को लगता है कि हसीना को प्रत्यर्पित करना राजनीतिक उत्पीड़न जैसा होगा तो वो मना कर सकता है। समाचारों के अनुसार मुहम्मद यूनुस की नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतिरम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर पहले ही बैन लगा दिया है। यह फैसला आतंकवाद विरोधी कानून के तहत लिया गया है। अवामी लीग ने इस बैन का विरोध जताते हुए कहा कि दमनकारी और अलोकतांत्रिक निर्णय बताया था ।यूनुस सरकार ने कहा है कि आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसकी आधिकारिक सूचना अगले कार्यदिवस पर जारी की जाएगी। यह प्रतिबंध तब तक जारी रहेगा जब तक आवामी लीग के नेताओं के खिलाफ इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल में मुकदमे पूरे नहीं हो जाते। मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया था साथ ही इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल (आईसीटी) कानून में संशोधन किया गया है । जिसके तहत किसी भी राजनीतिक दल, उसके नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मिल गई। आवामी लीग का यूनुस सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंध का विरोध जारी है। आवामी लीग ने कहा है कि यूनुस सरकार का यह फैसला बांग्लादेश को तानाशाही दिशा में धकेल रहा है। आवामी लीग ने अंतरराष्ट्रीय समुदायों और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे इस अलोकतांत्रिक निर्णय की निंदा करें। साथ ही लोगों से एकजुटता दिखाने को कहा गया है। आवामी लीग ने कहा कि प्रतिबंध लगाकर बांग्लादेश की पहचान को मिटाने की कोशिश की जा रही है। यह बांग्लादेश के इतिहास का काला दिन है। गौरतलब है कि आवामी लीग बांग्लादेश की सबसे पुरानी पार्टी है। 1971 में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली थी। 2024 में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को मजबूर भारत में शरण लेना पड़ा और वहां मुहम्मद यूनुस ने सरकार बना ली। इसी घटनाचक्र में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के पूर्व मंत्री अनिसुल हक पर अदालत में पेशी के बाद जेल वैन में ले जाते समय भीड़ ने हमला कर दिया था । यह खबर को बांग्लादेश के कई प्रमुख अखबरों में छपी थी ।वहां के लोकप्रिय अखबार 'प्रथोम आलो' और अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वकीलों समेत भीड़ ने पूर्व कानून मंत्री अनिसुल हक पर तब हमला किया जब पुलिस उन्हें जेल वैन तक ले जा रही थी। पुलिस सुरक्षा कम होने की वजह से भीड़ हमला करने में कामयाब रही। ये लोग पूर्व शेख हसीना सरकार का विरोध कर रहे थे। यह हमला तब हुआ था जब नारायणगंज नामक नदी बंदरगाह शहर की एक अदालत ने पुलिस को तीन दिनों के लिए अनिसुल को हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। हत्या के मामले में अनिसुल से पूछताछ की जानी है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, पुलिसकर्मी सुरक्षा का घेरा बनाकर अनिसुल को लेकर जेल की वैन की ओर ले जा रहे थे। तब ही भीड़ ने हमला कर दिया। हालांकि, उन्हें गंभीर चोटें नहीं आई। अखबार प्रथोम आलो के अनुसार, जब अनिसुल को अदालत से जेल वैन की ओर ले जाया जा रहा था तब कुछ लोगों ने अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया। अनिसुल हक और हसीना की अवामी लीग के कई मंत्रियों पर पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार और हत्या के आरोप लगे हैं।छात्रों के आंदोलन की वजह से 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना की 16 साल लंबे शासनकाल का अंत हो गया। जिसके बाद शेख हसीना भारत आ गईं। तब से वह भारत में ही रही हैं। बांग्लादेश ने औपचारिक तौर पर हसीना को सौंपने का आग्रह किया है। शेख हसीना का बांग्लादेश छोड़ने के बाद मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया। बांग्लादेश के शीर्ष चुनाव निकाय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्यों के राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) लॉक कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हसीना सहित 10 लोगों के पहचान पत्र 16 फरवरी को एक आधिकारिक पत्र के जरिए लॉक किए गए थे, जिस पर चुनाव आयोग में राष्ट्रीय पहचान पंजीकरण विंग के महानिदेशक एएसएम हुमायूं कबीर ने हस्ताक्षर किए थे।

बदलते दौर में अनिवार्य बनती साइकिल

योगेश कुमार गोयल

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं।

समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी। दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया।साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा।

साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। साइकलिंग परिवहन का सबसे सस्ता साधन है, जिससे रत्तीभर भी पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता। आधा घंटा साइकलिंग करने से बॉडी फिट रहती है, शरीर पर चर्बी नहीं आती, पाचन क्रिया ठीक रहती है, हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं और कई जानलेवा बीमारियां दूर रहती हैं। चूंकि साइकिल स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है, इसीलिए दुनियाभर में साइकिल के चलन को बढ़ावा देने का सीधा सा अर्थ है वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना क्योंकि साइकलिंग में स्वाभाविक शून्य उत्सर्जन मान होता है, इसीलिए यह कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कमी में बड़ा योगदान देती है।

आतंकवाद के खिलाफ वित्तपोषण पर रोक जरूरी

सुरेश हिंदुस्तानी

आतंकवाद को आश्रय देने वाले देश पाकिस्तान की असलियत को उजागर करने के लिए भारत ने बहुत बड़े रणनीतिक स्तर पर कार्य किया है। एक तरफ जहां पाकिस्तान केवल तीन ऐसे मुस्लिम देशों का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा है, जो उसे पहले से ही समर्थन कर रहे थे। वहीं भारत ने इससे आगे बढ़कर वैश्विक समुदाय के समक्ष पाकिस्तान को आतंकियों को संरक्षण देने वाला देश बताने में कोई संकोच नहीं किया। भारत ने विश्व के तमाम देशों में अपने प्रतिनिधि मंडल भेजकर भारत का पक्ष रखकर यह बताने का प्रयास किया है कि आतंकी हमला पाकिस्तान की ओर से किया गया। इसके विपरीत भारत की ओर से केवल जवाबी कार्यवाही ही की गई है, जिसका भारत को पूरा अधिकार है। भारत के प्रतिनिधि मंडलों की ओर से इस सच को दुनिया को बताने का प्रयास किया जा रहा है कि भारत की ओर से पाकिस्तान पर हमला नहीं किया गया, बल्कि आतंकवाद पर प्रहार किया गया। इसी बात पर भारत को विश्व समुदाय का समर्थन भी मिल रहा है। सबसे ख़ास बात यह है पाकिस्तान में जहां अपनी ही सरकार विपक्ष के निशाने पर है, वहीं भारत सरकार ने अपनी कूटनीतिक चाल चलते हुए इन प्रतिनिधि मण्डलों में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही विपक्ष के कई प्रभावी नेताओं को शामिल किया है। यही नेता विश्व के देशों में भारत का पक्ष मजबूती से रख रहे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से विश्व बिरादरी से पाकिस्तान पर अलग थलग होने का गंभीर खतरा भी उत्पन्न हो गया है। यह बात सही है कि पाकिस्तान में आश्रय और संरक्षण प्राप्त करने वाले आतंकी आकाओं को आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए वित्त पोषण प्राप्त होता रहा है। इसका आशय स्पष्ट है कि पाकिस्तान आतंक को समाप्त करने के लिए तैयार नहीं है। क्योंकि आतंकवादियों को जब तक वित्त पोषित कया जाता रहेगा, तब तक पाकिस्तान की ओर से आतंक फैलाने वालों पर अंकुश लगाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सबसे पहले उसके वित्त पोषण पर रोक लगाना बहुत जरूरी है। यहां यह कहना बहुत आवश्यक है कि पाकिस्तान गिड़गिड़ाकर समर्थन पाने का प्रयास कर रहा है, वहीं भारत की ओर से पाकिस्तान को अलग थलग करने का ठोस प्रयास भी किया जा रहा है। जिसमें भारत का बहुत हद तक सफलता भी मिल रही है। आज के समय में पाकिस्तान इस बात को नकारने का साहस नहीं कर सकता कि उसके देश में आतंकवादी संगठन सक्रिय नहीं हैं। क्योंकि यह तथ्य विश्व के सामने उजागर हो चुका है। आज भी पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा, लश्कर ए ओमर, जैश ए मोहम्मद, हरकतुल मुजाहिद्दीन, सिपाह ए सहाबा, हिज़्बुल मुजाहिदीन आदि पाकिस्तान में रहकर अपनी आतंकी गतिविधियाँ चलाते हैं। कई मामलों में आईएसआई से इन्हें सक्रिय प्रशिक्षण एवं अन्य सहयोग भी मिलते हैं। इतना ही नहीं कई बार सेना और सरकार का भी खुला संरक्षण भी इनको मिलता रहा है। पाकिस्तान सरकार की मानें तो उसके यहां 20 से अधिक आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस संख्या को 150 से अधिक तक बताता है। वहीं, अमेरिकी स्टेट डिमार्टमेंट के मुताबिक यह संख्या 70 से अधिक है। वैश्विक समुदाय के दबाव में पाकिस्तान कई बार आतंकी समूहों के विरोध में कार्यवाही करने की बात करता है, लेकिन वहीं दूसरी ओर सेना और राज्य सरकारों की ओर से आतंकी संगठनों को खाद पानी प्राप्त होता रहता है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ें बहुत ही गहरी हैं। वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान की वास्तविकता बताने के लिए भारत की ओर से ठोस रणनीति बनाकर कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है। जहां पाकिस्तान सरकार को अपने ही देश के विपक्षी दलों के कोप का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत सरकार के साथ विपक्ष के सांसदों ने पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए सामूहिक वैश्विक अभियान चलाया है। इससे पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि कहीं पाकिस्तान एक बार फिर से ग्रे सूची में नहीं आ जाए। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि पाकिस्तान की तसवीर यही चित्र प्रदर्शित कर रही है। आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहे पाकिस्तान में अब इतना साहस नहीं है कि वह विश्व के आर्थिक प्रतिबंधों को झेल सके। इसमें पाकिस्तान में आतंरिक विरोधाभास आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान से अलग होने के लिए चल रहे आंदोलन में और तेजी आई है। इतना ही नहीं बीएलए ने तो कई कदम आगे बढ़कर अपने आपको स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। ब्लूचिस्तान का यह कदम पाकिस्तान को बहुत कमजोर करने वाला है। पाकिस्तान के बारे में यह आम धारणा निर्मित हो चुकी है कि वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। इसके अलावा यहां पर आतंकवादी संगठनों को वित्त पोषित भी किया जाता है।

जनता ही कसे बदजुबान राजनीति की लगाम

राज कुमार सिंह

भाजपा ने कर्नाटक में अपने दो विधायकों: एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बर को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते छह साल के लिए निकाल दिया, लेकिन देश और समाज विरोधी बयान देनेवाले नेताओं के विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई अभी तक किसी दल में नजर नहीं आती। ऐसे नेताओं की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। अपने राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध भाषा की मर्यादा तो हमारी राजनीति बहुत पहले भूल चुकी है, लेकिन अब देश और समाज के व्यापक हितों की अनदेखी करने में भी राजनेताओं को संकोच नहीं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग की जिम्मेदारी तीन वरिष्ठ अधिकारियों: विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को देने के पीछे सरकार और सेना की सोच बड़ा संदेश देने की रही होगी, लेकिन खुद सत्तारूढ़ दल भाजपा के नेताओं की गैरजिम्मेदार बयानबाजी ने सरकार और पार्टी के साथ-साथ देश को भी शर्मसार कर दिया है। ऐसे बयानवीरों की कमी तो भाजपा समेत किसी भी दल में कभी नहीं रही, पर ताजा प्रकरण में पहला बयान मध्य प्रदेश के केबिनेट मंत्री विजय शाह का आया। शाह ने एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कर्नल सोफिया पर कहा कि 'उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी-तैसी करने उनके घर भेजा।'यह बयान समाज ही नहीं, देश विरोधी भी है, लेकिन चौतरफा निंदा के बावजूद शाह के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई। फिर भी शाह कानून के शिकंजे में फंसते नजर आ रहे हैं तो उसका श्रेय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जबलपुर खंडपीठ को जाता है, जिसने स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं में एफआईआर का आदेश दिया। फिर भी लेटलतीफी दिखाते हुए पुलिस ने जैसी लचर एफआईआर लिखी, उससे संदेश गया कि 'ऊपरवाले' शाह को बचा रहे हैं। उच्च न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए सही ढंग से एफआईआर लिखवायी और अपनी निगरानी में जांच की बात कही तो शाह सर्वोच्च न्यायालय चले गये। सर्वोच्च न्यायालय ने शाह की माफी को तो मगरमच्छ के आंसू मानते हुए अस्वीकार कर दिया, लेकिन उच्च न्यायालय में सुनवाई तथा एसआईटी जांच पूरी होने तक गिरफ्तारी से राहत दे दी। बेशक शाह को कानूनी राहत मिल गयी है, पर भाजपा उन्हें कम- से कम मंत्री पद से हटाने की नैतिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती।

फंदे का फंदा और समाज की मुस्कुराहट

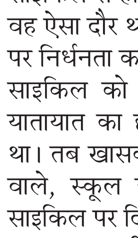

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दिलशाद गार्डन के फ्लैट में भाई-बहन ने फंदा लगाया और समाज ने ठंडी आह भरी-अरे अफसोस ! फिर टीवी घुमाया और 'इंडियन आइडल' पर लौट आए। दो लाशें लटकी रहीं और समाज मुस्कुराता रहा, जैसे कुछ हुआ ही नहीं। समाज की संवेदनशीलता शेर की दाढ़ी में फंसे जलेबी के रेशे जैसी हो गई है-न हटती है, न काम की है। अब ये कोई नई बात नहीं रही। आत्महत्याएं रोज़ होती हैं, खबरें बनती हैं, फिर भूला दिया जाता है। हमने दुख को चाय के कप में डुबोकर पी लिया है, और सोचते हैं कि हम बहुत व्यस्त प्राणी हैं, आत्महत्या करने वालों के लिए हमारे पास 'भावनाएं' रखने का भी वक्त नहीं। वीरेश और चिंकी की मौतें खुदकुशी नहीं थीं, वे समाज को आखिरी सलामी थी, एक खामोश नारे की तरह-तुम्हारे बनाये इस सिस्टम में हम अब और नहीं रह सकते। क्या किसी ने सोचा कि दो ज़िंदगियां एक ही वक्त में फंदे पर क्यों गईं? नहीं। हम मोबाइल उठाकर कहते हैं, ओएमजी, सो सैड, फिर इंस्टाग्राम पर पाउट सेल्फी डाल देते हैं। आज का समाज 'भावनात्मक कॉर्पोरेट' हो गया है। दुख भी मैनेज होता है, और खुशी भी। व्हाट्सएप पर शेर भेज दिए जाते हैं-ज़िंदगी एक किताब है, मौत आखिरी पन्ना। पढ़ने वाले भूल जाते हैं कि किताब बीच में क्यों बंद हो गई। परसाई होते तो चुटकी लेकर कहते-हमारा समाज अब रोता नहीं, इमोजी भेज देता है। पुलिस मोबाइल जांच रही है-जैसे आत्महत्या का पासवर्ड वहीं छिपा होगा। अरे साहब, अवसाद का असली डेटा हमारे सिस्टम, शिक्षा, बेरोजगारी और टूटी उम्मीदों में पड़ा है, मोबाइल में नहीं। हमने रिश्ते खो दिए, संवाद मिटा दिए, अब जब कोई मरता है तो हमें हैरानी होती है, जैसे हमने कोई पाप देखा हो। वीरेश और चिंकी शायद महीनों से अवसाद में थे। हमारा समाज अवसाद को बीमारी नहीं, बहाना मानता है। 'डिप्रेशन' बोलते ही कहा जाता है-कुछ नहीं, घूम आओ नैनिताल से, ठीक हो जाओगे! अवसाद पर हम उसी तरह हँसते हैं जैसे बच्चे कुत्ते के डरावने भौंकने पर हँसते हैं-बिना समझे, बिना संवेदना के। जिन बच्चों को संवेदना नहीं सिखाई गई, वो बड़े होकर सिस्टम चलाते हैं। वे कहते हैं-ऐसे क्यों सोचते हैं लोग? लाइफ बहुत खूबसूरत है। वही लोग शाम को पब में शराब पीकर बड़बड़ाते हैं-ज़िंदगी बोरिंग है। वीरेश और चिंकी की मौत उस भीड़ पर तमाचा थी जो अवसाद को 'कमज़ोरी' मानती है। हमारा समाज मानसिक रोगियों को डॉक्टर से पहले पड़ोसी की नजरों से क्यों दिखाता है? जैसे ही खबर आई, मीडिया ने माइक घुसा दिए-क्या आपको दोनों के आत्महत्या की आशंका थी? पड़ोसी ने चाय की चुस्की लेते हुए कहा-नहीं, दोनों तो ठीक लगते थे।

पूर्णमद पूर्णमिन्द पूर्णिया पूर्णमुदच्यते।
धर्म-दर्शन-ज्योतिष-अध्यात्म
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

बद्रीनाथ में पैदा हुई इस सुंदर स्त्री के आगे रंभा,मेनका भी हुई फेल

देवराज इंद्र की कई अप्सराएं थीं, जिन्हें वह अपने अस्त्रों के प्रकार ऋषियों की कठोर तपस्या को भंग करने के लिए इस्तेमाल करता था। लेकिन इनमें से एक अप्सरा की सुंदरता इतनी मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी कि इंद्र की प्रमुख अप्सराएं रंभा, मेनका आदि भी उसके आगे फेल थीं। वहीं, इंद्र भी उस स्त्री से नजर नहीं हटा पाए थे। आइए विस्तार से जानें इस स्त्री के जन्म की पूरी कहानी...

पुराणों के अनुसार देवराज इंद्र के पास कई अप्सराएं थी, जिनमें मेनका, रंभा, घृताची, उर्वशी, वर्चा और तिलोत्तमा प्रमुख अप्सराओं में से एक थी। ये अपनी सुंदरता, कलाओं आदि के चलते बेहद प्रसिद्ध थीं। इनकी खूबसूरती को देखकर कोई भी व्यक्ति देखने मात्र से ही अप्सराओं पर मोहित हो जाता। यही कारण है कि इंद्रदेव अप्सराओं को अपने अस्त्रों के प्रकार इस्तेमाल करता था। जब भी किसी ऋषि की कठोर तपस्या से उसे अपना सिंहासन खो देने का डर लगता था, तो वह अप्सराओं को ऋषि की तपस्या को भंग करने के लिए भेज दिया करता था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से एक अप्सरा जो बद्रीनाथ में पैदा हुई थी, उसकी सुंदरता के आगे रंभा और मेनका जैसी अप्सराएं भी फेल हो गई थीं। वहीं, इंद्रदेव की निगाहें भी उस स्त्री पर टिकी रह गई थीं। आइए विस्तार से जानते हैं कि इंद्र की सबसे खूबसूरत अप्सरा का जन्म कब, कहां और कैसे हुआ था।

देवराज इंद्र की सबसे खूबसूरत अप्सरा का नाम उर्वशी था। वह अप्सराओं में सबसे सुंदर स्त्री होने के साथ-साथ विशेषज्ञ नर्तकी भी थीं। पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि इंद्र की अप्सरा उर्वशी इतनी सुंदर थी कि उनकी खूबसूरती के जादू से राजा से लेकर सन्यासी तक कोई नहीं बच सकता था। जब भी उर्वशी स्वर्ग से पृथ्वी लोक पर रूप बदलकर भ्रमण करने निकलती थीं, तो उनके शरीर की महक से ही लोग खुद ब खुद उनकी तरफ आकर्षित होने लगते थे। पुराणों के अनुसार, ऋषि नर और नारायण जिन्हें भगवान विष्णु का अंश भी माना जाता था। दोनों भाई भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या में लीन हो गए। इंद्र देव को यह देखकर इस बात का डर सताने लगा कि कहीं उनकी तपस्या से भगवान प्रसन्न हो जाएं और उनका सिंहासन न छीन जाए।

अप्सरा उर्वशी की जन्म की कहानी

देवराज इंद्र में अपना सिंहासन असुरक्षित महसूस करने पर नारायण की तपस्या को भंग करने के लिए बारी-बारी धरती लोक पर कई अप्सराओं को भेजा। लेकिन उनकी सारी तरकीबें विफल हो गईं। इंद्रलोक ने नर और नारायण की तपस्या को भंग करने के लिए कई विफल प्रयास करें। जब नर और नारायण इंद्र की चाल को समझ जाते हैं, तो इंद्र देव से कहते हैं कि हम कठोर तपस्या पर विश्वास रखते हैं और आपको इस बात का अहंकार है कि इंद्रलोक में एक से एक सुंदर अप्सराएं हैं, जो किसी की भी तपस्या को भंग कर सकती हैं। लेकिन आपको यह नहीं ज्ञात है कि हम अपने तपोबल से सबसे सुंदर अप्सरा को उत्पन्न कर सकते हैं। यही कारण है कि हम इस माया जाल में नहीं फंसने वाले हैं।

इंद्र देव को इस प्रकार मिली उर्वशी

नर और नारायण ने अपनी बात कहकर अप्सराओं और इंद्र के अहंकार को तोड़ने के लिए अपनी जांघ पर थपकी दी, जिससे उर्वशी नामक अप्सरा उत्पन्न हुई। उर्वशी की सुंदरता इंद्र की अन्य अप्सराओं से बहुत अधिक थी, जिससे खुद इंद्र भी अपनी निगाहें नहीं हटा पा रहे थे। उसी क्षण इंद्र को अपनी भूल का अहसास हो जाता है और वह नर और नारायण से क्षमा मांगता है। तब नर-नारायण देवराज इंद्र की क्षमा को स्वीकार करते हुए इस बात का आश्वासन दिलाते हैं कि वे उनका सिंहासन नहीं लेंगे। साथ ही, उन्हें उर्वशी को उपहार के तौर पर सौंप देंगे। इस प्रकार बदरीनाथ में उर्वशी का जन्म नर-नारायण की जांघ से हुआ था।

उर्वशी का शरीर हमेशा रहता था युवा

इद्रं की सबसे सुंदर अप्सरा उर्वशी ऋषियों के तपोबल से उत्पन्न हुई थीं। ऐसे में वह सुंदर होने के साथ-साथ ज्ञानशील भी थीं। स्वर्ग की सबसे खूबसूरत अप्सरा की सुंदरता किसी भी व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर सकती थी। साथ ही, उर्वशी को रूप बदलने की भी शक्ति प्राप्त थी। इसी के चलते वे पृथ्वी लोक पर भ्रमण करती थीं। देवराज इंद्र उर्वशी से कई सुझाव भी लिया करते थे। पुराणों के मुताबिक, उर्वशी का शरीर हमेशा युवा ही रहता था और वह नृत्य, गायन आदि कलाएं भी जानती थीं। अप्सरा बदरीनाथ में नारायण के जंघा से उत्पन्न हुई थी, इसलिए उनका नाम उर्वशी पड़ा था।

महाभारत में अर्जुन से पहले इन्हें मिला था गीता का ज्ञान

महाभारत के युद्ध के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भगवद गीता का उपदेश दिया था। जनमानस यही मानता है कि सबसे पहले श्रीकृष्ण ने अर्जुन को ही गीता का ज्ञान दिया था, लेकिन भगवान इससे पहले भी गीता का सार सुना चुके हैं। और ज्यादातर लोग इस बात को नहीं जानते हैं। ऐसे में जानिए भगवान ने सबसे पहले किसे गीता का उपदेश दिया था।

गीता में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को जीवन, मरण, कर्तव्य, आत्मा की अमरता, संसार, मोक्ष आदि के बारे में विस्तार से बताया है। गीता का ज्ञान मनुष्य जीवन को सार्थक बनाता है। ज्यादातर लोग मानते हैं कि महाभारत के समय सबसे पहले भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था, लेकिन यह सच नहीं है। भगवान कृष्ण, अर्जुन को गीता का ज्ञान देने से पहले भी गीता का ज्ञान दे चुके थे। ऐसे में आइये जानते हैं सबसे पहले किसे गीता का ज्ञान मिला था।

भगवान ने सबसे पहले किन्हें दिया था गीता का उपदेश

महाभारत के युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र में जब पांडव और कौरव आमने-सामने थे तब अर्जुन अपने सगे संबंधियों के खिलाफ शस्त्र उठाने से संकोच कर रहे थे। तब भगवान कृष्ण ने उन्हें धर्म और अधर्म के बारे में बताते हुए गीता का ज्ञान दिया था। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान देते हुए यह भी बताया था कि वह उनसे पहले भी गीता का ज्ञान दे चुके हैं। भगवान कृष्ण बताते हैं कि सबसे पहले उन्होंने सूर्यदेव को गीता का ज्ञान दिया था।

भगवान कृष्ण ने अर्जुन की शंका की थी दूर

इस पर अर्जुन को बड़ा ही अचरज हुआ था। उन्होंने श्रीकृष्ण से पूछा था कि आपका जन्म तो कुछ समय पहले हुआ है जबकि सूर्य तो प्राचीन देवता हैं और काफी पहले से हैं। ऐसे में आप उन्हें पहले गीता का उपदेश कैसे दे सकते हैं। इस पर भगवान कृष्ण मुस्कुराते हैं और अर्जुन से कहते हैं, हे पार्थ! तुम्हारा और मेरा जन्म तो पहले भी कई बार हो चुका है। लेकिन, तुम उन जन्मों के बारे में नहीं जानते हो, मगर मैं जानता हूं। इसलिए माना जाता है कि सबसे पहले सूर्य देव को गीता का ज्ञान दिया गया था।

संजय की वजह से धृतराष्ट्र ने भी सुना था गीता का ज्ञानवहीं महाभारत के दौरान जब भगवान कृष्ण अर्जुन को गीता का ज्ञान दे रहे थे उस दौरान संजय अपनी दिव्य दृष्टि से कुरुक्षेत्र का आंखों देखा हाल धृतराष्ट्र को बता रहे थे। ऐसे में संजय ने अपने भाई धृतराष्ट्र को श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश सुनाया। इसके बाद महाभारत की रचना के समय जब वेदव्यास बोल रहे थे और गणेश जी लिख रहे थे तो वेदव्यास जी ने श्री गणेश जी भगवान को गीता का उपदेश सुनाया था। महाभारत की रचना के बाद गणेश जी ने अपने शिष्य वैशम्पायन, पैल और जैमिनी आदि को गीता का ज्ञान सुनाया।

कैंची धाम जा रहे हैं तो वहां से ये चार चीजें लाना न भूलें

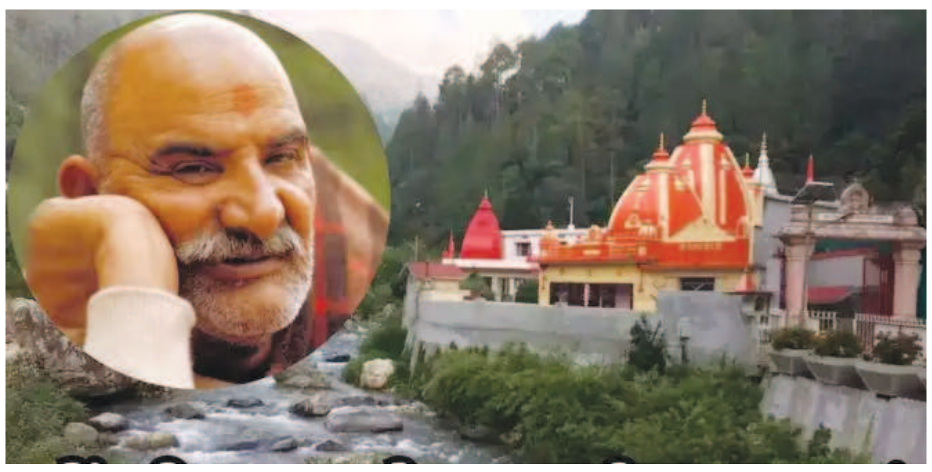

नीम करोली बाबा का आश्रम नैनीताल के कैंची धाम में स्थित है। नीम करोली बाबा को भक्त हनुमानजी का अवतार मानते हैं और उनके दर्शन करने रोजाना हजारों की संख्या में कैंची धाम जाते हैं। नीम करोली बाबा को कलियुग का हनुमानजी कहा जाता है। मान्यता है कि यहां आने पर पर बाबा अपने भक्तों की सभी समस्याएं दूर कर देते हैं। साथ ही यह भी कहा जाता है कि कुछ चीजें ऐसी हैं जो यहां से लौटने पर भक्तों को अपने साथ जरूरत लेकर जानी चाहिए। ऐसी मान्यता है कि इन चीजों को बाबा का आशीर्वाद माना जाता है और इन्हें अपने घर लाने से आपको गुडलक मिलता है। आइए देखते हैं कौन सी हैं ये खास चीजें।

नीम करोली बाबा की मान्यता अब काफी बढ़ चुकी है। भक्त बाबा के आश्रम कैंची धाम अपने दुख लेकर जाते हैं और वहां से बाबा का आशीर्वाद लेकर आते हैं। इसके साथ ही कुछ और वस्तुएं भी वहां से लाना बहुत ही शुभ माना जाता है। इनको कैंची धाम से अपने साथ लाने से आपके घर में गुडलक आता है और कैंची धाम की पवित्र ऊर्जा आपके घर में प्रवेश करती है। बाबा के आशीर्वाद से धीरे-धीरे आपके रुके कार्य बनने लग जाते हैं। आपके जीवन से जुड़ी सभी दुख तकलीफें धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। तो आइए जानते हैं कौन सी हैं वे 5 चीजें जिनको नीम करोली बाबा के आश्रम से अपने घर लेकर आना चाहिए। नीम करोली बाबा के अनुसार, अच्छा समय आने पर दिखते हैं ये संकेत

कैंची धाम का प्रसाद

कैंची धाम में नीम करोली बाबा का प्रसाद बहुत खास माना जाता है। भक्त मानते हैं कि यह प्रसाद आशीर्वाद है। इसे खाने से बाबा की कृपा मिलती है। लोगों का मानना है कि प्रसाद से इच्छाएं पूरी होती हैं और जीवन में अच्छे बदलाव आते हैं। जब आप वहां से आएं तो कैंची धाम का प्रसाद जरूर अपने साथ लेकर आएं। इस प्रसाद को घर लेकर आएं और परिवार के सभी सदस्यों को बांटने के साथ ही इस प्रसाद को पड़ोसियों में भी बांटें। यह सिर्फ एक मिठाई नहीं है, बल्कि नीम करोरी बाबा का आशीर्वाद है। लोग मानते हैं कि इसे खाने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

कैंची धाम की पवित्र मिट्टी

कैंची धाम की मिट्टी भी चमत्कारिक मानी जाती है। लोग मानते हैं कि यहां हनुमानजी का वास है। यहां की मिट्टी में चमत्कारी शक्तियां हैं। इसलिए भक्त इसे घर ले जाते हैं। उनका मानना है कि यह मिट्टी घर में सुख, समृद्धि और शांति लाती है। इसको घर लाने से आपके घर से हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और आपके घर की सुख समृद्धि कई गुना बढ़ जाती है। नीम करोली बाबा के कंबल का रहस्य

कैंची धाम से कंबल लाएं

कैंची धाम में बाबा को कंबल चढ़ाया जाता है और उसके बाद यह कंबल भक्तों को वापस कर दिया जाता है। मान्यता है कि बाबा का कंबल बहुत चमत्कारिक है। कहते हैं कि बाबा गर्मी हो या सर्दी हमेशा अपने शरीर पर एक कंबल ओढ़े रहते थे। बाबा का यह कंबल बहुत चमत्कारिक माना जाता है। मान्यता है कि इस कंबल में बाबा की शक्तियां छिपी हुई हैं। इसलिए इस कंबल को बाबा को अर्पित करने बाद अपने घर जरूर लेकर आएं। इस कंबल की शक्तियों से आपके घर की हर प्रकार की दुख तकलीफ बाधा दूर होगी।

कलियुग में हनुमान जी कहां रहते हैं वर्तमान में धरती पर किस जगह है यह दिव्य स्थान

रामायण कथा के अनुसार हनुमान जी को चिंरजीवी होने का वरदान प्राप्त है इसलिए हनुमान जी कलियुग में भी सशरीर उपस्थित हैं। हनुमान जी कलियुग में गंधमादन पर्वत पर रहते हैं। हनुमान जी रूप बदलकर कलियुग में भी अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

हनुमान जी को चिंरजीवी होने का वरदान प्राप्त है। प्रभु श्रीराम ने बजरंगबली को कलियुग में भक्तों की सहायता करने का दायित्व सौंपा था। वहीं, कल्कि पुराण और विष्णु पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि जब भगवान विष्णु कल्कि अवतार के रूप में जन्म लेंगे, तो हनुमान जी धर्म की रक्षा करने के लिए एक बार फिर से अपने प्रभु की सहायता करने के लिए आएंगे। कई बार मन में सवाल आता है कि हनुमान अगर चिंरजीवी हैं, तो कलियुग में उनका निवास स्थान कहां हैं। आइए, जानते हैं कलियुग में कहां रहते हैं हनुमान जी।

गंधमादन पर्वत पर निवास करते हैं हनुमान जी

श्रीमद्भागवत कथा के अनुसार, हनुमान जी त्रेतायुग और द्वापर युग दोनों में उपस्थित थे। कलियुग की शुरुआत में, हनुमान जी ने गंधमादन पर्वत पर रहने का फैसला किया। यह पर्वत हिमालय के कैलाश पर्वत के उत्तर में है। प्राचीन समय में, गंधमादन पर्वत सुमेरू पर्वत की चारों दिशाओं में स्थित गजदंत पर्वतों में से एक था। यहां महर्षि कश्यप ने तपस्या की थी। यह पर्वत कुबेर के क्षेत्र का हिस्सा था। पहले इस जगह पर फूलों और वनस्पतियों की मनमोहक महक आती थी। तभी इसे गंधमादन पर्वत कहते थे। वर्तमान में यह क्षेत्र तिब्बत में है।

गंधमादन पर्वत पर रूप बदलकर आज भी आते हैं हनुमान जी

रामायण काल से जुड़े गंधमादन पर्वत का विशेष महत्व है। गंधमादन पर्वत पर हनुमान जी अपने दोस्तों के साथ बैठकर युद्ध की योजना बनाते थे। आज भी इस पर्वत पर हनुमान जी का मंदिर है। मंदिर में राम जी की मूर्ति भी है। लोगों का मानना है कि हनुमान जी रूप बदलकर अपने भक्तों को दर्शन देने आते हैं। यहां भगवान राम के पैरों के निशान भी हैं।

महाभारत कथा में भी मिलता है गंधमादन पर्वत का उल्लेख

महाभारत की कथा के अनुसार पांडवों के अज्ञातवास के दौरान हिमवंत पार करके गंधमादन पर्वत पहुंचे थे। वहां भीम गंधमादन पर्वत पर सहस्त्रदल कमल लेने गए थे। वहां उन्होंने हनुमान जी को आराम करते देखा। हनुमान जी ने एक बूढ़े वानर का वेश बनाकर भीम की परीक्षा ली थी। भीम ने हनुमान जी से अपनी पूंछ हटाने को कहा, लेकिन वे हटा नहीं पाए। इस तरह जब हनुमान जी ने अपना असली परिचय भीम को दिया, तो उनका अपनी शक्ति का अंहकार भी टूट गया।

गंधमादन पर्वत पर पहुंच पाना हर मनुष्य के लिए नहीं है संभव

पौराणिक कहानियों के अनुसार महर्षि कश्यप ने कैलाश पर्वत के उत्तर में गंधमादन पर्वत पर तपस्या की थी। गंधर्व, किन्नर, अप्सराएं और सिद्ध ऋषि यहां रहते हैं। इस पर्वत की चोटी पर किसी वाहन या मनुष्य का पहुंच पाना बहुत मुश्किल है। इस पर्वत को दिव्य माना जाता है। वर्तमान में गंधमादन पर्वत तिब्बत क्षेत्र में स्थित है। बदलते युग के साथ इसका स्वरूप काफी बदल भी चुका है लेकिन हनुमान जी के भक्तों के बीच इस पर्वत के विषय में गहरी आस्था है कि कलियुग में भी हनुमान जी रूप बदलकर अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

चाणक्य नीति के अनुसार सच्चा मित्र कौन होता है?

आचार्य चाणक्य ने कहा है "न मित्रं कश्चिदात्मनः, स्वहितं यो न बोधितुम।" अर्थात जो व्यक्ति आपका भला नहीं चाहता, वह मित्र नहीं हो सकता। चाणक्य नीति में दोस्ती को लेकर बहुत गहरी बातें कही गई हैं। चाणक्य कहते हैं "संपत्ति प्राप्ते सञ्जाते, विपत्ति चापकृष्यते। यस्य नश्यति स्नेहः, स मे मित्रं न कर्हिचित॥" मतलब जो व्यक्ति केवल आपके अच्छे समय में साथ दे और बुरे समय में साथ छोड़ दे, वो मित्र नहीं हो सकता। सच्चा मित्र वही है जो सुख-दुख में एक जैसा रहे। जो आपकी गलती पर टोके, लेकिन आपकी पीठ पीछे बुरा न कहे। ऐसा मित्र जीवन को मजबूत करता है और संकट में ढाल बनकर खड़ा रहता है।

नकली दोस्त चुपचाप नुकसान पहुंचाते हैं

आचार्य चाणक्य कहते हैं- "शत्रुच्छाया मित्रता भवति विनाशाय।" यानी जो दोस्त दिखावे के हों और भीतर से ईर्ष्यालु, वो आपकी विनाश की वजह बनते हैं। नकली दोस्त आपकी तरक्की से जलते हैं, आपकी कमजोरियों का फायदा उठाते हैं और दूसरों के सामने आपकी छवि को खराब करते हैं। जब आपको उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, वे गायब हो जाते हैं।

ऐसे दोस्त दुश्मन से भी खतरनाक क्यों होते हैं?

दुश्मन तो सामने से वार करता है, लेकिन नकली दोस्त भीतर से चोट पहुंचाते हैं। आचार्य चाणक्य ने कहा है कि छुपा हुआ शत्रु सबसे ज्यादा खतरनाक होता है, क्योंकि वो हमारी कमजोरी जानता है और हमारे विश्वास का फायदा उठाता है। "गुप्त शत्रुं न तिष्ठेत"- छुपे हुए शत्रु से ज्यादा खतरनाक कोई नहीं होता।

कैसे पहचानें ऐसे मित्रों को?

आपकी सफलता से जलन महसूस करें

आपकी गलतियों को सार्वजनिक करें

आपके राज दूसरों से साझा करें

समय पर कभी साथ न दिखें

मीठे बोल बोलें लेकिन व्यवहार उल्टा हो

महाभारत युद्ध के बाद कैसे एक दूसरे के समधी बनें श्रीकृष्ण और द्रौपदी

महाभारत की कथा जितनी विराट है, उतने ही गहरे हैं उसके पात्रों के आपसी रिश्ते। उनमें एक अद्भुत और सबसे भावुक रिश्ता है – द्रौपदी और श्रीकृष्ण का। एक तरफ युगों तक संघर्ष करती महिला, दूसरी ओर पूरी सृष्टि का संचालन करते हुए साक्षात सुदर्शनधारी नारायण। द्रौपदी और श्रीकृष्ण के बीच एक गहरी दोस्ती थी। दोनों एक दूसरे को समझते और उसी तरह कार्य भी करते। भगवान श्रीकृष्ण द्रौपदी को सखी कहते थे तो वहीं द्रौपदी श्रीकृष्ण को सखा कहती थीं। लेकिन दोस्ती के अलावा द्रौपदी और श्रीकृष्ण भाई-बहन भी बने और महाभारत युद्ध के बाद समधी और समधन भी बने। आइए जानते हैं महाभारत की यह रोचक कथा...

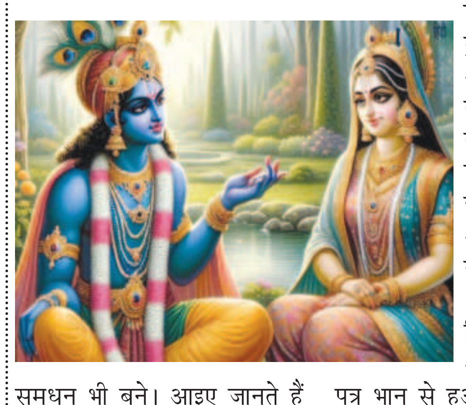

द्रौपदी ने कृष्ण को स्नेह से बांधा

महाभारत में एक प्रसंग आता है – जब श्रीकृष्ण को युद्ध के दौरान उंगली पर चोट लगती है, तब द्रौपदी अपनी साड़ी फाड़कर उनका खून रोकने के लिए पट्टी बांधती हैं। इस घटना के बाद श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को बहन स्वरूप माना था। श्रीकृष्ण प्रतिज्ञा करते हैं कि मैं इस ऋण को किसी भी रूप में चुका दूंगा। शायद वही ऋण चुकाने का समय आया चीरहरण के वक्त, जब पूरे दरबार में द्रौपदी की इज़्जत को तार-तार करने की साजिश रची गई। तब द्रौपदी ने पुकारा – हे केशव! और बिना देरी, कृष्ण ने अपनी माया से उनका चीर बढ़ा दिया।

महाभारत में इस कथा का उल्लेख नही

यह धारणा जुड़ी है कृष्ण के बेटे साम्ब और द्रौपदी की बेटी सुतानु से। कई लोककथाओं और कुछ प्राचीन कथानकों में माना जाता है कि साम्ब ने सुतानु से विवाह किया था। हालांकि, महाभारत के मूल ग्रंथों में इस विवाह का उल्लेख सीमित है या स्पष्ट नहीं, लेकिन लोकमान्यता में यह रिश्ता प्रचलित है इसीलिए लोग कृष्ण और द्रौपदी को समधी कहकर भी संबोधित करते हैं।

इस तरह बने समधी

महाभारत के मूल ग्रंथ में द्रौपदी की केवल 5 संतानों का उल्लेख मिलता है, जो सभी पुत्र हैं। प्रतिविंध्य – युधिष्ठिर का पुत्र, सुतसोम – भीमसेन का पुत्र, श्रुतकर्मा – अर्जुन का पुत्र, शतानीक – नकुल का पुत्र और श्रुतसेन – सहदेव का पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को उपपांडव कहा जाता है। हालांकि, कुछ लोककथाओं और परंपरागत कहानियों में द्रौपदी की पुत्री सुथनु का उल्लेख भी मिलता है। इन कथाओं के अनुसार, सुथनु युधिष्ठिर की पुत्री थीं और उनका विवाह श्रीकृष्ण और सत्यभामा के पुत्र भानू से हुआ था। यह संबंध द्रौपदी और श्रीकृष्ण को 'समधी' बनाता है।

युद्ध के बाद महत्वपूर्ण घटना थी दोनों का विवाह

महाभारत युद्ध के बाद, जब सभी संबंधों की पुनर्स्थापना हो रही थी, तब श्रीकृष्ण और द्रौपदी का 'समधी' बनना एक महत्वपूर्ण घटना थी। यह न केवल व्यक्तिगत संबंधों की मजबूती का प्रतीक था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि युद्ध के बाद भी प्रेम, मित्रता और पारिवारिक संबंधों की पुनर्स्थापना संभव है। श्रीकृष्ण द्रौपदी को सखि मानते थे। वे उनके संकटमोचक थे, मार्गदर्शक थे और सबसे बड़ी बात – वे बिना शर्त समर्थन देने वाले मित्र थे। कृष्ण का वह संवाद आज भी दिल छू जाता है – "जो अपने लिए नहीं रोई, वो द्रौपदी कृष्ण को पुकारते ही क्यों रोई?" क्योंकि यह कोई साधारण नाता नहीं था। यह विश्वास, श्रद्धा और आत्मीयता का संगम था।

सलमान-अक्षय जैसे कलाकारों के साथ किया काम फिल्मों से ज्यादा इसलिए चर्चा में रहीं सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का फिल्मों के लिहाज से करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। उनकी ज्यादातर फिल्में कामयाब रही हैं। अपनी शादी को लेकर सोनाक्षी काफी चर्चा में रही हैं। आइए उनके जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी के बारे में कुछ खास बातें।

कामयाब रही पहली फिल्म

बॉलीवुड की दबंग गर्ल कही जाने वाली एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा का जन्म 2 जून 1887 को बिहार की राजधानी पटना में हुआ। वह दिग्गज अभिनेता शश्रुघ्न सिन्हा और अभिनेत्री पूनम सिन्हा की बेटी हैं। उनके पिता अभिनेता होने के साथ नेता भी हैं। सोनाक्षी ने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। शुरूआत में सोनाक्षी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के तौर पर काम किया। उन्होंने साल 2005 में आई फिल्म 'मेरा दिल लेके देखो' में कॉस्ट्यूम डिजाइन किया था। इसके बाद उन्होंने फिल्मों का रुख किया।

कामयाब रही पहली फिल्म

कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग का काम करने के बाद सोनाक्षी सिन्हा ने बॉलीवुड की तरफ रुख किया। सोनाक्षी सिन्हा ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत सलमान खान की फिल्म 'दबंग' (2010) से की। उनकी पहली फिल्म कामयाब रही। उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड दिया गया। यही नहीं उनकी फिल्म ने खूब कमाई भी की। फिल्म का बजट 41 करोड़ रुपये था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 221.14 करोड़ की कमाई की।

बड़े कलाकारों के साथ किया काम

सोनाक्षी सिन्हा की दूसरी फिल्म 'राउडी राठौर' थी। इस फिल्म में उन्होंने अक्षय कुमार के साथ काम किया। 60 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 203.39 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद सोनाक्षी सिन्हा 'जोकर' में अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। सोनाक्षी ने साल 2012 में आई फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में अजय देवगन के साथ काम किया। यह फिल्म भी काफी कामयाब रही। 2012 में सोनाक्षी 'दबंग 2' में एक बार फिर सलमान खान के साथ नजर आईं।

सीरीज में किया बेहतरीन काम, सिंगिंग में आजमाया हाथ

सोनाक्षी सिन्हा ने फिल्मों में बेहतरीन काम करने के अलावा सीरीज में भी अच्छा काम किया है। उन्होंने सीरीज दहाड़ (2023) और हीरामंडी (2024) में अदाकारी के लिए तारीफें बटोरीं।

अभिनय के अलावा सोनाक्षी सिन्हा ने गायन में भी हाथ आजमाया है। उन्होंने अपनी फिल्म तेवर (2015) में एक गाना गाया। उनका पहला गाना 'आज मूड इश्कहोलिक है' 2015 में रिलीज हुआ।

लव लाइफ से चर्चा में रहीं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी की। एक खबर के मुताबिक जहीर और सोनाक्षी ने एक दूसरे को सात सालों तक डेट किया। इसके बाद शादी के बंधन में बंधने का फैसला किया। बताया जाता है कि दोनों की मुलाकात सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी। इसके बाद दोनों की दोस्ती हो गई। कुछ ही दिनों बाद दोस्ती प्यार में बदल गई। जहीर और सोनाक्षी ने 2023 में सलमान की बहन अर्पिता और आयुष की ईद पार्टी में कपल की तरह एंट्री की थी। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर की अफवाह सच साबित हो गई। साल 2024 में दोनों ने शादी कर ली।

सुर्खियों में आई थी सोनाक्षी की शादी

सोनाक्षी सिन्हा ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया लेकिन वह सबसे ज्यादा अपनी शादी को लेकर चर्चा में रहीं। इसकी वजह थी कि सोनाक्षी सिन्हा हिंदू धर्म से आती हैं और जहीर इकबाल मुस्लिम थे। सोनाक्षी की शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत हुई थी। शादी के कुछ दिनों के बाद सोनाक्षी ने कहा कि उन पर धर्म परिवर्तन का दबाव नहीं बनाया गया।

एक बात जो सबसे खास थी वह यह कि सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा इस शादी में सामिल नहीं हुए थे। लोगों ने अफवाहें उड़ाईं कि वह अपनी बेटी के फैसले से नाराज थे।

इस पर शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा 'मैं हमेशा उनके साथ रहा हूं और आगे भी रहूंगा। हम महिला सशक्तिकरण के बारे में इतनी बातें करते हैं, फिर उनके लिए अपना साथी चुनना कैसे गलत है? ऐसा नहीं कि उसने कोई गैरकानूनी काम किया हो। वह मैच्योर है।'

अब क्या कर रही हैं सोनाक्षी सिन्हा?

फिलहाल सोनाक्षी सिन्हा अपने पति जहीर इकबाल के साथ परिवारिक जीवन बिता रही हैं। वह अकसर अपने पति के साथ सोशल मीडिया पर बेहतरीन तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। जल्द ही वह फिल्म 'निकिता रॉय' में नजर आने वाली हैं।

कौन हैं नंदिनी गुप्ता? जो मिस वर्ल्ड के लिए भारत का किया प्रतिनिधित्व, इन मॉडल्स ने भी बहुत करीब आकर हारी थी बाजी

बीते 31 मई 2025 को हैदराबाद के हाईटेक्स प्रदर्शनी सेंटर में 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता की विजेता थाईलैंड मूल की 21 वर्षीय मॉडल ओपल सुचाता चुआंगसरी बनीं और उनके सिर पर मिस वर्ल्ड का ताज सजा। इस बार भारत की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा। भारत की ओर से नंदिनी गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन अंतिम 8 की सूची में जगह बनाने में सफल नहीं हो पाई। इस वजह से भारत विजेता बनते-बनते रह गया। आज जानेंगे कि नंदिनी गुप्ता के अलावा अभी तक मिस वर्ल्ड में किन भारतीय मॉडल्स ने बहुत करीब जाकर हारी प्रतियोगिता।

कमाल की बात तो ये हैं कि, मिस वर्ल्ड 2025 की इस प्रतियोगियता में भारत की नंदिनी गुप्ता सुर्खियों में बनी हुई हैं. ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि आखिर मिस वर्ल्ड के खिताब में आगे चल रहीं नंदिनी गुप्ता कौन हैं? कहां की रहने वाली हैं नंदिनी गुप्ता? क्या है उनकी जर्नी? नंदिनी गुप्ता ने मिस वर्ल्ड 2025 की प्रतियोगिता तक कैसे तय किया सफर.

फेमिना मिस इंडिया और नंदिनी गुप्ता के इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया गया है. इस वीडियो के जरिए नंदिनी के माता-पिता, भाई-बहन और पूरे घर ने दिल से प्यार और दुआओं का उपहार भेजा है. वीडियो में पिता सुमित गुप्ता 'ऑल द बेस्ट मेरी लाडो' कहते दिखाई दे रहे हैं. उनकी आवाज पूरे देश की भावना है. वहीं मां रेखा गुप्ता ने उन्हें 'मेरी चैंपियन' कहकर गर्व जताया और उन्हें शुभकामनाएं दीं.

कौन हैं नंदिनी गुप्ता, जो भारत का रही प्रतिनिधित्व

नंदिनी गुप्ता का जन्म साल 2003 में राजस्थान के कोटा में हुआ था. नंदनी की शुरुआती शिक्षा कोटा के सेंट पॉल सेकेंडरी स्कूल में हुई थी. 14 साल तक कोटा में रहने के बाद वह अपने सपने को पूरा करने के लिए मुंबई आईं. इसके बाद मुंबई के लाला लाजपत राय कॉलेज से उन्होंने बिजनेस मैनेजमेंट की डिग्री हासिल की. ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भाग लेने के लिए नंदिनी गुप्ता ने कड़ी मेहनत की. उन्होंने कोटा में रहकर ही इसकी शुरुआत कर दी थी. एक इंटरव्यू के मुताबिक, नंदिनी गुप्ता ने 10 साल की उम्र से ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए तैयारी शुरू कर दी थी.

मिस इंडिया का जीत चुकीं खिताब

21 वर्षीय नंदिनी गुप्ता पर मिस वर्ड जीत के लिए पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं. वो भारत को उसका 7वां मिस वर्ल्ड का खिताब दिलाने से सिर्फ एक कदम दूर हैं. नंदिनी इससे पहले साल 2023 में फेमिना मिस राजस्थान और इसी साल सिर्फ 19 साल की उम्र में फेमिना मिस इंडिया का खिबात भी अपने नाम कर चुकी हैं.

मिस वर्ल्ड के लिए नंदिनी गुप्ता का सफर

नंदिनी गुप्ता

नंदिनी के पिता का नाम सुमित गुप्ता है. वह एक किसान होने के साथ-साथ बिजनेसमैन भी हैं. उनकी मां का नाम रेखा गुप्ता है, जो एक गृहिणी हैं. छोटी बहन का नाम अनन्या गुप्ता है. नंदिनी ने कई टाइटल को हासिल करने के बाद मिस वर्ल्ड की प्रतियोगिता में पहुंची हैं. नंदिनी गुप्ता पहले मिस राजस्थान, फिर मिस इंडिया रह चुकी हैं. उन्होंने इस खिताब को पाने के लिए एक लंबा सफर तय किया है. वह पिछले दो साल से लगातार इसकी तैयारी कर रही थीं. बीते तीन महीने में मुंबई में वॉइस ट्रेनिंग, रैंप वॉक, फिटनेस और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों की कड़ी ट्रेनिंग कर रही थीं.

मिस वर्ल्ड में भारत की ओर इन मॉडल्स ने भी बहुत करीब आकर हारी बाजी

सुमन राव

साल 2019 में आयोजित हुए मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही सुमन राव टॉप 3 तक पहुंची थी, लेकिन विजेता बनने से चूक गईं थीं। वो द्वितीय रनर-अप रही थीं। इसके अलावा आपको बतात चलें कि सुमन राव फेमिना मिस इंडिया 2023 की विजेता रह चुकी हैं।

प्रियदर्शिनी चटर्जी

प्रियदर्शिनी चटर्जी ने साल 2016 में आयोजित हुए मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लिया था। वह मिस वर्ल्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली पूर्वोत्तर भारतीय थीं। हालांकि, वो टॉप 20 में जगह बनाने के बाद आगे नहीं बढ़ सकी और भारत ताज पहनने से चूक गया था।

कोयल राणा

साल 2014 में आयोजित हुए मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में कोयल राणा ने भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि, कोयल राणा जबरदस्त टक्कर देने के बावजूद टॉप 10 में जगह बनाने के बाद बाहर हो गईं थीं, जिससे भारत की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा था।

पूजा चोपड़ा

पूजा चोपड़ा एक भारतीय मॉडल, अभिनेत्री हैं, जो साल 2009 में भारत की ओर से मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का हिस्सा थीं। उस साल भी भारत की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा था और भारत खिताब जीतने से चूक गया था।

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी के बारे में की बात, कहा- सोचता था बूढ़ा हो गया हूं कौन मिलेगी?

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आमिर अकसर अपनी जबरदस्त एक्टिंग के चलते सुर्खियों में रहते हैं। यही नहीं वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के बारे में खुलकर बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में क्या कहा है?

60 साल की उम्र में आमिर को हुआ प्यार

इसी साल 60 साल के हो चुके आमिर खान ने अपनी जिंदगी में दो बार शादी की है। वह अपनी दोनों पत्नियों से अलग हैं। अब उन्हें एक नई लड़की गौरी स्प्रैट से प्यार हुआ है। इसी साल अपने जन्मदिन पर आमिर खान ने गौरी स्पैट के साथ अपने रिश्ते के बारे में सबको बताया था। अब एक बार फिर आमिर खान ने एक इंटरव्यू में अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में बात की है।

गौरी से गलती से मिले आमिर खान

राज शमानी के साथ बातचीत में आमिर खान ने बताया 'गौरी स्प्रैट से मिलने से पहले मुझे लगता था कि मैं बूढ़ा हो गया हूं। मुझे इस उम्र में कौन मिलेगी? थेरेपी ने वास्तव में मुझे ये समझने में मदद की कि मुझे पहले खुद से प्यार करने की जरूरत है। मुझे ठीक होना था और अपनी सेहत पर काम करना था। गौरी और मैं गलती से मिले। हम जुड़े और दोस्त बन गए और प्यार हो गया।'

पूर्व पत्नियों के साथ आमिर के कैसे हैं रिश्ते?

आमिर खान ने अपनी पूर्व पत्नियों के बारे में कहा 'रीना दत्ता और किरण राव के साथ मेरे बहुत मजबूत और गहरे रिश्ते रहे हैं। हम अब भी करीब हैं। हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। हम पति-पत्नी नहीं रह सकते लेकिन हमेशा एक परिवार रहेंगे। हम बैठते हैं और बातें करते हैं। हमारे बीच सच्चा प्यार और गर्मजोशी है। ये खत्म होने वाला नहीं है।'

रीना और किरण से आमिर की शादी

आमिर खान ने अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से 18 अप्रैल 1986 को शादी की थी। दोनों की शादी लगभग 16 साल चली, इनके दो बच्चे हैं इरा खान और जुनैद खान। साल 2002 में आमिर और रीना अलग हो गए।

आमिर खान ने 28 दिसंबर 2005 को अपनी दूसरी पत्नी किरण राव से शादी की। दोनों से आजाद नाम का एक बेटा है। 2021 में दोनों अलग हो गए। अब आमिर खान को गौरी स्प्रैट से प्यार हुआ है।

राज की पत्नी ने फिर की क्रिप्टिक पोस्ट, कल सामंथा ने डायरेक्टर संग एंज्वॉय किया था वीकएंड

राज निदिमोरु की पत्नी ने एक पोस्ट को साझा की, जिसमें लिखा था, 'वक्त सबकुछ सामने लाता है, कर्म उसे सुधारता है और यह यूनिवर्स आपको विनम्र बनाती है।' इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। जानिए, क्या है राज निदिमोरु, उनकी पत्नी और एक्ट्रेस सामंथा के बीच का यह पूरा मामला?

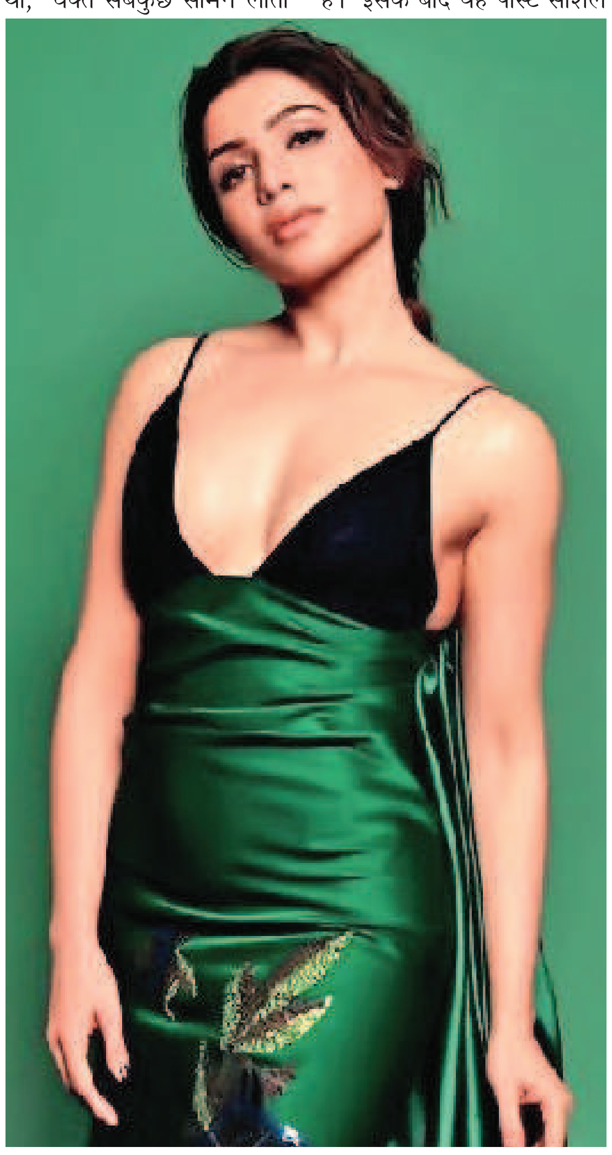

पिछले दिनों भी वायरल हुई राज की पत्नी की पोस्ट

सिर्फ कल ही डायरेक्टर राज की पत्नी ने क्रिप्टिक पोस्ट नहीं की है, कुछ हफ्ते पहले भी क्रिप्टिक पोस्ट की थी। निर्देशक की पत्नी शामली डे की पोस्ट तब ही सामने आती है, जब सामंथा और राज की तस्वीरें या वीडियो वायरल होते हैं। शनिवार दोपहर में सामंथा ने राज के साथ बैडमिंटन खेलते हुए वीकएंड की तस्वीरें शेयर की थी। कल ही शामली की पोस्ट भी सामने आई।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राज और शामली का तलाक हो गया है, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा जाता है कि अभी ये ऑफिशियल अलग नहीं हुए हैं।

राज-सामंथा की डेटिंग की है चर्चा

बताते चलें कि डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ सामंथा ने सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' और 'फैमिली मैन 2' में काम किया है। वह एक और सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' भी उनके साथ काम कर रही हैं। पिछले कुछ समय से दोनों साथ नजर आ रहे हैं। इनकी डेटिंग की अफवाह उड़ रही है। हाल ही में जो वीडियो सामंथा ने राज के साथ वाला शेयर किया है, उस पर लिखा है, 'इस चीज के लिए प्लान कैंसिल कर सकती हूं।' वैसे तो यह बात बैडमिंटन को लेकर लिखी है लेकिन यूजर को लगता है कि वह ऐसा राज के लिए कह रही हैं।

सामंथा का करियर फ्रंट

सामंथा ने एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन में हाथ आजमाया है। हाल ही में उनके प्रोडक्शन की पहली साउथ फिल्म भी रिलीज हुई। पर्सनल फ्रंट की बात करें तो एक्टर नागा चैतन्य से कुछ साल पहले ही सामंथा का तलाक हुआ। अब राज निदिमोरु के साथ उनकी डेटिंग की बातें सामने आ रही हैं।

दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में राधिका बोलीं- फिल्म इंडस्ट्री में काम करना मुश्किल है

सैफ अली खान ने भी कह दी ये बड़ी बात

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राधिका आप्टे से सवाल किया गया कि जो एक्ट्रेस नई-नई मां बनी हैं, उनको क्या फिल्म इंडस्ट्री के लोगों से मोटिवेशन, सपोर्ट मिल रहा है। इस पर राधिका का मानना है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। वह इस बात को लेकर काफी टेंशन में भी रहती हैं। दरअसल, यह सवाल दीपिका पादुकोण के कारण चर्चा में आया। दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में केवल 6 घंटे काम करने के लिए शर्त रखी क्योंकि वह अपनी आठ महीने की बेटी पर भी ध्यान देना चाहती थीं। ऐसे में फिल्म से दीपिका को हटा दिया गया। इसके बाद कंट्रोवर्सी हुई। अब इस विषय पर कई लोग खुलकर बात कर रहे हैं।

फिल्म इंडस्ट्री से नहीं मिल रहा सपोर्ट

हाल ही में स्क्रीन से की गई बातचीत में राधिका आप्टे बताती हैं कि फिल्म इंडस्ट्री नई मांओं को मोटिवेट नहीं कर रही है, ना ही उनकी जरूरतों का ख्याल रख रही है। कुछ वक्त पहले मां बनीं राधिका कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि वो लोग ऐसा कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि मैं आगे कैसे काम करूंगी।' वह आगे कहती हैं, 'फिल्म इंडस्ट्री में काम करना असल में मुश्किल है। हम कितने घंटे फिल्म बनाते हैं और आमतौर पर कितने समय तक बच्चे को नहीं देख पाते हैं। इन बातों पर मुझे गौर करना है, इनके बारे में जानकारी लेनी है।'

इस मुद्दे पर दीपिका को सैफ अली खान, अजय देवगन और काजोल से भी सपोर्ट मिला। अरब मीडिया समिट में सैफ अली खान ने कहा, 'मुझे घर आकर बच्चों को सोते हुए देखना बिल्कुल पसंद नहीं है, यह मेरे लिए सक्सेस वाली बात नहीं है। लाइफ की सक्सेस तो यह बात कहने में है, 'नहीं, मुझे अब घर जाना है जिससे मैं अपने बच्चों के साथ आधा घंटा बिता सकूं।' सैफ ने दीपिका पादुकोण का नाम तो नहीं लिया है लेकिन अपनी बात के जरिए वह उन्हें सपोर्ट करते दिख रहे हैं। इसी तरह फिल्म 'मां' के ट्रेलर लॉन्च पर काजोल और अजय देवगन ने भी दीपिका पादुकोण का साथ दिया। काजोल बोलीं, 'मुझे यह बात अच्छी लगी कि आप कम समय तक काम कर सकती हैं।' अजय देवगन भी कहते हैं, 'बहुत से लोग हैं जो इस बात को समझ रहे हैं। मैं तो कहूंगा कि ज्यादातर सिनेमा से जुड़े लोगों को इस बात से कोई दिक्कत नहीं है। अगर कोई एक्ट्रेस मां बनी है तो उन्हें आठ घंटे की शिफ्ट में काम करना शुरू कर देना चाहिए।'

सैफ अली खान ने भी कह दी ये बड़ी बात

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक विवाद चर्चा में है। दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान 6 से 8 घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी। इसका कारण यह था कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थी तो और पूरा वक्त शूटिंग पर नहीं रहना चाहती थीं। इसके बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया, उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। हाल ही में काजोल और अजय देवगन ने दीपिका को इस मामले में सपोर्ट किया। ऐसा लगता है कि अब सैफ अली खान भी दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में उतर आए हैं। जानिए, सैफ अली खान ने इस बारे में क्या कहा?

सैफ अली खान ने कहा, 'मुझे घर आकर बच्चों को सोते हुए देखना बिल्कुल पसंद नहीं है, यह मेरे लिए सक्सेस वाली बात नहीं है। लाइफ की सक्सेस तो यह बात कहने में है, 'नहीं, मुझे अब घर जाना है जिससे मैं अपने बच्चों के साथ आधा घंटा बिता सकूं।' सैफ ने यह भी बताया कि वह अपने परिवार और बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए छुट्टियों पर जाते हैं।' सैफ ने दीपिका पादुकोण का नाम तो नहीं लिया है लेकिन अपनी बात के जरिए वह उन्हें सपोर्ट करते दिख रहे हैं।

दीपिका पीछे हटने को राजी नहीं

इस पूरे विवाद के बीच दीपिका पादुकोण अपने फैसले से पीछे हटने को राजी नहीं है। वह फिल्में करने के साथ अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती हैं। दीपिका की बेटी दुआ अभी आठ महीने की है। दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर नई मां बनने के अपने एक्सपीरियंस भी साझा करती रहती हैं।

बच्चों में कितने अलग होते हैं डेंगू के लक्षण

दिल्ली-एनसीआर में मच्छर जनित रोग डेंगू का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। पिछले एक महीने के दौरान अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है, हालांकि ज्यादातर लोग आसानी से ठीक होकर घर वापस लौट रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, राजधानी दिल्ली में इस बार डेंगू के सबसे संक्रामक स्ट्रेन DEN-2 के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जिसके कारण रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को मच्छरों के काटने से बचाव के लिए उपाय करते रहने की आवश्यकता है, डेंगू का खतरा सभी उम्र के लोगों में हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू वैसे तो सभी लोगों के लिए गंभीर हो सकता है पर बच्चों को इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मच्छरों के काटने से सुरक्षित रखें। आइए जानते हैं कि बच्चों में डेंगू के किस प्रकार के लक्षण हो सकते हैं और यह किस प्रकार की जटिलताओं का कारण बन सकता है?

डेंगू के कारण होने वाली समस्याएं

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के मच्छर अक्सर दिन के समय में ज्यादा काटते हैं, इस दौरान बचाव के लिए उपाय करना बहुत आवश्यक हो जाता है। डेंगू संक्रमण की स्थिति में तेज बुखार की समस्या के साथ सिरदर्द, शारीरिक में दर्द-थकावट और पेट में दर्द की समस्या होने का जोखिम रहता है। डेंगू के हल्के से मध्यम लक्षणों में फ्लू जैसी बीमारी होती है हालांकि इसकी गंभीर स्थिति में डेंगू शॉक सिंड्रोम और रक्तस्रावी बुखार विकसित होने का खतरा रहता है।

डेंगू के गंभीर मामलों में तेजी से ब्लड प्लेटलेट्स भी कम होने लगते हैं।

बच्चों में डेंगू के जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों में डेंगू के लक्षण हल्के या गंभीर दोनों हो सकते है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें यह बीमारी पहली बार हो रही है या वह इसके पहले भी डेंगू के शिकार रहे हैं। हालांकि वयस्कों की तुलना में बच्चों में डेंगू के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं। बच्चों में उल्टी और पेटीसिया की शिकायत होती है जबकि वयस्कों में मतली और आंखों के पीछे दर्द जैसे लक्षण अधिक आम हैं।

हालांकि डेंगू की गंभीर स्थिति में प्लेटलेट्स कम होने या रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा दोनों में अधिक होता है।

जानलेवा भी हो सकता है ये संक्रमण

डॉक्टर बताते हैं, डेंगू के कुछ मामले गंभीर लक्षणों वाले और जानलेवा भी हो सकते हैं, बच्चों में इसके गंभीर मामलों को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ब्लड प्लेटलेट्स की मात्रा कम होने की स्थिति में गंभीर रोग का खतरा अधिक होता है। ये स्थिति इंटरनल ब्लीडिंग और यहां तक की मौत का भी कारण बन सकती है।

बच्चों में अगर तीन दिनों से अधिक समय तक बुखार की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से इसमें आराम नहीं मिल रहा है तो इसकी समय रहते जांच और इलाज कराया जाना जरूरी हो जाता है।

संक्रमण से बचाव की करें उपाय

बच्चों में डेंगू के गंभीर लक्षणों की समय रहते पहचान की जानी चाहिए। बुखार के साथ पेट में तेज दर्द, दवाओं का असर न होना और शरीर में पानी जमा होना (पेट और पैरों में सूजन) संकेत है कि बच्चे को तुरंत आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता है।

ध्यान देने वाली बात ये है कि डेंगू बुखार का अब तक कोई ज्ञात इलाज नहीं है। इसमें लक्षणों को कम करने वाले तरीकों को प्रयोग में लाया जाता है। यही कारण है कि निरंतर मच्छरों के काटने से बचाव करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और घर के आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

डॉक्टर्स बोले- पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकता डायबिटीज, रोगियों के लिए क्या है सलाह

डायबिटीज, गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसका साल-दर-साल वैश्विक जोखिम काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है कि जिस गति से पिछले कुछ वर्षों में इस रोग के मामले बढ़ते हुए देखे गए हैं, ऐसे में आशंका है कि साल 2050 तक दुनियाभर में रोगियों की संख्या 130 करोड़ से अधिक हो सकती है। आनुवांशिकता के साथ-साथ लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में सभी लोगों को इस रोग से बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

डायबिटीज की समस्या में लंबे समय से यह सवाल रहा है कि क्या इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है? ज्यादातर वैज्ञानिकों का कहना है कि एक बार डायबिटीज हो जाने के बाद इसके पूरी तरह से ठीक होने की संभावना कम होती है, इलाज और लाइफस्टाइल में बदलाव के माध्यम से इसके लक्षणों और जटिलताओं को बस कम करने के प्रयास किए जा सकते हैं।

आइए जानते हैं कि डायबिटीज रोगियों के लिए विशेषज्ञों की क्या सलाह है?

डायबिटीज को सिर्फ कंट्रोल कर सकते हैं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज का वैसे तो कोई इलाज नहीं है, लेकिन अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ लोगों में इसे रिवर्स जरूर किया जा सकता है। आहार में बदलाव और वजन घटाने के माध्यम से ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है।

टाइप-2 डायबिटीज के लक्षणों को कंट्रोल करने का सबसे कारगर तरीका है कि आप अपने वजन को कंट्रोल रखें। कुछ किलो वजन कम करने से आपको मधुमेह का प्रबंधन करने में मदद मिल सकती है, यह मधुमेह के कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताओं को भी कम करने में भी सहायक है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इंग्लैंड के अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि मधुमेह के रोगियों को वजन कम करने के अलावा जिस एक बात पर ध्यान रखना बहुत जरूरी माना जाता है वो है- लो कैलोरी वाले आहार का सेवन। अधिक कैलोरी वाली चीजों का सेवन करने से न सिर्फ ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही इसके कारण आपका वजन भी बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने 2-5 महीनों के लिए प्रतिदिन 625-850 कैलोरी या इससे कम का सेवन किया, उनके लिए शुगर के लेवल को कंट्रोल करना अधिक आसान था। लो कैलोरी डाइट के साथ वजन को कंट्रोल करना आपके मधुमेह के स्तर को नियंत्रित करने में काफी सहायक हो सकता है।

डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए करें उपाय

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल किया जाए इसको लेकर किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन 10,000 कदम चलने और सप्ताह में कम से कम ढाई घंटे के मध्यम स्तरीय व्यायाम करने से न सिर्फ शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है साथ ही यह हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने में भी आपके लिए लाभकारी हो सकती है। शारीरिक सक्रियता को बढ़ाना शरीर को स्वस्थ रखने और इसके कारण होने वाली जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

अगर आपको डायबिटीज की समस्या नहीं भी है तो भी इसे कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए क्योंकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण इस रोग का खतरा सभी लोगों में बना हुआ है।

लिवर को डिटॉक्स करके शुगर को कंट्रोल रखने का ये है रामबाण तरीका

हमारे घरों में कई ऐसी चीजें आसानी से उपलब्ध होती हैं, जिन्हें वर्षों से सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। घरेलू उपायों वाली ऐसी कई चीजों को मेडिकल साइंस ने भी प्रमाणित किया है।

नीम की पत्ती ऐसी ही एक अत्यंत फायदेमंद औषधि है जिसे संक्रामक रोगों से बचाव के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। तमाम अध्ययनों में भी शोधकर्ताओं ने प्रमाणित किया है कि अगर रोजाना नीम की कुछ पत्तियों का सेवन किया जाए तो इससे पूरे शरीर को कई प्रकार से लाभ हो सकता है।

हम अक्सर अपने माता-पिता और दादा-दादी को इन पत्तियों के औषधीय गुणों के बारे में बात करते हुए सुनते आ रहे हैं, पर क्या आप जानते हैं कि यह किस-किस प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है?

आइए खाली पेट नीम की पत्तियों के सेवन से जुड़े स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं।

त्वचा की बीमारियां होती हैं दूर

नीम की पत्तियों में कई ऐसे औषधीय गुणों के बारे में पता चलता है जो इसे त्वचा की बीमारियों और संक्रमण को कम करने में कारगर बनाती है।

नीम में एंटी-इंफ्लामेटरी, जीवाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो इसे त्वचा की विभिन्न समस्याओं जैसे मुंहासे से राहत दिलाने और त्वचा में इंफ्लामेशन को कम करने के लिए प्रभावी बनाते हैं।

नीम के तेल में त्वचा की लोच और चमक बनाए रखने के लिए एंटी-रिंकल और एंटी-एजिंग प्रभाव वाले आवश्यक फैटी एसिड और विटामिन भी होते हैं।

संक्रामक रोगों से मिलती है सुरक्षा

नीम का एक महत्वपूर्ण चिकित्सीय उपयोग रक्त शोधक के रूप में है। यह फ्री रेडिकल्स को खत्म करने, हार्मोन को नियंत्रित करने और प्रतिरक्षा को बढ़ाकर समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए भी कारगर पाया गया है। नीम का उपयोग विभिन्न हर्बल फॉर्मूलेशन में रक्त प्रवाह से विषाक्त पदार्थों को हटाने और लिवर को ठीक रखने के लिए भी किया जाता रहा है। नीम बार-बार होने वाले संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती है।

लिवर और किडनी के लिए लाभ

नीम में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में आपके लिए लाभकारी है, इससे लिवर और किडनी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। लिवर की विषाक्तता को कम करने और इससे संबंधित संक्रमण और बीमारियों के जोखिमों से बचाव के लिए भी नीम की पत्तियों के सेवन को शोधकर्ताओं ने लाभकारी पाया है।

नीम का सेवन करने वाले लोगों में लिवर डैमेज का खतरा भी कम हो सकता है।

डायबिटीज रहता है कंट्रोल

अगर आपका अक्सर ब्लड शुगर बढ़ा हुआ रहता है तो आप नीम के सेवन से लाभ पा सकते हैं। पशुओं पर किए गए अध्ययनों से संकेत मिलता है कि नीम की पत्ती का अर्क मधुमेह की नई दवाओं के लिए एक भी एक नया अवयव हो सकता है। नीम का अर्क उन कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में मददगार पाया गया है जो इंसुलिन का उत्पादन करती हैं। हालांकि मानवों पर इसके अध्ययन का अभाव है।

ऐसे लक्षणों का मतलब बढ़ गया है यूरिक एसिड

यूरिक एसिड, हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण रसायन है जो प्यूरीन नामक पदार्थों के ब्रेक डाउन होने पर निर्मित होता है। प्यूरीन आमतौर पर शरीर में होता है और कुछ खाद्य और पेय पदार्थों में भी पाया जाता है। मैकेरल, सूखे बीन्स, मटर आदि में इसकी मात्रा अधिक होती है। वैसे तो शरीर में यूरिक एसिड की सामान्य मात्रा को नुकसानदायक नहीं माना जाता है पर इसका बढ़ना कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हाई यूरिक एसिड की स्थिति में गठिया, उंगलियों में दर्द, किडनी स्टोन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखते हुए इसे कंट्रोल में रखना बहुत आवश्यक हो जाता है।

यदि आपका शरीर बहुत अधिक यूरिक एसिड बनाता है या यदि आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो यूरिक एसिड रक्त में जमा हो सकता है। समय के साथ यूरिक एसिड के क्रिस्टल बन सकते हैं और जोड़ों में इकट्ठा होने लगते हैं।

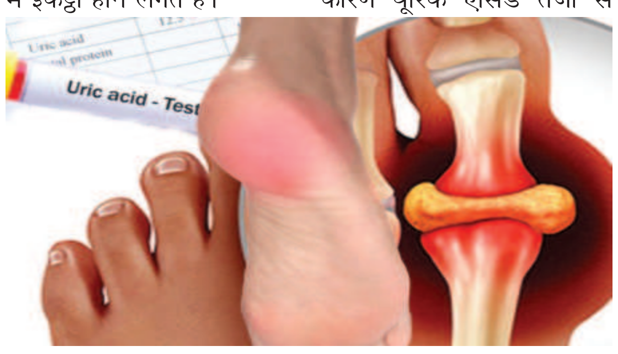

यूरिर एसिड बढ़ने की समस्या

यूरिक एसिड का बढ़ना शरीर में कई प्रकार की समस्याओं का कारण बन सकता है। यदि आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक रहती है तो यह हाइपरयुरिसीमिया का कारण बन सकती है। हाइपरयुरिसीमिया के कारण यूरिक एसिड तेजी से क्रिस्टल में एक साथ चिपक जाता है। ये क्रिस्टल आपके जोड़ों में जमा होकर गठिया और गाउट की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं साथ ही इससे किडनी में स्टोन होने और किडनी की अन्य समस्याओं का भी जोखिम हो सकता है।

प्यूरीन वाली चीजों का कम करें सेवन

प्यूरीन ऐसे यौगिक हैं जो कुछ खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं। शरीर प्यूरीन को तोड़ता है, यह यूरिक एसिड का उत्पादन करता है।

वजन को कंट्रोल रखें

शराब और शर्करा युक्त पेय पदार्थों से बचें

चीनी की जगह खाएं ये 'फायदेमंद चीज', पाचन की समस्या से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने तक में इसके लाभ

चीनी के अधिक सेवन को स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है, इससे न सिर्फ ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही वजन बढ़ने, मेटाबॉलिज्म की सेहत और हृदय रोगों का भी इससे खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को कम से कम मात्रा में चीनी का सेवन करने की सलाह देते हैं। अगर आप चीनी को पूरी तरह से छोड़ देते हैं, तो यह सेहत को ठीक रखने के लिए सबसे बेहतर माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आपकी भी मीठा खाने की आदत रही है और लाख कोशिशों के बाद भी मीठा नहीं छोड़ पा रहे हैं, तो आपको चीनी के स्वस्थ विकल्पों की तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। गुड़ खाना इसमें आपके लिए सबसे लाभकारी हो सकता है। कई अध्ययनों में विशेषज्ञों ने पाया कि गुड़ न सिर्फ आपको मीठा स्वाद देता है साथ ही इससे कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं।

गुड़ खाने के फायदे

अध्यनकर्ताओं ने पाया कि चीनी की जगह गुड़ खाना अच्छा विकल्प हो सकता है, इससे आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी पा सकते हैं। साल 2015 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, परिष्कृत सफेद चीनी की तुलना में गुड़ अधिक पौष्टिक विकल्प है। गुड़ के सेवन से शरीर के लिए प्रोटीन और पोटेशियम जैसी चीजों की भी पूर्ति की जा सकती है, जिसकी हमारे शरीर को आवश्यकता होती है। इसके अलावा

डायबिटीज रोगियों के लिए भी यह अच्छा विकल्प माना जाता है।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं गुड़?

डायबिटीज में गुड़ खाना चाहिए या नहीं, यह लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गुड़ का सेवन चीनी से बेहतर है, डायबिटीज की स्थिति में इसका कम मात्रा में सेवन किया जा सकता है। चीनी की तरह इसके दुष्प्रभाव नहीं हैं, साथ ही यह पाचन और इम्युनिटी को ठीक रखने में भी आपके लिए मददगार है, जो डायबिटीज रोगियों के लिए हमेशा से बड़ी समस्या रही है। हालांकि गुड़ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक (84) होता है ऐसे में इसका अधिक मात्रा में सेवन करना सेहत के लिए कई प्रकार से दुष्प्रभावों वाला हो सकता है।

बेहतर पाचन में मिलती है मदद

गुड़ खाना आपके पाचन स्वास्थ्य के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि यह पाचन में मदद करता है और मल त्याग को भी बढ़ावा दे सकता है। कब्ज को रोकने के लिए इसे एक अच्छे विकल्प के तौर पर भी जाना जाता है। भारतीय खाद्य परंपरा में पाचन को बढ़ावा देने के लिए सभी लोगों को भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में गुड़ खाने की सलाह दी जाती है।

एनीमिया की रोकथाम में भी इसके लाभ

एनीमिया गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। भारत में महिलाओं में इसका जोखिम अधिक देखा जाता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि गुड़ खाना आपको एनीमिया के खतरे से बचाने में मददगार हो सकता है।

गुड़ में प्रति 100 ग्राम में लगभग 11 मिलीग्राम आयरन होता है, हालांकि हमेशा ध्यान रखें बहुत अधिक मात्रा में गुड़ का सेवन नहीं किया जाना चाहिए। आयरन के साथ-साथ गुड़ खाना शरीर के लिए और भी कई प्रकार के पोषक तत्वों की पूर्ति करने में सहायक है, ऐसे में इसे सेहत के लिए बेहतर विकल्प माना जा सकता है।

डिहाइड्रेशन से बचाने के साथ पूरे शरीर को स्वस्थ रखेगा ये सुपरफूड

देशभर में गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। तेज धूप और बढ़ता तापमान डिहाइड्रेशन के खतरे को तो बढ़ाता ही है साथ ही इससे हीट स्ट्रोक होने का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है। इन समस्याओं से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अलर्ट करते हैं। क्या आप गर्मी और लू से बचाव के लिए जरूरी उपाय कर रहे हैं?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, इस मौसम में सभी लोगों अपने खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहना चाहिए। खीरा को आहार का हिस्सा जरूर बना लें, ये आपकी सेहत के लिए इस मौसम में विशेष लाभकारी हो सकता है।

गर्मियों का सुपरफूड है खीरा

खीरा को गर्मियों का सुपरफूड माना जाता है। ये कई गुणों से भरपूर होता है, सबसे खास बात ये आपको डिहाइड्रेशन से बचा सकता है। खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है, इसके साथ ये शरीर को इलेक्ट्रोलाइट्स भी प्रदान करता है।

ये ठंडक देने के साथ मांसपेशियों और तंत्रिका कार्य, रक्त पीएच और सामान्य हृदय गति के लिए महत्वपूर्ण है। खीरे में कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होती है।

लो कैलोरी और पोषक तत्वों में फुल

एक मध्यम आकार के खीरे में आमतौर पर केवल 30-40 कैलोरी होती है। लो कैलोरी की मात्रा के बावजूद, खीरा महत्वपूर्ण विटामिन और खनिज प्रदान करता है। इसमें विटामिन-सी होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

फ्लेवोनोइड्स और टेनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट कोशिकाओं की क्षति को रोकते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटैशियम मांसपेशियों के कार्य और हृदय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। खीरे में मौजूद विटामिन-के शरीर को कैल्शियम को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

क्या कहती हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ रीता अहीर बताती हैं, गर्मियों में हाइड्रेशन के लिए खीरा बेहतरीन विकल्प है। इसमें मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सिडेंट हृदय स्वास्थ्य, त्वचा की चमक और पाचन तंत्र 'को बेहतर बनाते हैं। यह शरीर का तापमान संतुलित रखता है।

खीरा कई पौष्टिक तत्वों से भरपूर है जो रक्त शर्करा, आंत, हृदय और त्वचा की सेहत को बेहतर बनाता है।

खीरे में मौजूद स्टेरोल बैड कोलेस्ट्रॉल या लो डेंसिटी वाले लिपोप्रोटीन के स्तर को कम करने में मदद करते हैं।

छिलके के साथ खाने पर इससे डाइट्री फाइबर मिलता है, जो स्वस्थ पाचन और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देता है।

भूख को नियंत्रित कर अधिक खाने से रोकने में सहायक होता है।

नींद में जीभ और गला सूखता है

प्रश्न : मुझे पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है। एलोपैथिक दवाओं से बुखार नहीं जा रहा है। शरीर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- सदाशिव राव ,विकाराबाद

उत्तर : लंबे समय तक हल्का ज्वर बना रहना आंत्रिक ज्वर, राजयक्ष्मा, नाड़ी ज्वर, धातुगत ज्वर आदि के लक्षण है। इसलिए पहले निश्चयात्मक निदान आवश्यक है । रोग का निदान हो जाने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। वैसे पुराने ज्वरों में ऊंझा ब्राम्ही स्वर्ण वटी, वसंत मालती रस एवं औरा गिलोय घनवटी को सुबह शाम गुनगुने पानी से देवें। हल्के भोजन के बाद ऊंझा अमृतारिष्ट 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिलाएं। ऊंझा संशमनी वटी, तुलसी घनवटी एवं स्वर्ण मालिनी वसंत रस भी दिया जा सकता है। यह चिकित्सा क्रम कम से कम एक मंडल (40 दिन) देवें। पुराने से पुराने ज्वर भी अवश्य शांत होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। एक दिन पेट के सीधे ऊपर में बेहद तेज दर्द उठा। अल्ट्रासाउंड से पता चला कि पित्ताशय में पथरी है । क्या यह मूत्र मार्ग से बाहर निकाली जा सकती हैं? सुझाव देवें।

- एस बालकृष्ण, भुवन गिरी

उत्तर : पित्ताश्मरी यानी गाल ब्लैडर स्टोन और वृक्काश्मरी यानी किडनी स्टोन दोनों अलग-अलग प्रकार के स्टोन है। एक कोलेस्ट्रॉल की अधिकता से यकृत के पित्ताशय की थैली में बनता है, जिसकी ओपनिंग छोटी आंत के डिओडीनम में है। तो दूसरा गुर्दे के किसी भाग या यूरेटर या यूरिनरी ब्लैडर(मूत्राशय) में बनता है। ज्यादातर यूरिनरी कैलकुलस आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग से आसानी से मूत्र मार्ग से निकाले जा सकते हैं। पित्ताशय की पथरी का मूत्राश्मरी से कोई संबंध नहीं है। पित्ताश्मरी को निकालने के लिए केवल शल्य चिकित्सा ही उपयोगी है। अतः आप कोई भी दवा के चक्कर में ना पड़कर अच्छे शल्य चिकित्सक (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन) से संपर्क कर अपनी शल्य क्रिया करवाएं।

प्रश्न : मेरी उम्र 80 वर्ष है। नींद में जीभ और गला सूखता है और थोड़ी जलन भी होती है। ज्यों ही नींद खुलती है यह सारे लक्षण लोप हो जाते हैं। दिन में भी सोने पर यह शिकायत बनी रहती है। कृपा कर उपचार बताएं।

- राजा राव, करीमनगर

उत्तर : आपकी उम्र में व्यक्ति को गहरी नींद नहीं आती है । मस्तिष्क के कार्य-कलाप चालू रहते हैं और नींद में ही जीभ और गला सूखने व उनमें जलन जैसा महसूस होता है जो जगने पर बिल्कुल नहीं रहता। यह एक प्रकार की मानसिक दुर्बलता है। इसके लिए आप ऊंझा ब्राह्मी वटी सुबह-शाम एवं औरा टेंस्ट्रिम टिकीया दो गोली रात्री अदरक मिश्रित फीके गुनगुने दूध से लेवें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट एवं ऊंझा अश्वगंधारिष्ट दोनों 15 -15 मिलीलीटर दोगुने पानी में मिलाकर लेवें। इससे शारीरिक व मानसिक थकान मिटेगी। अवचेतन मन शांत होने से आपको इन लक्षणों में बहुत शांति मिलेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

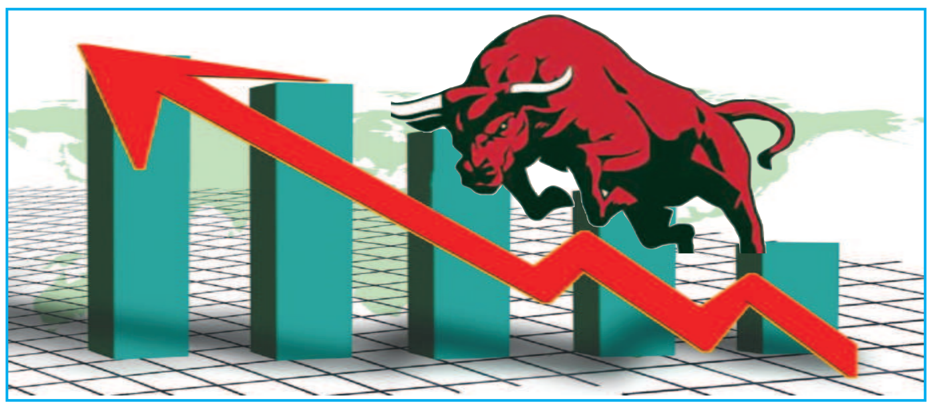

अमेरिका-चीन के बीच रुक जाएगा ट्रेड ?

आधी रह गई है सामान ले जाने वाले जहाजों की संख्या

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मामला दिन ब दिन खराब होता जा रहा है। चीन से अमेरिका जाने वाले जहाजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले 15 दिनों में यह संख्या फरवरी के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। अप्रैल के मध्य से इसमें 50% गिरावट आ चुकी है। अमेरिका के वित्त मंत्री का कहना है कि चीन कई तरह के सामान रोक रहा है जिनमें रेयर अर्थ भी शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हाल में कहा कि चीन ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए व्यापार समझौते का उल्लंघन किया है। इस समझौते के कारण दोनों देशों के बीच चल रहा टैरिफ युद्ध रुक गया था। दूसरी ओर चीन ने अमेरिका पर नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़काने का आरोप लगाया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि चीन व्यापार वार्ताओं के समझौते को सख्ती से लागू कर रहा है लेकिन अमेरिका इसे गंभीर रूप से कमजोर कर रहा है। अमेरिका एकतरफा तरीके से नए आर्थिक और व्यापारिक झगड़े भड़का रहा है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता और अस्थिरता बढ़ रही है। अगर अमेरिका अपनी मनमानी करता है और चीन के हितों को कमजोर करना जारी रखता है, तो चीन अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ और जोरदार उपाय करना जारी रखेगा।इससे पहले ट्रंप के उस बयान के बाद आई हैं जिसमें उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि चीन ने अमेरिका के साथ किए गए समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। ट्रंप ने सत्य सामाजिक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने चीन को एक बहुत बुरी स्थिति से बचाने के लिए उसके साथ जल्दी में समझौता किया। उन्होंने आगे कहा, 'मिस्टर नाइस गाय बनने का यही नतीजा है।' दोनों देशों ने कुछ हफ्ते पहले जेनेवा में एक समझौता किया था। इसके तहत दोनों देशों ने अप्रैल में एक-दूसरे पर लगाए गए टैरिफ में कमी की थी। यह व्यवस्था 90 दिनों के लिए थी। लेकिन अब यह डील टूटने के कगार पर है क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते की भावना के खिलाफ काम करने का आरोप लगा रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत रुक गई है। उन्होंने सुझाव दिया है कि बातचीत में प्रगति के लिए ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग की भागीदारी आवश्यक है। अमेरिका का आरोप है कि चीन ने रेयर अर्थ और उनसे संबंधित उत्पादों का एक्सपोर्ट बंद कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद थी कि समझौते के बाद चीन रेयर अर्थ के निर्यात पर प्रतिबंधों को कम करेगा।

चीन, भारत, पाकिस्तान... यह कैसी लिस्ट है जिसमें दो दुश्मनों के बीच फंसा है अपना देश

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। जापान दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है लेकिन इस पर बहुत कर्ज है। कभी अमेरिका को टक्कर देने वाले जापान की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। हाल ही में भारत उसे पछाड़कर चौथे नंबर पर आ चुका है। जापान का कर्ज उसकी कुल जीडीपी का 248% पहुंच चुका है। जीडीपी के मुकाबले कर्ज के मुकाबले में एशियाई देशों में जापान पहले नंबर पर है। इसके बाद सिंगापुर का नंबर है। इस छोटे से देश का कर्ज उसकी जीडीपी का 175% है। लाओस (118%) इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। इस लिस्ट में चीन चौथे नंबर पर है। दुनिया की दूसरी बड़ी इकॉनमी वाले देश चीन का कर्ज उसकी इकॉनमी का 93% है। अगला नंबर भारत का है। भारत का कर्ज उसकी जीडीपी का 82% है। भारत के बाद पाकिस्तान का नंबर है। कई साल से आर्थिक दुश्वारियों का सामना कर रहे पाकिस्तान का कर्ज उसकी जीडीपी का 71% है। यानी इस लिस्ट में भारत पाकिस्तान और चीन के बीच में फंसा हुआ है। पाकिस्तान के बाद मलेशिया (68%), थाईलैंड (66%), फिलीपींस (58%), साउथ कोरिया (54%), ऑस्ट्रेलिया (49%), इंडोनेशिया (40%), बांग्लादेश (39%), वियतनाम (33%) और कंबोडिया (26%) का नंबर है।

दुनिया पर कर्ज

अगर पूरी दुनिया की बात करें तो जीडीपी के मुकाबले सबसे ज्यादा कर्ज सूडान पर है। इस देश पर उसकी जीडीपी का 252 फीसदी कर्ज है। दुनिया के देशों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। पिछले साल दिसंबर तक दुनिया का कर्ज 102 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका था। दुनिया के कई बड़े-बड़े देश कर्ज लेकर इकॉनमी चला रहे हैं। आईएमएफ और यूएस ट्रेजरी के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज अमेरिका पर है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले इस देश की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है जो उसकी जीडीपी का करीब 125% है। दुनिया के कुल कर्ज का 34.6% केवल अमेरिका पर है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर चीन है। ग्लोबल डेट का 16.1% चीन पर है। पिछले साल चीन का कर्ज 14.69 ट्रिलियन डॉलर था। दुनिया के कुल कर्ज का 10% जापान पर है। पिछले साल देश का कर्ज 10.79 ट्रिलियन डॉलर था। ब्रिटेन का कर्ज पिछले साल 3.46 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो ग्लोबल डेट का 3.6 फीसदी है। इस लिस्ट में फ्रांस पांचवें और इटली छठे नंबर पर है। फ्रांस पर 3.35 ट्रिलियन डॉलर और इटली पर 3.14 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है।

भारत का हाल

इस लिस्ट में भारत सातवें नंबर पर है। दुनिया की पांचवें नंबर की इकॉनमी भारत पर पिछले साल कुल 3.057 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो ग्लोबल डेट का 3.2% है। यह जर्मनी, कनाडा, ब्राजील और रूस जैसे देशों से ज्यादा है। दुनिया में सबसे कम कर्ज इराक, चिली, चेक गणराज्य, वियतनाम, हंगरी, यूएई. बांग्लादेश, यूक्रेन, ताइवान, रोमानिया, नॉर्वे, स्वीडन, कोलंबिया, आयरलैंड और फिनलैंड पर है। पाकिस्तान पर ग्लोबल डेट का केवल 0.3% और बांग्लादेश पर 0.2% है।

सेंसेक्स 77 अंक गिरकर 81,373 पर बंद

निफ्टी में भी 34 अंक की गिरावट रही, बैंकिंग और आईटी शेयर टूटे

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 2 जून को गिरावट रही। सेंसेक्स 77 अंक गिरकर 81,373 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 34 अंक की गिरावट रही। ये 24,716 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी है। बैंकिंग, ऑटो और आईटी शेयर में गिरावट रही। वहीं एफएमसीजी और एनर्जी शेयर्स में बढ़त देखने को मिली है।

द लीला होटल्स के शेयर ने निगेटिव लिस्टिंग के बाद रिकवरी की

लग्जरी होटल चेन 'द लीला' की पेरेंट कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड का शेयर आज एनएसई पर 1.20 रुपए (0.28%) की गिरावट के साथ 433.80 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले इसका शेयर आज एनएसई पर 6.67% नीचे 406 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं बीएसई पर लीला होटल्स का शेयर 6.55% के डिस्काउंट के साथ 406.50 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसके शेयर का इश्यू प्राइस 435 रुपए प्रति शेयर था।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 494 अंक (1.30%) गिरकर 37,470 पर बंद हुआ। कोरिया का कोस्पी 1 अंक चढ़कर 2,698 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 131 अंक (0.57%) गिरकर 23,157 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट आज बंद रहा।

30 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 54 अंक चढ़कर 42,270 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 62 अंक गिरकर 19,113 पर और एस एंड पी 500 5,911 पर फ्लैट बंद हुआ।

पिछले हफ्ते बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले पिछले हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार, 30 मई को भी शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 182 अंक गिरकर 81,451 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 83 अंक की गिरावट रही, ये 24,751 के स्तर पर बंद हुआ था।

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा अनिल अंबानी का यह शेयर, एक हफ्ते में आ चुकी है 18% उछाल

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 8% तक बढ़ गए। बीएसई पर यह 62.80 रुपये पर पहुंच गया जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल में कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। मजबूत ट्रेडिंग और एक बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट के कारण कंपनी के शेयरों में तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में यह स्टॉक 17% से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक महीने में इसमें लगभग 52% तेजी आई है। सोमवार को इसमें ट्रेडिंग बहुत ज्यादा हुई। 1,654.71 लाख शेयरों का कारोबार हुआ जिसकी वैल्यू 996.13 करोड़ रुपये की थी। इससे पता चलता है कि निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है। पिछले छह महीनों में

स्टॉक 56.8% बढ़ा है। पिछले एक साल में यह 147% बढ़ा है। शुक्रवार को इसके शेयरों में लगभग 16% की तेजी आई थी। इसे भारी वॉल्यूम का भी समर्थन मिला। रिलायंस पावर को हाल ही में एक प्रोजेक्ट मिला है। 28 मई को कंपनी ने इसका ऐलान किया था। रिलायंस न्यू एनर्जीज को एसजेवीएन से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) मिला है। एसजेवीएन एक नवरत्न पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग है। यह प्रोजेक्ट 350 एमडब्ल्यू का इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट है। इसमें 175 एमडब्ल्यू/700 एमडब्ल्यूएच की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बी.ई.एस.एस.) भी शामिल है। रिलायंस न्यू एनर्जीज ने पहले ही नीलामी में सफलता हासिल कर ली थी। यह प्रोजेक्ट 25 साल के लिए 3.33 रुपये/केडब्ल्यूएच के फिक्स्ड टैरिफ पर मिला है। कंपनी के फाइनेंसियल की बात करें तो जनवरी-मार्च तिमाही में रिलायंस पावर को 126 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 397.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी को इस बार फायदा हुआ है क्योंकि कंपनी का खर्चा कम हो गया है। खर्चा 2,615.15 करोड़ रुपये से घटकर 1,998.49 करोड़ रुपये हो गया है। हालांकि इस दौरान कंपनी की कमाई थोड़ी कम होकर 2,066 करोड़ रुपये हो गई है। पूरे साल की बात करें तो कंपनी को 2,947.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल कंपनी को 2,068.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। रिलायंस पावर ने पिछले 12 महीनों में 5,338 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। इसमें मैच्योरिटी रीपेमेंट भी शामिल है।

अब होगा असली मुकाबला, पाकिस्तान का बजेगा बैंड

30,000 करोड़ रुपये करने की तैयारी में टाटा ग्रुप

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। इसकी होल्डिंग कंपनी टाटा संस अपनी नई कंपनियों में 30,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यह निवेश टाटा डिजिटल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया, डिफेंस और बैटरी यूनिट्स में होगा। यह निवेश इक्विटी के माध्यम से किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार डिफेंस कारोबार की हाल ही में एक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में फिर से पुष्टि की गई है। टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को हुई एक बैठक में इस आवंटन को मंजूरी दी। यह फंडिंग हाल के वर्षों में नए व्यवसायों के लिए किए गए 120 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त है। ईटी के एक रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रुप एग्जीक्यूटिव ने कहा कि यह पूंजी निवेश कंपनी की योजना का हिस्सा है। इससे नए व्यवसायों को अगले स्तर तक ले जाने में मदद मिलेगी। टाटा डिजिटल के नए सीईओ की घोषणा जल्द होगी। एग्जीक्यूटिव ने कहा कि टाटा संस ने पहले ही काफी निवेश कर दिया है। अब, आगे के सभी निवेश प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे।

नए व्यवसायों को निवेश पाने के लिए खुद को साबित करना होगा। ये व्यवसाय टाटा संस के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कंपनी का मानना है कि इनका शुरुआती दौर खत्म हो गया है। अब इन्हें तेजी से काम करके लाभ कमाना चाहिए। यह एक रणनीतिक प्रयास है। इसका उद्देश्य तेजी से बदलती दुनिया में टाटा ग्रुप की प्रतिस्पर्धात्मकता को बनाए रखना है। आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य नई तकनीकों के कारण बाजार में बहुत बदलाव हो रहे हैं। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल पहले से ही टॉप 10 ग्रुप व्यवसायों में शामिल हैं। एक एग्जीक्यूटिव ने बताया कि नए व्यवसायों का लक्ष्य है कि वे फाइनेंशियल ईयर 2027 तक राजस्व के मामले में टॉप पांच ग्रुप कंपनियों में शामिल हों और लाभ कमाएं। ग्रुप चेयरमैन एन चंद्रशेखरन अब नए बिजनस की प्रगति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। टाटा डिजिटल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए जल्द ही एक नए सीईओ की घोषणा की जाएगी। नवीन ताहिलयानी के हाल में इस्तीफा देने के बाद यह पद खाली हो गया था। इन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चंद्रशेखरन ने हाल ही में टाटा केमिकल्स के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

सोना 837 बढ़कर 96,192 पर पहुंचा

चांदी 97,392 किलो बिक रही, इस साल सोना अब तक 20,030 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 2 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 837 बढ़कर 96,192 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,355 प्रति 10 ग्राम थी। हालांकि, चांदी का भाव 66 कम होकर 97,392 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 97,458 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,790 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,640 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,500 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,640 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,640 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,690 रुपए है।

हैदराबाद : 10 ग्राम, 22 कैरेट के लिए रुपए 90,629 प्रति 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत रुपए 98,374 रुपए है।

हवा में 175 यात्रियों की अटक गई सांस

ऐसा क्या हुआ कि इंडिगो की फ्लाइट को करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग?

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। इंडिगो की रांची जाने वाली एक फ्लाइट को सोमवार को पक्षी के टकराने के बाद आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में 175 यात्री थे। अच्छी बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में इंडिगो की उड़ानों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कभी धूल भरी आंधी तो कभी ओलावृष्टि के कारण विमानों को परेशानी हुई है। सोमवार को इंडिगो की एक उड़ान रांची जा रही थी। उड़ान के दौरान एक पक्षी विमान से टकरा गया। इस वजह से विमान को तुरंत नीचे उतारना पड़ा। विमान में 175 लोग सवार थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान का पक्षी से टकराना एक आम बात है। खासकर जब विमान उड़ान भरता है या उतरता है। एयरलाइंस आमतौर पर विमान को दोबारा इस्तेमाल करने से पहले उसकी अच्छी तरह से जांच करती हैं। यह घटना तब हुई जब एक दिन पहले ही इंडिगो की एक और उड़ान मुश्किल में फंस गई थी। यह उड़ान रायपुर से दिल्ली जा रही थी। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते समय धूल भरी आंधी के कारण पायलट को लैंडिंग रोकनी पड़ी। एएनआई के अनुसार, हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक थी। पायलट ने विमान को हवा में घुमाया और स्थिति ठीक होने का इंतजार किया। बाद में विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। एक और घटना दो हफ्ते पहले हुई थी। इंडिगो की एक उड़ान दिल्ली से श्रीनगर जा रही थी। विमान में 227 यात्री थे। रास्ते में ओलावृष्टि के कारण विमान बुरी तरह हिल गया। पायलट ने तुरंत श्रीनगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार, विमान शाम 6:30 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया।

कृषि में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए किसानों को उपकरण और ज्ञान से सशक्त बनाना

हैदराबाद, 2 जून (एजेंसियां)। कृषि परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 2 जून, 2025 को, आईसीएआर-क्रीडा-कृषि विज्ञान केंद्र, रंगा रेड्डी ने रामचंद्रगुडा , महेश्वरम मंडल में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल ने पूरे रूटमैप में किसानों को शामिल किया , जिससे एक लचीला, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार कृषि क्षेत्र बनाने के मिशन को बढ़ावा मिला। इस कार्यक्रम में कृषि अधिकारी, विषय विशेषज्ञ, कृषि और संबद्ध उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने स्थानीय किसानों के साथ मिलकर ज्ञान और नवीन कृषि पद्धतियों को साझा किया। कार्यक्रम में टिकाऊ कृषि तकनीकों, जलवायु- प्रतिरोधी फसल प्रबंधन और कृषक समुदाय के लिए उत्पादकता और आय सुरक्षा बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा, विकसित कृषि संकल्प अभियान के साथ हमारा लक्ष्य किसानों को कृषि की उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक उपकरणों और ज्ञान से सशक्त बनाना है। लचीलापन और समावेशिता को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य ग्रामीण आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। यह पहल भारतीय कृषि को एक टिकाऊ और तकनीकी रूप से उन्नत क्षेत्र में बदलने के सरकार के व्यापक मिशन में एक महत्वपूर्ण योगदान है। बागवानी की सहायक निदेशक श्रीमती अरुणा ने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों और स्थानीय किसानों के सहयोगात्मक प्रयास पूरे जिले में भविष्य के लिए तैयार कृषि वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। ऑयल फड कॉरपोरेशन के प्रबंधक श्री विकास कुमार ने कहा कि संसाधनों और बजट का प्रभावी प्रबंधन करने के लिए वित्तीय कौशल विकसित करने हेतु अर्ध-शहरी क्षेत्रों में उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाना आवश्यक है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रभात कुमार पंकज ने कहा कि फसलों के साथ-साथ पशुधन पालन करके किसान पशुओं के अपशिष्ट का उपयोग पौधों को खाद देने और मृदा स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए कर सकते हैं, साथ ही स्थानीय बाजारों के लिए ताजा उपज भी उगा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-44
सूर्यास्त - 18-43
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	04-32 बजे
चंद्र-	सिंह मे	मिथुन..	06-32 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क--	08-45 बजे
बुध-	वृष मे	सिंह---	10-56 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	13-03 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	15-10 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	17-18 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	19-32 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	21-38 बजे
		कुंभ...	23-29 बजे
		मीन....	01-07 बजे
		मेष.....	02-43 बजे

दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 21-56 तक उपरान्त नवमीं
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , मंगलवार 03 June
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 00-58 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - हर्षण 08-08 तक उप वज्र
करण- विष्टी 09-10 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल - 09-10 तक

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:30 से 17:09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05:44 - 07:20	अशुभ	काल	18:43 - 20:09	अशुभ
उत्पात	07:20 - 08:58	अशुभ	लाभ	20:09 - 21:30	शुभ
चंचल	08:58 - 10:36	शुभ	उद्वेग	21:30 - 22:52	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:14	शुभ	शुभ	22:52 - 00:14	शुभ
अमृत	12:14 - 13:52	शुभ	अमृत	00:14 - 01:36	शुभ
काल	13:52 - 15:30	अशुभ	चंचल	01:36 - 02:58	शुभ
शुभ.	15:30 - 17:09	शुभ	रोग	02:58 - 04:20	अशुभ
रोग	17:09 - 18:43	अशुभ	काल	04:20 - 05:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपका ध्यान कही भटक सकता है , और आपको लगेगा की आप अपने कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे । परिणाम स्वरुप आप अपने कार्यो में पीछे रह सकते है । इसका सबसे अच्छा समाधान है की आप कार्य से एक दिन अवकाश ले और बाहरी गतिविधियों में एक दिन बिताए ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी वित्तीय जरुरतो पर अनसोची व अप्रत्याशित मांगों की वजह से दिन परेशानी में रह सकता हैं। आपने अपने सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी बिलों और अन्य दायित्वों की जाँच करें । अनदेखी में निकट भविष्य में वह राशि बड़ी मात्रा में आपको परेशान कर सकती है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

16 नक्सलियों ने किया सरेंडर

छत्तीसगढ़ में 'लाल आतंक' को फिर लगा बड़ा झटका, 25 लाख का था इनाम

रायपुर, 2 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। बस्तर के नक्सल मुक्त जिला होने के बाद अब सुकमा में 16 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। नक्सल प्रभावित केरलापेंदा गांव अब नक्सलमुक्त हो गया है। सोमवार को दो हार्डकोर नक्सली समेत 16 नक्सलियों ने हथियार आत्मसमर्पण किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में एक महिला और पुरुष नक्सली पर आठ-आठ लाख का इनाम घोषित है। इतना ही नहीं सरेंडर करने वाले छह नक्सलियों पर 25 लाख रूपये का इनाम घोषित है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। इस बीच नक्सल संगठन पूरी तरह से घबरा गया है। इस बीच सरेंडर का भी सिलसिला चल रहा है। सोमवार को सुकमा जिले में पुलिस और सीआरपीएफ के अफसरों के सामने 16 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर कर दिया। इनमें से एक महिला और एक पुरुष पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम है। जबकि बाकी अन्य पर अलग-अलग राशि घोषित है। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले सभी नक्सली जिले की कई घटनाओं में शामिल रहे।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि राज्य सरकार की एलवद पंचायत योजना के तहत गांव को विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह योजना नई छत्तीसगढ़ नक्सल आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत शुरू की गई है।

इसमें उन ग्राम पंचायतों के लिए एक करोड़ रुपए के विकास कार्यों की मंजूरी का प्रावधान है, जो अपने क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों के आत्मसमर्पण में मदद करते हैं और उन्हें माओवाद-मुक्त घोषित करने का प्रस्ताव पारित करते हैं।

हथियार के साथ तीन अपराधी गिरफ्तार

देसी पिस्टल और कट्टा बरामद, हथियारों की खरीद-बिक्री करने आए थे तीनों

जमशेदपुर, 2 जून (एजेंसियां)। जमशेदपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कदमा थाना क्षेत्र से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कदमा थाना क्षेत्र के रामनगर, मरीन ड्राइव खरकाई नदी के किनारे तीन व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस ने विशेष टीम बनाकर छापेमारी की।

पुलिस ने शाहरुख खान, ललित यादव और राकेश कुमार को हथियारों के साथ पकड़ा। इनके पास से एक लोडेड देसी ऑटो पिस्टल मिली। पिस्टल की मैगजीन में दो राउंड जिंदा गोली लगी थी। इसके अलावा एक देसी कट्टा और एक राउंड जिंदा गोली भी बरामद हुई।

पुलिस के अनुसार, शाहरुख अन्य दो अपराधियों के साथ हथियारों की खरीद-बिक्री करने आया था। तीनों अपराधियों के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

टीएसपीसी उग्रवादियों का तांडव

केडी कोल परियोजना में की गोलीबारी वाहन भी जलाए, एक युवक हुआ घायल

हजारीबाग, 2 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के पगार ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत केरेडारी में रविवार रात टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) उग्रवादियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। उग्रवादियों ने केडी कोल परियोजना में काम कर रही बीजीआर कंपनी के दो स्कैनिया वाहनों पर पहले गोलीबारी की और फिर आग के हवाले कर दिया। इस घटना में एक युवक घायल हो गया है। वहीं दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पगार ओपी प्रभारी विक्की ठाकुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से टीएसपीसी के सब-जोनल कमांडर कौशल जी का एक पत्र बरामद हुआ है। पत्र में एनटीपीसी, सीसीएल, एलएंडटी और डीओ होल्डर कंपनियों को चेतावनी दी गई है कि वे संगठन से संपर्क किए बिना किसी भी प्रकार का कार्य शुरू न करें। पत्र में संगठन ने भविष्य में बड़ी वारदात की धमकी भी दी है।

उग्रवादियों द्वारा छोड़े गए पत्र में टीएसपीसी ने दावा किया है कि संगठन आम जनता और आदिवासियों के हित में काम कर रहा है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह उग्रवाद के नाम पर निर्दोष ग्रामीणों और आदिवासियों पर अत्याचार कर रही है। पत्र में संगठन ने खुद को जनता का हितैषी बताया है और कहा है कि उनकी गतिविधियां शोषण के खिलाफ हैं।

घटना के बाद केरेडारी और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग डरे हुए हैं और कोल परियोजनाओं में काम करने वाले कर्मचारी भी असमंजस की स्थिति में हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

इमरजेंसी-वार्ड से जबरन ले गया सिपाही, 2 घंटे में मौत

परिवार बोला- रायपुर सेंट्रल जेल कर्मचारी ने घूस भी ली, मेकाहारा ने बजट इश्यू बताकर टाली सर्जरी

रायपुर, 2 जून (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल में बंद बीमार कैदी योगेन्द्र कुमार बंजारे (29) की 30 मई को मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि जेल के सिपाही ने ड्यूटी टाइम खत्म होने की बात कहकर इमरजेंसी वार्ड से पेशेंट को जबरन जेल ले गया। इसके बाद 2 घंटे के भीतर ही मौत हो गई।

मृतक के भाई लखन ने आरोप लगाया कि जेल सिपाही ने रिश्वत भी ली। डॉक्टर्स ने बजट की समस्या बताकर इलाज नहीं किया। मामले में मेकाहारा एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि आवश्यक इलाज किया गया है। वहीं जेल प्रशासन का कहना है कि आरोपी की मौत इलाज के दौरान हुई।

कैदी की मौत के बाद न्यायिक जांच चल रही है। योगेन्द्र कुमार बंजारे 18 मई से जेल में बंद था। उसे गरियाबंद पुलिस ने साइबर फ्रॉड के केस में पकड़ा था। आरोपी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर था, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण रायपुर सेंट्रल जेल में रखकर इलाज कराया जा रहा था।

29 मई को मेरा भाई मुझसे कह रहा था, आज इलाज नहीं हुआ तो मैं मर जाउंगा। वो रो रहा था। साथ में आए जेल सिपाही और डॉक्टर्स से भी उसने यही बात कही, लेकिन जेल कर्मचारी ने साफ कह दिया कि मेरी ड्यूटी खत्म हो गई है। मैं एक मिनट यहां नहीं रुकूंगा।

मैंने सामने खड़ी महिला डॉक्टर से रिक्वेस्ट किया। उसने कहा कि मैंने ऑलरेडी सिपाही से कह दिया है। आप लोग देख लीजिए। सिपाही नहीं माना, वो जबरन भाई को साथ ले गया। अगले दिन सुबह 10 बजे मैं हॉस्पिटल पहुंचा, तो इसी सिपाही ने बताया कि मेरे भाई की मौत हो गई है।

योगेन्द्र के छोटे भाई लखन बंजारे ने बताया कि 17 मई को म्यूल अकाउंट से जुड़े एक केस को इंवेस्टिगेट करते हुए गरियाबंद पुलिस उनके पिता के ऑफिस पहुंची थी। पिता से योगेन्द्र के संबंध में पूछताछ की जा रही थी। मैं हैदराबाद में था। मुझे कॉल पर

मृतक

पूरे मामले की जानकारी मिली।

योगेन्द्र तब नारायणपुर में था। हमने उसे कॉल कर कहा कि वो तुरंत पुलिस से बात करे। योगेन्द्र ने ऐसा ही किया। अगले दिन 18 मई को हैदराबाद से लखन रायपुर आए। योगेन्द्र भी सुबह पांच बजे के करीब रायपुर पहुंचा। बस से उतरते ही पुलिस पूछताछ के नाम पर अपने साथ ले गई। और सीधे कोर्ट में पेश कर दिया।

कोर्ट ने योगेन्द्र को 14 दिन की ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया। 24 मई की सुबह योगेन्द्र के परिवारवालों को गरियाबंद जेल के एक कर्मचारी का कॉल आया। परिवार को तुरंत जिला अस्पताल बुलाया गया। यहां योगेन्द्र बेड पर था। इस दौरान योगेंद्र ने अपने भाई को बताया कि उसे लगातार चक्कर आ रहे हैं। सांस लेते नहीं बन रहा है। डॉक्टर ने एक्स-रे रिपोर्ट देखकर बताया कि योगेन्द्र के चेस्ट में पानी भर गया है। आगे के इलाज के लिए मेकाहारा रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस 25 मई को दोपहर 2 बजे के करीब रायपुर लेकर आई। पहले सेंट्रल जेल लेकर गए। इसके बाद योगेन्द्र को मेकाहारा लाया गया। यहां प्राइमरी जांच के बाद योगेन्द्र को अगले दिन सीटी स्कैन के लिए बुलाया गया।

26 मई को डॉक्टर ने बताया कि योगेन्द्र के हार्ट के पास 7.5*5.2 सेमी का बढ़ा हुआ अतिरिक्त मांस का एक टुकड़ा है, जिसके चलते उसे सांस लेने में दिक्कत होगी। सर्जरी के बाद मामला ठीक हो जाएगा। परिवारवालों ने सर्जरी करने की अपील की। परिजनों ने बताया कि इस दौरान डॉक्टर ने कहा कि अभी बजट का इशू है, इसलिए एडमिट नहीं कर सकते।

आदित्यपुर में फायरिंग

जेल से लौटे युवक को मारी गोली, बदले की कार्रवाई में हमला

जमशेदपुर, 2 जून (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में गैंगवार की आशंका के बीच एक युवक को गोली मार दी गई। घटना आदित्यपुर थाना क्षेत्र के मांझी टोला की है, जहां बाइक सवार छह अपराधियों ने दीपांकर भुईंया पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली दीपांकर के पैर में लगी है। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, दीपांकर हाल ही में जेल से रिहा हुआ था। उस पर सुभाष प्रमाणिक पर फायरिंग करने का आरोप था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, फायरिंग उसी पुराने विवाद का नतीजा है। बताया जा रहा है कि सुभाष प्रमाणिक के बेटे ने बदले की कार्रवाई में दीपांकर पर हमला किया। हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू कर दिया है और जल्द ही हमलावरों की गिरफ्तारी का दावा किया है।

दामाद ने ससुर और 2 बिल्लियों को आरी से काटा

बेटी को पीटने से रोका था, ससुराल में घुसकर मार डाला, चेहरे-गर्दन पर गहरे घाव

सारंगढ़-बिलाईगढ़, 2 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दामाद ने ससुर और 2 बिल्लियों को आरी से काटकर मार डाला। मर्डर से पहले पत्नी को भी पीटा। बुजुर्ग के मना करने पर गुस्सा हो गया। ससुराल में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। वारदात बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम राम गिलास खुंटे (61) है। वह लुकापारा गांव का रहने वाला था। आरोपी का नाम ओम प्रकाश जांगड़े (34) है। आरोपी की शादी 17 साल पहले इसी गांव की रेखा बाई से हुई थी। दोनों के 3 बच्चे भी हैं। दरअसल, 1 जून यानी रविवार रात 8.30 बजे आरोपी ओम प्रकाश जांगड़े और पत्नी रेखा बाई जांगड़े के बीच पारिवारिक बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस दौरान आरोपी ने पत्नी से मारपीट शुरू कर दी। इसे देखकर आरोपी के बच्चे अपने नाना राम गिलास खुंटे (61) के घर पहुंचे।

इस दौरान बच्चों ने अपने नाना को पूरी सच्चाई बताई। इसके बाद राम गिलास अपनी बेटी के घर पहुंचे। दामाद को अपनी बेटी से मारपीट करने से रोका। दामाद को समझाइश देकर बुजुर्ग अपनी बेटी को अपने साथ घर लेकर चला गया। इसके बाद आरोपी दामाद ओम प्रकाश गुस्से में आ गया। शराब के नशे में आरीनुमा धारदार हथियार लेकर ससुर के घर चला गया। घर के बाहर गाली-गलौज करने लगा, लेकिन घर के बाहर कोई नहीं निकला। थोड़ी देर बाद माहौल शांत हो गया।

इस दौरान राम गिलास को लगा कि दामाद अपने घर चला गया है। यह सोचकर बाहर निकला। इतने में आरोपी दामाद ने बुजुर्ग के सिर पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चेहरे को भी आरी से काट दिया, जिससे बुजुर्ग जमीन पर गिरा और उसकी मौके पर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी का मन ससुर को मारने के बाद नहीं नहीं भरा तो उसने पास में बैठी 2 मासूम बिल्लियों को भी आरी से काट डाला। इसके बाद मौके से फरार हो गया। वारदात की जानकारी लगते ही पत्नी ने पड़ोसियों को जानकारी दी। फिर पुलिस को सूचना दी गई। बिलाईगढ़ पुलिस सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

चिराग पासवान बोले-बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ही होंगे

केंद्रीय मंत्री ने कहा- विधानसभा में मेरे उतरने से फायदा होगा, तो चुनाव जरूर लड़ूंगा

रायपुर, 2 जून (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रायपुर में कहा कि, मुख्यमंत्री पद की बिहार कोई वैकेंसी नहीं है। बिहार में मौजूदा सीएम नीतीश हैं। विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद भी वही सीएम बनेंगे। ये बातें उन्होंने क्या आप बिहार के अगले मुख्यमंत्री बनेंगे के सवाल पर कही है। साथ ही उन्होंने कहा कि कि अगर बिहार में विधानसभा चुनाव में मेरे उतरने से फायदा होगा, तो चुनाव जरूर लड़ूंगा। साथ ही छत्तीसगढ़ में अपनी पार्टी का विस्तार करने की बात कही है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सोमवार को एक प्राइवेट इवेंट में शामिल होने छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि,

आने वाले दिनों में मैं छत्तीसगढ़ लगातार आउंगा। हम यहां धीरे-धीरे संगठन भी मजबूत कर रहे हैं। हाल फिलहाल के दिनों में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के कई नेता यहां आए हैं। उन्होंने संगठन की समीक्षा करने का काम किया। हमारी इच्छा है कि, आने वाले दिनों में पार्टी का विस्तार छत्तीसगढ़ में भी करें। धीरे-धीरे पार्टी एक्सटेंशन मोड पर है।

उन्होंने कहा कि, बिहार से निकलकर धीरे-धीरे कई राज्यों में पार्टी का विस्तार कर रहे हैं।

बाबूलाल बोले- मुझ पर हो सकता है हमला

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर बनाया जा रहा निशाना, झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश

गिरिडीह, 2 जून (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष और झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा- हेमंत सोरेन की सरकार और कुछ अधिकारियों द्वारा उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रची जा रही है।

2013 की तरह फिर से नक्सलियों से सम्पर्क कर उन्हें और उनके परिवारवालों को खत्म करने की सुपारी दी जा रही है। बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को गिरिडीह में मीडिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा- भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें उनके विश्वसनीय सूत्रों से रविवार रात यह जानकारी मिली है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने पर हेमंत

सोरेन सरकार और उनके चहेते अधिकारियों द्वारा उन्हें और उनके परिवार वालों को खत्म करने और रास्ते से हटाने की बड़ी साजिश रची जा रही है। इतना ही नहीं उन्होंने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि उनके परिवार वालों के साथ उनके संग रहने वाले लोगों को भी निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वर्ष 2013 में दुमका के शिकारीपाड़ा के नक्सलियों से संपर्क कर उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रची गई थी। ठीक उसी तरह एक बार फिर से यह षड्यंत्र रचा जा रहा है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा- उन्हें भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर झूठे मुकदमे में भी फंसा कर जेल भेजने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद इस साजिश में शामिल है और उनके कई अधिकारी भी मिलकर उन्हें डराने -धमकाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वे कुछ नहीं थे तब भी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहते थे और आगे भी भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।

झारखंड में 10 जून के बाद आएगा मानसून

रांची, 2 जून (एजेंसियां)। झारखंड के मौसम में बदलाव का दौर जारी है। राजधानी रांची सहित कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं, लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि बारिश के आसार बहुत कम है। लोकल वजहों से इक्का-दुक्का जगहों पर बारिश हो सकती है।

इधर प्रदेश में मानसून के प्रवेश को लेकर समय में बदलाव हुआ है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि ऐसी उम्मीद थी कि निर्धारित समय से हफ्ते भर पहले मानसून प्रवेश कर जाता, पर अभी स्थिति साफ नहीं है।

उन्होंने बताया कि अब अगले एक सप्ताह मानसून के प्रवेश करने की कोई संभावना नहीं है।

आरपीएफ जवान ने यात्री और उसके बच्चे की बचाई जान

दौड़ कर चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था यात्री, हादसा टला

रांची, 2 जून (एजेंसियां)। आरपीएफ के जवान की मुस्तैदी से एक व्यक्ति और उसके बच्चे की जान बच गई। रविवार को ट्रेन संख्या 12817 स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस रांची से छूटी थी, जो 4.16 बजे शाम में मुरी स्टेशन पहुंची। जब ट्रेन मुरी स्टेशन पर रुकी थी, तो रांची से ट्रेन में चढ़ा एक व्यक्ति कुछ खरीदने के लिए मुरी स्टेशन में बच्चे के साथ उतरा। इतने में ट्रेन आगे बढ़ने लगी।

वह व्यक्ति ट्रेन को पकड़ने के लिए अपने बच्चे को गोद में लेकर दौड़ने लगा। ट्रेन ने स्पीड पकड़ ली थी। इतने में ही वहां तैनात आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक संतोष कुमार ने जान की परवाह किए बगैर काफी मुस्तैदी के साथ यात्री को उसके बच्चे के साथ पकड़ कर ट्रेन के विपरीत साइड डाइव मार कर गिरा दिया। उसे हल्की चोट भी आई, लेकिन उसने दोनों यात्री को सुरक्षित बचा लिया। मुरी के थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक के उत्कृष्ट कार्य के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। संतोष कुमार की इस बहादुरी पर सभी ने सभी ने उसे बधाई दी है।

रिम्स में रोज आ रहे सांप डसने के 5-7 मामले

31 तरह के पाए जाते हैं सांप, इनमें 6-7 ही जहरीले, बरसात में सावधानी जरूरी

रांची, 2 जून (एजेंसियां)। बारिश शुरू होते ही राजधानी के अगल-अलग इलाकों से सांप डसने के बाद मरीज रिम्स पहुंच रहे हैं। पिछले करीब 15 दिनों से हर दिन 5 से 7 पीड़ित स्नेक बाइट के बाद इलाज के लिए रिम्स में भर्ती हो रहे हैं।

हालांकि, साल 2025 में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सर्पदंश से किसी की मौत नहीं हुई है, लेकिन 2024 में करीब 42 लोगों की मौत सांप डसने और इलाज में देरी के कारण हुई है।

राजधानी में सांप पकड़ने वाले सर्प-मित्रों से जाना झारखंड में कितने प्रजाति के सांप मिलते हैं, इनमें से कौन से सांप जहरीले हैं? और रांची के किन-किन इलाकों में ज्यादा सांप निकलने के मामले आते हैं?

स्नैक एक्सपर्ट एंड वाइल्ड लाइफ संरक्षणवादी सह ओरमांझी जू के कंसल्टेंट रमेश कुमार महतो और नामकुम के राजा उलातू के रहने वाले सर्पमित्र सुखेन्द्र खंडित के अनुसार, झारखंड में कुल 30-31 तरह के सांप पाए जाते हैं। इनमें 6-7 सांप ही जहरीले हैं। रमेश ने बताया कि ओरमांझी में करैत सांप सबसे अधिक पाए जाते हैं। नाग की भी कुछ प्रजातियां पूरे रांची में पाई जाती हैं। बरसात में सावधानी जरूरी है।

सर्प-मित्र सुखेन्द्र खंडित ने बताया कि रांची में सबसे ज्यादा सांप ओरमांझी में निकलते हैं। ओरमांझी में ही अक्सर विलुप्त हो चुके करैत (तक्षक नाग) देखने को मिलते हैं। वहीं, हॉस्पिटल रिकॉर्ड्स में भी ओरमांझी प्रखंड सर्पदंश के मामले में पहले स्थान पर है। 2024 में केवल ओरमांझी से 150 से ज्यादा मरीज सर्पदंश के बाद अस्पताल पहुंचे थे। चान्हो व मांडर दूसरे स्थान पर हैं। रांची में बड़ा व छोटा घाघरा, हुंडरू व हेथू गांव, बुंडू व तैमारा, उलीडीह, पलांडू बस्ती से सांप काटने के बाद सबसे ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे।

दामोदर नदी में डूबे 5 छात्र, 2 की मौत

धनबाद, 2 जून (एजेंसियां)। धनबाद के दामोदर नदी के सुदामडीह थाना क्षेत्र के सीता नाला अमलाबाद घाट पर रविवार को स्नान करने आए पांच छात्र गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय लोगों ने तीन को तो बचा लिया, लेकिन दो छात्र गहरे पानी में समा गए।

काफी प्रयास के बाद स्थानीय गोताखोरों ने अविनाश मल्लिक नाम के छात्र को बाहर निकाल लिया लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। वह कांड्रा चुकड़ीपाड़ा निवासी दयानंद मलिक का इकलौता बेटा था। वह मेडिकल कॉलेज वाराणसी का छात्र था।

डूबने वाले छात्रों में अविनाश का चचेरा भाई शिवम मल्लिक उर्फ राहुल की तलाश आज भी की गई।शिवम के पिता का नाम दुर्गा मल्लिक है। शिवम झारखंड पब्लिक स्कूल बलियापुर का इंटर का छात्र था। दूसरे लापता छात्र को पानी से निकालने के लिए पहले स्थानीय स्तर पर प्रयास किया गया। फिर एनडीआरएफ को बुलाया गया। जिसने बॉडी बरामद कर ली है। रविवार को दोपहर कांड्रा चुकड़ीपाड़ा के रहने वाले रेलकर्मी दयानंद मलिक का पुत्र अविनाश मल्लिक, उसका चचेरा भाई सेल कर्मी दुर्गा मल्लिक का बेटा शिवम मलिक उर्फ राहुल, सुरंगा बलियापुर का रहने वाला इंटर का छात्र दिवास कुंभकार, सुमित कुंभकार और प्रोमित कुंभकार दामोदर नदी के मोहलबनी घाट पर स्नान करने आए थे।

झरिया में बमबाजी से दहशत, युवती घायल

घर में भतीजे ने फेंका बम, पारिवारिक रंजिश में हमला, हादसे में युवती घायल

धनबाद, 2 जून (एजेंसियां)। धनबाद स्थित झरिया के जोरापोखर थाना अंतर्गत भागा बाजार में रविवार रात अचानक हुए बमबाजी से इलाके में अफरातफरी मच गई। जोरदार धमाके के साथ एक घर में आग लग गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। इस घटना में एक युवती घायल हो गई, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया।

इधर, धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जोरापोखर थाना पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और घटनास्थल से कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए हैं।

एजाज कुरैशी ने अपने ही भतीजे पर बम फेंकने का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि परिवार के भीतर लंबे समय से विवाद चल रहा था, जिसकी वजह से यह खौफनाक वारदात में हुई।

एजाज कुरैशी ने बताया कि उनका भतीजा एक साथी के साथ उनके घर आया और छत पर चढ़कर घर के अंदर बम फेंक दिया। बम विस्फोट के कारण घर में आग लग गई, जिससे पूरा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि यदि मोहल्ले के लोग समय रहते मौके पर न पहुंचते, तो पूरा घर जलकर खाक हो जाता।

एजाज कुरैशी ने आगे बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व पारिवारिक विवाद के कारण उनके भतीजे ने अपने पिता को छोड़कर अपनी मां और बहन के साथ घर छोड़ दिया था और दूसरी जगह जाकर रहने लगा था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनका भतीजा स्वभाव से झगड़ालू है और अक्सर घर में विवाद करता रहा है।

वह अपने पिता से भी मारपीट करता था और जब परिवार के अन्य सदस्य उसे समझाने की कोशिश करते, तो वह उनसे भी उलझ जाता था। एजाज कुरैशी के अनुसार, पूर्व से चले आ रहे झगड़े को लेकर उनके भतीजे ने देर रात घर पर बम फेंक दिया, जिससे घर में आग लग गई।

इस घटना के बाद भागा बाजार में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पूर्व में भी झगड़े होते रहे हैं, लेकिन बमबाजी जैसी गंभीर वारदात पहली बार हुई है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सख्त किया जाए और इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

पश्चिमी-देशों में 80 साल बाद फिर वर्ल्ड वॉर का डर

55% लोगों का मानना- विश्व युद्ध होगा, रूस-अमेरिका और परमाणु हथियार इसकी बड़ी वजह

वाशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। दूसरे विश्व युद्ध (1939-45) की समाप्ति को 80 साल बीत चुके हैं, लेकिन वैश्विक शांति की नींव फिर से डगमगाने लगी है। यूगोव के ताजा सर्वे के अनुसार, अमेरिका और यूरोप के लोग पांच से दस साल में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका जता रहे हैं। रूस के साथ बढ़ता तनाव, अमेरिका की विदेश नीति और परमाणु हथियारों का खतरा इस डर की सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

सर्वे में शामिल 55% लोगों ने माना कि एक और वैश्विक युद्ध संभव है। वहीं, 76% का मानना है कि वर्ल्ड वॉर में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल होगा। लोगों को यह भी डर है कि यह दूसरे विश्व युद्ध के मुकाबले कहीं अधिक विनाशकारी होगा। यूरोप और अमेरिका में लोग अपने देशों को इस युद्ध में शामिल होने की आशंका जता रहे हैं।

दूसरे विश्व युद्ध की यादें आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। सर्वे में शामिल 90% लोग मानते हैं कि इस युद्ध को स्कूलों में पढ़ाया जाना चाहिए। फ्रांस (72%), जर्मनी (70%) और ब्रिटेन (66%) में लोग इस युद्ध के बारे में अच्छी जानकारी रखते हैं, जबकि स्पेन में यह आंकड़ा केवल 40% है। 77% फ्रांसीसी और 60% जर्मन कहते हैं कि उन्हें स्कूल में इस युद्ध के बारे में विस्तार से पढ़ाया गया।

52% लोगों को लगता है कि दुनियाभर में नाजी शासन जैसे अत्याचार आज भी संभव हैं। 60% का मानना है कि अमेरिका या अन्य यूरोपीय देशों में भी यह खतरा मौजूद है।

सर्वे में पश्चिमी यूरोप के 82% और अमेरिका के 69% लोगों ने रूस के साथ तनाव को सबसे बड़ा खतरा बताया। लोग मानते हैं कि रूस की सैन्य गतिविधियां और उसकी परमाणु क्षमता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा हैं। रूस के अलावा, इस्लामिक आतंकवाद को भी बड़ा खतरा माना गया है। लोगों का मानना है कि इस पर जल्द काबू पाना जरूरी है। यह डर वैश्विक कूटनीति में बढ़ती दरारों का संकेत है।

66% लोगों ने नाटो को युद्ध के बाद शांति बनाए रखने में सबसे बड़ा योगदानकर्ता माना। 60% ने संयुक्त राष्ट्र को भी इस दिशा में महत्वपूर्ण माना। यूरोपीय संघ को भी 56% लोगों ने शांति का एक प्रमुख स्तंभ बताया।

सर्वे में यह भी सामने आया कि जर्मनी में 47% मानते हैं कि पहले की सरकारें नाजी अतीत को लेकर अति-सचेत रही हैं। लेकिन वर्तमान सरकार हाल के संकटों में मजबूत कदम उठाने में नाकाम रही है।

पाकिस्तान के हैदराबाद में मंदिर की छह एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा

कराची, 2 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अब मंदिरों की जमीनों को निशाना बनाया जा रहा है। सिंध प्रांत के शहर में एक मंदिर की छह एकड़ जमीन पर कब्जे के विरोध में हिंदू समुदाय के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। मूसा खातियान जिले के टांडो जाम शहर में महिलाओं और बच्चों सहित प्रदर्शनकारी पाकिस्तान दलित इत्तेहाद के आह्वान पर सड़क पर उतरे। प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय के नेता सीतल मेघवार ने बताया कि कुछ लोगों ने मूसा खातियान में शिव मंदिर शिवाला की जमीन पर अवैध निर्माण शुरू कर दिया है। एक अन्य नेता राम सुंदर ने कहा कि मंदिर हमारे लिए पवित्र है और बिल्डरों ने मंदिर के आसपास की जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, जिसमें समुदाय के लिए श्मशान घाट भी शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने सिंध के प्रभावशाली काश्खेली समुदाय से संबंधित बिल्डरों के खिलाफ सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की टांडो जाम प्रेस क्लब के सामने प्रदर्शन के साथ विरोध प्रदर्शन का समापन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिल्डरों ने शिव मंदिर तक जाने वाले रास्ते को भी बंद कर दिया है।

कोलोराडो में इजराइली समर्थकों पर हमला

लोगों पर पेट्रोल बम फेंका, 8 लोग झुलसे, हमलावर ने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए

वॉशिंगटन, 2 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के कोलोराडो राज्य के बोल्डर शहर में रविवार को एक संदिग्ध ने फ्री फिलिस्तीन का नारा लगाता हुए लोगों पर हमला कर दिया। उसने लोगों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंका, जिससे मौके पर आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से 8 लोग झुलस गए।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें एक शख्स मोलोटोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) फेंकते हुए दिखाई दे रहा है। यह हमला रन फॉर देयर लाइव्स नाम के एक ग्रुप की सभा के दौरान हुआ। यह ग्रुप गाजा में हमास की कैद में मौजूद इजराइली नागरिकों की रिहाई की मांग कर रहा था।

पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद साबरी सोलिमान के रूप में हुई है। सीएनएन ने बताया कि सोलिमान ने पहले अमेरिका में शरण के लिए आवेदन किया था।

साल 2005 में सोलिमान को

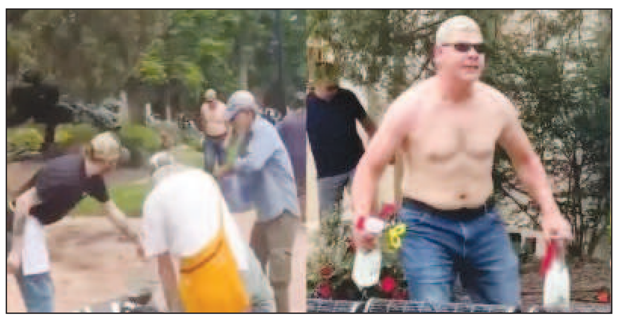

अमेरिका में घुसने के लिए वीजा देने से मना कर दिया गया था। हालांकि, वह अमेरिका कब और कैसे आया, यह अभी तक साफ नहीं है।

एफबीआई ने आतंकी हमला बताया

अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने शुरुआती जानकारी के आधार पर इसे आतंकी हमला बताया है।

एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉन्जिनो ने कहा, ये हमला शुरुआती जानकारी के आधार पर वैचारिक नफरत से प्रेरित आतंकवादी घटना लगती है। जब सबूत साफ होंगे, तो हम पूरी जानकारी देंगे। कोलोराडो के गवर्नर जैरेड पोलिस ने बयान जारी कर कहा, "हिंसा और नफरत से भरे किसी भी तरह के काम को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।" घटना के बाद पुलिस ने पूरे बाजार क्षेत्र को खाली करा लिया। सुरक्षाबलों ने सड़कों पर गश्त लगाई और लोगों से उस इलाके से दूर रहने की अपील की है। पिछले महीने 21 मई को राजधानी वॉशिंगटन डीसी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अपराधी ने 'फ्री फिलिस्तीन' का नारा लगाकर दोनों को नजदीक से गोली मारी।

रूस ने माना-यूक्रेन ने 5 एयरबेस पर एयरस्ट्राइक की

कहा- ड्रोन के जरिए आतंकी हमला किया, कई विमान तबाह हुए

मास्को, 2 जून (एजेंसियां)। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों में देशभर के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया, जिससे कई विमानों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसका सटीक आंकड़ा नहीं बताया है।

अपने बयान में रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने मुरमान्स्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों पर एफपीवी (फर्स्ट पर्सन व्यू) ड्रोन से आतंकी हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों के सैन्य एयरबेसों पर सभी आतंकी हमलों को नाकाम कर दिया गया।

पहली बार आधिकारिक रूप से यह भी पुष्टि की गई है कि कुछ ड्रोन हमले एयरबेस के बहुत पास से ही किए गए थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, मुरमान्स्क क्षेत्र के ओलेनोगोर्स्क एयरबेस और इरकुत्स्क (साइबेरिया) के स्रेद्नी एयरबेस को ट्रेलर ट्रकों की मदद से पास के इलाकों से ड्रोन लॉन्च करके निशाना बनाया गया।

यूक्रेन ने रविवार को दावा किया था उसने रूस के 41 लड़ाकू विमानों को तबाह किया। यूक्रेनी वेबसाइट कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूस के मरमंस्क में ओलेन्या एयर बेस, इरकुत्स्क में बेलाया एयर बेस, इवानोवो में इवानोवो एयर बेस और डायगिलेवो एयर बेस को निशाना बनाया। रूस का बेलाया एयरबेस यूक्रेनी सीमा से 4 हजार किमी से भी ज्यादा दूर है। यह रूस के साइबेरिया इलाके में स्थित है।

भारत की बेटी ने 'ब्रिटेन्स गॉट टैलेंट' में लहराया परचम

बनीं सेकंड रनर अप, असम सीएम ने दी बधाई

लंदन, 2 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन्स गॉट टैलेंट 2025 के ग्रैंड फिनाले में भारत की नौ साल की बिनीता छेत्री ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर परचम लहरा दिया। बिनीता ने न सिर्फ मंच पर अपने डांस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। अपनी परफॉर्मेंस के बाद वो तीसरे नंबर पर रहीं और अब देशभर से बधाइयों का तांता लग गया है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी असम की इस नन्ही कलाकार की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास मैसेज शेयर किया।

उन्होंने कहा कि बिनीता ने ब्रह्मपुत्र से लेकर टेम्स तक सबका दिल जीत लिया है। एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में बिनीता को फाइनल में अपने सह-प्रतियोगियों के साथ खड़ा देखा जा सकता है।

बिनीता छेत्री 'ब्रिटेन्स गॉट टैलेंट' के इतिहास में फाइनल तक पहुंचने वाली भारत की पहली कंटेस्टेंट बन गई हैं। फाइनल में जहां ब्रिटिश जादूगर हैरी मोल्डिंग ने बाजी मारी, वहीं एलईडी डांस ग्रुप 'द ब्लैकआउट्स' ने दूसरा स्थान हासिल किया।

लेकिन बिनीता की परफॉर्मेंस ने जो भावनात्मक जुड़ाव दर्शकों से बनाया, वो किसी जीत से कम नहीं था। बिनीता शो की सेकंड रनर अप बनीं।

फाइनल के दौरान जब एंकर ने बिनीता से उनके सफर के बारे में पूछा, तो उन्होंने मासूमियत से कहा, 'मुझे खुद पर बहुत गर्व है और ये अनुभव मेरी जिंदगी का सबसे खास पल है।' उनकी यह बात सुनते ही दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल गूंजा दिया।

सपनों से सजी है बिनीता की दुनिया

बिनीता ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका सपना है कि वो 'पिंक प्रिंसेस हाउस' खरीदें। उनका ये सपना दर्शकों के दिल को छू गया। यह भी सामने आया है कि उनके पिता, अमर छेत्री, बोकाजन जिले में पोल्ट्री फार्म चलाते हैं। उन्होंने ही अपनी बेटी के टैलेंट को पहचानते हुए पहले गुवाहाटी और फिर जयपुर में उसे प्रोफेशनल डांस ट्रेनिंग दिलवाई। अखिल असम गोरखा छात्र संघ के सदस्य के रूप में उन्होंने न सिर्फ बिनीता का हौसला बढ़ाया, बल्कि उसे मंच तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिमंत मामा से मिलने की है ख्वाहिश

बिनीता ने अपने एक बयान में कहा, 'मैं गुवाहाटी में मुख्यमंत्री हिमंत मामा से मिलना चाहती हूं। उन्होंने मेरी यात्रा में जो समर्थन दिया है, उसके लिए मैं आभार व्यक्त करना चाहती हूं।'

'ब्रिटेन्स गॉट टैलेंट' एक अंतरराष्ट्रीय मंच है और बिनीता जैसी प्रतिभाओं के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है।

शो के विजेता को जहां 250,000 पाउंड यानी लगभग 3 करोड़ की इनामी राशि और रॉयल वैरायटी शो में परफॉर्म करने का मौका मिला, वहीं बिनीता ने भी अपनी मासूमियत, आत्मविश्वास और कला से ये साबित कर दिया कि उम्र कभी भी सफलता की सीमा नहीं होती।

शर्मिष्ठा पनौली की गिरफ्तारी पर भड़के डच नेता गीर्ट विल्डर्स

पीएम मोदी से मदद की मांग, नूपुर शर्मा का कर चुके समर्थन

नई दिल्ली/एम्स्टर्डम, 2 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने जब पुणे की कानून की पढ़ाई करने वाली 22 साल की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किया तो भारत के साथ साथ भारत के बाहर भी घमासान मच गया। उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भारत में एक पक्ष उनका भरपूर समर्थन कर रहा है तो दूसरा पक्ष उनकी गिरफ्तारी को जायज ठहरा रहा है। वहीं अब शर्मिष्ठा पनोली को नीदरलैंड के मशहूर नेता गीर्ट वाइल्डर्स का समर्थन मिला है। गीर्ट वाइल्डर्स, जो एक दक्षिणपंथी नेता हैं और अकसर इस्लाम को लेकर अपनी बयानबाजी के लिए सुर्खियों में रहते हैं, उन्होंने शर्मिष्ठा पनोली के समर्थन में आवाज उठाई है और उनकी गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अपमान बताया है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शर्मिष्ठा पनोली को जेल से बाहर निकालने में मदद करने का आग्रह किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक शर्मिष्ठा पनोली ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो बनाया था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि शर्मिष्ठा पनोली ने जो वीडियो बनाया था, उसमें पाकिस्तान के साथ साथ मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने माफी मांग ली। अपने वीडियो में शर्मिष्ठा पनोली ने चुप्पी रखने वाले बॉलीवुड के कलाकारों की आलोचना की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना वीडियो डिलीट कर दिया था।

खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें

232 लोग घायल, अस्पतालों में जगह कम पड़ी, इजराइली सेना पर आरोप

गाजा, 2 जून (एजेंसियां)। दक्षिणी गाजा में रविवार को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा है कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में रविवार को एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की।

इसमें 31 लोगों की मौत हो गई वहीं, 200 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा के नेत्जारिम कॉरिडोर में भी एक सहायता केंद्र पर गोलीबारी की गई। इसमें 1 फिलिस्तीनी शख्स की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। गाजा में खाना बांटने का काम एक अमेरिकी एजेंसी जीएचएफ चला रही है।

हालांकि इजराइली सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सहायता वितरण केंद्र के पास उनके सैनिकों की गोलीबारी से कोई घायल हुआ हो। सेना ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है।

वहीं, अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में 27 मई से 1 जून तक खाना बांटने के दौरान हुई गोलीबारी में 49 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट के एक स्वास्थ्यकर्मी ने अल जजीरा को बताया कि जब गोलीबारी हुई, उस वक्त बड़ी संख्या में लोग राफा इलाके में खाना लेने के लिए जमा हुए थे।

वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुल 179 लोग घायल हुए हुए हैं, जिनमें 30 की हालत गंभीर है। इतने लोगों के घायल होने से अस्पतालों में काफी भीड़ हो गई है और इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू में जगह की कमी हो गई है।

जीएचएफ नाम की इस संस्था को अमेरिका और इजराइल का समर्थन मिला हुआ है। यह संगठन तब शुरू किया गया जब इजराइल ने यह आरोप लगाया कि हमास गाजा में आने वाली मदद को चुरा रहा है और बेच रहा है।

मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है और इजराइल ने भी कोई प्रमाण सार्वजनिक रूप से नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र की सहायता एजेंसियों ने जीएचएफ की मदद पहुंचाने के तरीके की आलोचना की है।

भारतीय अमेरिकी छात्रा ने फिलीस्तीनियों के समर्थन में दिया भाषण

दीक्षांत समारोह में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध

न्यूयॉर्क, 2 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय अमेरिकी छात्रा को फिलीस्तीनियों के समर्थन में भाषण देने पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ा। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने गाजा में युद्ध की निंदा करने वाला भाषण देने के बाद छात्रा मेघा वेमुरी को दीक्षांत समारोह (ग्रेजुएशन सेरेमनी) में शामिल होने से रोक दिया। एमआईटी की 2025 की कक्षा अध्यक्ष मेघा वेमुरी ने कहा कि भाषण के बाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ नेतृत्व ने उन्हें बताया कि उन्हें शुक्रवार के दीक्षांत समारोह में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई है। कार्यक्रम समाप्त होने तक उन्हें परिसर में आने से रोक दिया गया है। स्कूल के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की।

स्कूल के प्रवक्ता ने कहा कि एमआईटी स्वतंत्र अभिव्यक्ति का समर्थन करता है, लेकिन अपने

निर्णय पर कायम है, जो उस व्यक्ति के जानबूझकर और बार-बार समारोह के आयोजकों को गुमराह करने और मंच से विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के जवाब में लिया गया था। छात्रा को उसकी डिग्री मिल जाएगी।

वेमुरी ने जो भाषण दिया उसमें वह अंश नहीं थे जो उसने समारोह से पहले कॉलेज को दिए थे। जॉर्जिया में पली-बढ़ी वेमुरी ने गुरुवार को कैम्ब्रिज विवि के मैसाचुसेट्स में वनएमआईटी के दीक्षांत समारोह में वक्ता के तौर पर भाषण दिया था। उन्होंने समारोह के गाउन के ऊपर फिलीस्तीन समर्थक चिह्न केफियेह लगाकर मंच पर प्रस्तुति दी थी।

उन्होंने गाजा में युद्ध का विरोध करने के लिए अपने साथियों की प्रशंसा की तथा विश्वविद्यालय के इस्राइल के साथ संबंधों की आलोचना की थी। वेमुरी के पिता सरत ने बताया कि वह कम्प्यूटेशन एवं कॉग्निशन, भाषा विज्ञान में दोहरी डिग्री प्राप्त कर रही थी। अब उसे डिप्लोमा डाक से प्राप्त होगा।

छात्रा मेघा वेमुरी ने कहा कि वह अपने परिवार के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने उसका साथ दिया। वह मंच पर न चल पाने से निराश नहीं हैं। मैं ऐसी संस्था के मंच पर जाने की कोई आवश्यकता नहीं समझती जो इस नरसंहार में शामिल है। मैं इस बात से निराश हूं कि एमआईटी के अधिकारियों ने बिना किसी योग्यता या उचित प्रक्रिया के मुझे दंडित करने के लिए अपनी भूमिका का उल्लंघन किया। उन्होंने मुझे नीति के उल्लंघन का कोई संकेत भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एमआईटी का मुक्त भाषण का समर्थन केवल एक पाखंड है।

काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) ने छात्रा वेमुरी को समारोह में शामिल होने से प्रतिबंधित करने के विवि के फैसले की निंदा की है।

सीएआईआर-मैसाचुसेट्स की कार्यकारी निदेशक ताहिरा अमातुल-वदूद ने कहा कि एमआईटी को अकादमिक स्वतंत्रता और अपने छात्रों की आवाज का सम्मान करना चाहिए, न कि उन लोगों को दंडित और डराना चाहिए जो नरसंहार के खिलाफ और फलीस्तीनि मानवता के समर्थन में बोलते हैं।

ट्रंप के फैसलों पर चीन ने जताई नाराजगी

कहा- नए आर्थिक और व्यापारिक तनाव को भड़का रहा अमेरिका

ताइपे, 2 जून (एजेंसियां)। चीन और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ वार के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीनी छात्रों के वीजा रद्द करने और कंप्यूटर चिप निर्यात नियंत्रण निर्देश जारी करने के फैसले पर चीन ने नाराजगी जाहिर की है। चीन ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उसके हितों को नुकसान पहुंचाने वाले कदम उठाए हैं। साथ ही अमेरिका नए आर्थिक और व्यापारिक तनाव को भड़का रहा है।

चीन ने वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ट्रंप के फैसले पिछले महीने जेनेवा में व्यापार चर्चाओं के दौरान बनी आम सहमति का उल्लंघन हैं। चीन-अमेरिका के संयुक्त बयान का जिक्र करते हुए मंत्रालय ने कहा कि चीन ने समझौते के बाद अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी टैरिफ के विरुद्ध टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों को रद्द या निलंबित करते हुए समझौते पर अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखी है। जबकि अमेरिका ने एकतरफा ढंग से नए आर्थिक और व्यापारिक तनाव को भड़काया है। इससे द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में अनिश्चितता और अस्थिरता बढ़ गई है। जबकि चीन अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम है। चीन ने बदला लेने की धमकी देते हुए कहा कि चीन अपने हितों की रक्षा के लिए दृढ़ और सशक्त कदम उठाना जारी रखेगा। बयान में कहा गया कि खुद पर विचार करने के बजाय अमेरिका ने स्थिति को पलट दिया है। अनुचित रूप से चीन पर आम सहमति का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो सरासर गलत है।

चीन और अमेरिका के बीच विवाद ट्रंप के बयान के बाद बढ़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा था कि 'बुरी खबर यह है कि चीन ने हमारे साथ अपने समझौते का पूरी तरह से उल्लंघन किया है, जो कुछ लोगों के लिए चौंकाने वाली बात नहीं है। अब 'मिस्टर नाइस गाइ' बनने की जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करेंगे और कोशिश करेंगे कि कोई समाधान निकले। चीन अमेरिका के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की कि वह अमेरिका में पढ़ने वाले चीनी छात्रों के वीजा रद्द करना शुरू कर देगा।

रूस के 40 बॉम्बर्स तबाह 7 अरब डॉलर के हथियार स्वाहा

यूक्रेन ने रूसी एयरबेस पर मचाई तबाही, अमेरिका से भारत तक टेंशन

कीव/मॉस्को, 2 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रविवार को रूस को दहलाते हुए 2022 से शुरू हुए युद्ध में सबसे भीषण हमला किया है। यूक्रेन के ड्रोन ने जिस तरह से रूसी एयरबेस में तबाही मचाई है, उसने रूसी अधिकारियों के पैरों तले जमीन खिसका दी है। यूक्रेनी हमलों ने रूसी सेनी की तैयारियों और उनकी डिफेंस स्ट्रैटजी की पोल खोलकर रख दी है। 117 एफपीवी (फर्स्ट पर्सन व्यू) ड्रोन की मदद से यूक्रेनी सुरक्षा एजेंसी एसबीयू ने रूस के अंदर 5 अलग-अलग क्षेत्रों, मुरमान्स्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रियाज़ान और अमूर में स्थित एयरबेस पर हमला किया। इस हमले में करीब 7 अरब डॉलर मूल्य के 40 से ज्यादा स्ट्रैटजिक बमबर्षक विमानों को निशाना बनाया गया। रूस के एयर डिफेंस सिस्टम इस हमले को रोकने में बुरी तरह से नाकाम रहे। लिहाजा एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को इसे सिर्फ एक जियोपॉलिटिकल घटना नहीं मानना चाहिए, बल्कि आने वाले भविष्य के युद्ध की झलक के तौर पर देखते हुए अपने रक्षा प्रतिष्ठानों को किले की तरह मजबूत बनाना चाहिए। साल 2019 के बाद कम से कम तीन ऐसे मौके आए हैं, जिनमें ऐसा लगा कि भारत एक भीषण युद्ध में फंस सकता है। एक बार चीन के साथ और दो बार पाकिस्तान के साथ। इसलिए भारत किसी भी हाल में ऐसे हमलों को सिर्फ देखकर नहीं रह सकता है। एफपीवी ड्रोन काफी छोटे, सस्ते और तेज रफ्तार यूएवी होते हैं जिन्हें ऑपरेटर एक कैमरे के जरिए लाइव कंट्रोल करता है।

कराची बंदरगाह उड़ाने वाला था भारत

भारतीय नौसेना के डर से घबराहट में पाक नेवी, नया प्लान बनाने में जुटी

इस्लामाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 4 दिनों तक संघर्ष के दौरान पता चला कि भारत ने पाकिस्तान के कराची बंदरगाह को निशाने पर ले रखा था। 1971 के जंग में भी भारत ने कराची पोर्ट को तबाह कर दिया और इस बार भी भारतीय रक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि अगली बारी भारतीय नौसेना की होगी। जिससे पाकिस्तान की नौसेना में डर का मौहाल दिख रहा है।

पाकिस्तान की नौसेना भारत के मुकाबले काफी कमजोर है और हालिया संघर्ष के दौरान भारत ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर इन्स विक्रांत से अरब सागर को ब्लॉक कर दिया था। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना से घबराई पाकिस्तान की नौसेना असममित खतरों से लड़ने के नाम पर बंदरगाहों और तटों पर अभ्यास कर रही है। पाकिस्तान की नौसेना ने एक और दो जून को युद्धाभ्यास किया है, जिसका मकसद 'असामान्य खतरों' से निपटना था। मतलब पाकिस्तान की नौसेना ने भारत की एयरस्ट्राइक और मरीन ऑपरेशन से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पाकिस्तान कहने के लिए भले ही ढोल पीटे, लेकिन हकीकत ये है कि भारतीय नौसेना दुनिया की शीर्ष शक्तियों के बीच है, जबकि पाकिस्तान कुछ युद्धपोत के अलावा अपनी शक्ति के लिए ज्यादातर पनडुब्बियों पर निर्भर है। युद्धाभ्यास के दौरान पाकिस्तान की नौसेना के पाकिस्तान मरीन, नेवी की स्पेशल सर्विस ग्रुप, एयर विंग और फ्लीट यूनिट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें घुसपैठ, तोड़फोड़ और अघोषित हमलों से निपटने के लिए एक वातावरण तैयार किया गया था।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की तो भारत ने जबरदस्त पलटवार किया। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने कम से कम 12 पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले किए। भारत ने एयरबेस पर हमलों के लिए पाकिस्तान के 2 एफ-16 लड़ाकू विमान, दो जेएफ-17 फाइटर जेट और दो एडब्ल्यूएसीएण्डएस सर्विलांस एयरक्राफ्ट को खत्म कर दिया। पाकिस्तान वायुसेना का 70 प्रतिशत से ज्यादा सर्विलांस को भारत ने नष्ट कर दिया है।

सांसद हनुमान बेनीवाल की मांग पर मोदी के मंत्री का एक्शन, भजनलाल सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सरिस्का और नाहरगढ़ सेंचुरी क्षेत्रों में अवैध कमर्शियल गतिविधियों के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की मांग पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राजस्थान सरकार से इन अभ्यारणों में हो रही अनियमितताओं पर व डिटेल रिपोर्ट तलब की है।

सांसद बेनीवाल ने लोकसभा के बजट सत्र में सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देशों की अवहेलना कर होटल मालिकों और खनन संचालकों को फायदा पहुंचाने के लिए अभ्यारणों के नक्शे बदलने के गंभीर आरोप लगाए थे। इस मुद्दे को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के जवाब के साथ साझा किया है।

जंगलो में हो रहे खेल को किया उजागर

राजस्थान के अलवर में स्थित सरिस्का और जयपुर स्थित नाहरगढ़ अभयारण्य क्षेत्रो का नक्शा बदलकर होटल मालिकों, माइंस संचालकों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से अधिकारियों द्वारा सत्ता के संरक्षण में जो खेल शुरू किया गया, उसके संदर्भ में मैंने बजट सत्र के समय लोक सभा में मुद्दा उठाते हुए वन तथा वन्य जीवों के संरक्षण की मांग उठाई थी, चूंकि माननीय सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देशों के बावजूद इन अभ्यारणों के इको सेंसेटिव जॉन में कमर्शियल गतिविधियाँ संचालित हो रही है लेकिन राजस्थान की सरकार और जिम्मेदार अधिकारी केवल नोटिस देकर इतिश्री कर लेते है।

मंत्री का पत्र

अलवर के सिलिसेढ एरिया में एक दर्जन से अधिक होटले और अजबगढ़-जमवारामगढ़ रेंज में भी एक दर्जन से अधिक होटले चल रही है जो सुप्रीम कोर्ट के निर्णय और निर्देशों की जमकर अवहेलना कर रहे है, लोक सभा में उठाई गई मेरी इस मांग पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मुझे पत्र भेजकर यह अवगत करवाया है कि भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राजस्थान सरकार के वन विभाग के एसीएस से इस मामले में पूरी रिपोर्ट मांगी है और आवश्यक निर्देश भी राजस्थान सरकार को दिए है।

एसीएस को लिखा गया पत्र

मेरी प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग है कि इस मामले में संज्ञान लेकर राजस्थान के दोनों अभ्यारण क्षेत्र को बचाने के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र में संचालित कमर्शियल गतिविधियों को बंद किया जाए और उनके खिलाफ आर्थिक दंड लगाये और आपराधिक मुकदमा दर्ज करवाया जाए। साथ ही उद्योगपतियों व खनन माफियाओं को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से राजस्थान के अलवर में स्थित सरिस्का और जयपुर स्थित नाहरगढ़ अभयारण्य क्षेत्रों का नक्शा नहीं बदला जाये।

डोल का बाढ़ का भी उठाया मुद्दा

इन दोनों मुद्दों के साथ मेरी राजस्थान सरकार से मांग है कि दक्षिणी जयपुर के डोल का बाढ़ क्षेत्र में प्रस्तावित पीएम यूनिटी मॉल के लिए लगभग 2500 पेड़ों की कटाई के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं, यह आंदोलन प्रकृति के संरक्षण को लेकर किया जा रहा है इसलिए डोल के बाढ़ का संरक्षण किया जाए और यहां प्रस्तावित परियोजना के नाम पर पेड़ो को नहीं काटा जाए। पर्यावरण एवं प्रकृति को बचाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करने की जरूरत है।

पुराने विधानसभा भवन को लेकर क्यों छिड़ा विवाद ?

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

जयपुर, 2 जून (एजेंसियां)। जयपुर के ऐतिहासिक टाउन हॉल (पुरानी विधानसभा) को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने राजमाता पद्मिनी देवी और अन्य याचिकाकर्ताओं की याचिका पर नोटिस जारी किया है, लेकिन राजस्थान हाईकोर्ट के 17 अप्रैल 2025 के फैसले पर रोक लगाने या यथास्थिति बनाए रखने से इनकार कर दिया।

विवाद राजस्थान सरकार और जयपुर के पूर्व शाही परिवार के बीच है, जो 2022 में तत्कालीन गहलोत सरकार द्वारा टाउन हॉल को 'वर्ल्ड क्लास राजस्थान हेरिटेज म्यूजियम' में बदलने के फैसले से शुरू हुआ था।

राज्य सरकार ने कोर्ट में दिया ये तर्क

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कानूनी सवाल है, जिस पर विस्तृत सुनवाई होगी। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने तर्क दिया कि याचिका पर सुनवाई तब होनी चाहिए, जब राज्य अपना जवाब दाखिल करे।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कोई कदम नहीं उठाएगी। इस आधार पर कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से मना कर दिया।

शाही परिवार की ओर से दी गई ये दलील

वहीं, शाही परिवार की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने दलील दी कि 1949 के समझौते के तहत टाउन हॉल को केवल सरकारी कार्यों के लिए सौंपा गया था। चूंकि विधानसभा अब दूसरी जगह शिफ्ट हो चुकी है, इसका हेरिटेज म्यूजियम या व्यावसायिक उपयोग करना समझौते का उल्लंघन है।

वहीं, राज्य सरकार ने कहा कि यह विवाद 1949 के पूर्व-संविधानकालीन समझौते से जुड़ा है, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 363 के तहत कोर्ट का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, 1949 में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और भारत सरकार के बीच हुए समझौते के तहत टाउन हॉल समेत कुछ संपत्तियां सरकारी उपयोग के लिए दी गई थीं। 2022 में गहलोत सरकार के म्यूजियम बनाने के फैसले के बाद शाही परिवार ने आपत्ति जताई। 2014 से 2022 तक कई नोटिस और शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। शाही परिवार ने सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर कर संपत्ति पर कब्जा, रोक और मुआवजे की मांग की।

राज्य सरकार ने अनुच्छेद 363 का हवाला देकर मुकदमा खारिज करने की मांग की, जिसे ट्रायल कोर्ट ने ठुकरा दिया। लेकिन हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि ऐसे समझौतों पर दीवानी अदालतों का अधिकार क्षेत्र नहीं है, हालांकि उसने माना कि समझौते के तहत संपत्ति का उपयोग केवल सरकारी कार्यों के लिए होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट करेगा गहराई से जांच

शाही परिवार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, यह तर्क देते हुए कि अनुच्छेद 363 की व्याख्या सीमित होनी चाहिए और यह उनके संवैधानिक अधिकारों (अनुच्छेद 14, 21, 300A) को रद्द नहीं कर सकता, खासकर 1971 के 26वें संविधान संशोधन के बाद, जब शासकों की मान्यता खत्म कर उन्हें सामान्य नागरिक माना गया।

सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की गहराई से जांच करेगा कि क्या अनुच्छेद 363 पुराने समझौतों पर लागू होता है और क्या शाही परिवार के संपत्ति के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

बीजेपी नेता की दिनदहाड़े हत्या

धारदार हथियारों से हमला कर उतारा मौत के घाट, शहर में भारी पुलिस फोर्स तैनात

झालावाड़, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले से सोमवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय नेता सुरेंद्र मेवाड़ा की अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। यह हमला मंडावर गांव में उस समय हुआ, जब मेवाड़ा खेत से अपने घर लौट रहे थे।

हालात काबू में रहें, इसलिए पुलिस फोर्स तैनात

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे के आसपास मेवाड़ा पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए गए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल झालावाड़ के श्री राजेंद्र अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मानी जा रही है पुरानी रंजिश

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मौके पर भारी संख्या में लोग एकत्र हो गए, जिससे हालात तनावपूर्ण हो गए। पुलिस ने एहतियातन अस्पताल परिसर में अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया है। फिलहाल हत्या की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस विभिन्न कोणों से जांच कर रही है। आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और इलाके में नाकाबंदी भी की गई है।

बता दें कि सुरेंद्र मेवाड़ा का नाम पूर्व में चर्चित सत्तू चौधरी हत्याकांड में भी आ चुका है। इस मामले में उन्हें ट्रायल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी, लेकिन बाद में हाईकोर्ट से उन्हें जमानत मिल गई थी। स्थानीय राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती थी, जिससे इस हत्या के पीछे आपसी रंजिश की आशंका भी जताई जा रही है।

सांड के हमले में महिला की मौत

सींगों से उठाकर जमीन पर पटका, रीढ़ की हड्डी तक टूटी

भरतपुर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले बयाना उपखंड के गांव नगला सिंघाड़ा में सांड के हमले से एक ग्रामीण महिला की दर्दनाक मौत हो गई। सांड ने महिला को सींगों से उठाकर जमीन पर पटक दिया। हमले में इंद्रा देवी के रीढ़ की हड्डी, फेफड़ों, आंतों और हाथों में गंभीर चोटें आईं तथा मल्टीपल फ्रैक्चर हो गए। इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

खेत में खाद डालने गई थी महिला

जानकारी के अनुसार 15 मई की सुबह इंद्रा देवी (47) पत्नी किशन सिंह खेतों में जैविक खाद डालने का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान एक आवारा सांड खेत में आ गया और इंद्रा देवी पर हमला कर दिया।

सांड ने इंद्रा देवी को सींगों से उठाकर जमीन पर पटक दिया। हमले में इंद्रा देवी के रीढ़ की हड्डी, फेफड़ों, आंतों और हाथों में गंभीर चोटें आईं तथा मल्टीपल फ्रैक्चर हो गए।

इलाज के दौरान तोड़ा दम

घटना की सूचना मिलने पर परिजन इंद्रा को बयाना उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इंद्रा का पिछले पंद्रह दिनों तक उपचार चला। अंत में उसकी मौत हो गई।

ग्रामीणों में रोष

इंद्रा देवी की मृत्यु से गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं की समस्या पर नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मरुभूमि पर शौर्य की अनुभूति करेंगे पर्यटक

बॉर्डर टूरिज्म को लगेंगे पंख

जैसलमेर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में मरुभूमि अब देशभक्ति के पर्यटन का केंद्र बनने को तैयार है। पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद देशभर में राष्ट्रभक्ति की भावना चरम पर है। ऐसे में आगामी पर्यटन सीजन में सीमावर्ती जैसलमेर में बॉर्डर ट्यूरिज्म को पंख लगने की उम्मीद जगी है।

जुलाई-अगस्त से शुरू होने वाले पर्यटन सीजन में ऐसे लाखों पर्यटकों के आने की संभावना है, जो मरुस्थली सौंदर्य के साथ इस बार देश के प्रति प्रेम और सेना के शौर्य से जुड़ी भूमि को देखने का भाव भी लेकर आएंगे। पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार, एक अतिरिक्त दिन ठहरने से होटल व्यवसाय, टैक्सी सेवा, रेस्टोरेंट, हस्तशिल्प व स्थानीय बाजारों में सालाना 80 से 100 करोड़ रुपए तक की आर्थिक बढ़त संभव है।

जैसलमेर पर्यटन को देगा नया आधार

अब जैसलमेर केवल सोनार किला और धोरों तक सीमित नहीं रहेगा। जब लोग देशभक्ति के साथ सीमा पर जाकर सेना की शौर्य गाथा देखेंगे, तो यह अनुभव उन्हें जीवनभर याद रहेगा। इससे पर्यटन को नई गहराई मिलेगी। मयंक भाटिया, पर्यटन व्यवसायी

जैसलमेर पर्यटन को मिलेगी गति

बॉर्डर टूरिजम को लेकर राजस्थान पर्यटन विभाग पूरी तरह सक्रिय है। तनोट क्षेत्र में सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। आने वाले समय में और भी स्थान आम पर्यटकों के लिए खोले जाएंगे, जिससे जैसलमेर पर्यटन को नई गति मिलेगी।

जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विनोद भगासरा की करंट लगने से मौत

शेखावत और गहलोत समेत भाटी ने जताया शोक

जोधपुर, 2 जून (एजेंसियां)। जय नारायण व्यास विवि यानी जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और शहर के सबसे प्रतिष्ठित उम्मेद क्लब के एक्जिक्यूटिव मेंबर विनोद भगासरा की घर में करंट लगने से मौत हो गई। वे अपने घर पर ही बिजली का प्लग ठीक कर रहे थे। तभी वे अचानक करंट की चपेट में आकर नीचे गिर गए। महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया, बीजेएस कॉलोनी कालवी प्याऊ क्षेत्र में रहने वाले विनोद भगासरा (50) अपने घर में बिजली का प्लग ठीक कर रहे थे। तभी बिजली का तार छू आने से उन्हें जोर का झटका लगा और नीचे गिर पड़े। उन्हें मुख्य मंडोर रोड पर भदवासिया पुलिया के निकट स्थित श्रीराम हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल के संचालक डॉ. सुनील चांडक ने बताया कि परिजन उन्हें लेकर पहुंचे थे, उससे पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। उनका शरीर भी नीला पड़ चुका था। घटना की जानकारी मिलने के बाद हॉस्पिटल पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर एमजीएच मोर्चरी में रखवाया है।

विनोद भगासरा की असामयिक मृत्यु की खबर मिलते ही राजस्थान की राजनीति के विभिन्न स्तरों से शोक संदेश आने लगे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जो स्वयं भी जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं, ने गहरा दुख व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि शेखावत भी 1989 से 2004 के बीच जेएनवीयू के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे थे।

सोशल मीडिया से शुरू हुई मोहब्बत का खूनी अंत

2 साल लिव-इन में रहने के बाद कालू ने कशिश की कर दी हत्या

बीकानेर, 2 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया की आभासी दुनिया और हकीकत के बीच की खतरनाक दूरी को उजागर कर दिया है। जामसर थाना क्षेत्र में 25 मई को 20 वर्षीय युवती कशिश की हत्या कर दी गई। दो साल पहले सोशल मीडिया पर शुरू हुई दोस्ती अंत में मौत का कारण बन गई। कशिश की जान उसी युवक ने ले ली, जिसके पास वह अपना सब कुछ छोड़कर आई थी। आरोपी कालू खान, जो नूरसर गांव का निवासी है, ने पहले कशिश से प्यार जताया, फिर साथ रहना शुरू किया और अंत में उसी पर शक करते हुए उसकी बेरहमी से गला दबाकर हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, कशिश सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय थी, जो कालू को खटकता था। उसे शक था कि वह किसी और से बात करती है। कई बार मोबाइल बंद करने को कहा गया, लेकिन जब वह नहीं मानी तो बात मारपीट तक पहुंच गई। 25 मई को गुस्से में आकर कालू ने गला दबाकर उसकी जान ले ली और शव के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया ताकि वह होश में आकर चिल्ला न सके। हत्या के बाद कालू खान फरार हो गया और रेत के धोरों में छिपता रहा। पुलिस ने जब सीधी कार्रवाई से सफलता नहीं मिली, तो एक चाल चली। थानाधिकारी रवि कुमार मीणा के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने गडरियों का भेष धरकर इलाके की खाक छानी और अंततः ऊंचे धोरों में कालू खान को गिरफ्तार कर लिया। यह मामला न केवल एक प्रेम कहानी के दर्दनाक अंत की गवाही देता है, बल्कि यह भी बताता है कि सोशल मीडिया पर शुरू हुई हर कहानी हकीकत में खूबसूरत नहीं होती-कभी-कभी वह मौत का रास्ता भी बन सकती है।

गरीबों और वंचितों तक योजनाएं पहुंचाएं

भीलवाड़ा में बैठक के दौरान बोले राज्यपाल बागडे

भीलवाड़ा, 2 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे. ने सोमवार को अपने भीलवाड़ा दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गरीब और वंचित वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए प्रशासन को पूरी निष्ठा से कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के अंतिम छोर तक बैठे पात्र नागरिकों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, यह सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण स्वीकृत कर आवास उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से हरियालो राजस्थान अभियान को गति देने के निर्देश दिए और पूर्व में लगाए गए पौधों की स्थिति का रैंडम सर्वे कर जीवित पौधों की संख्या सुनिश्चित करने को कहा।

राज्यपाल ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर जोर देते हुए निर्देश दिए कि जिन गांवों में अब तक सड़कों का डामरीकरण नहीं हुआ है, वहां सांसद एवं विधायक निधियों या अन्य बजट मदों से सड़कों का निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा हो। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ग्रामीण घर में शुद्ध पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित किया जाए। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक योजनाओं में से एक है और इसकी शत-प्रतिशत सफलता जरूरी है।

राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों में नामांकन कम है, वहां परिजनों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक कर नामांकन बढ़ाया जाए। साथ ही शिक्षा विभाग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

राज्यपाल बागडे. ने कहा कि कृषक, दुग्ध उत्पादक, स्ट्रीट वेंडर, श्रमिक सहित ऐसे सभी पात्र व्यक्ति जो अब तक सरकारी योजनाओं से वंचित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाए। विभागीय समन्वय से योजनाओं की पहुंच बढ़ाई जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक गांव में नल कनेक्शन और विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कोई भी व्यक्ति इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे, इसके लिए संबंधित विभाग मिलकर कार्य करें।

दोस्त को छोड़कर गांव जा रहे युवकों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, बीच रास्ते में ही तड़पकर दोनों ने दम तोड़ा

पाली, 2 जून (एजेंसियां)। पाली में बाइक को तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई और एक दोस्त घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि अपने किसी दोस्त को सांडेराव छोड़कर तीनों बाइक से तखतगढ़ आ रहे थे। इस दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। सांडेराव थाना एएसआई श्रवण सिंह ने बताया, थाना क्षेत्र के दुजाना टोल नांके के निकट हादसा हुआ। अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में तखतगढ़ निवासी 21 साल का जितेंद्र सिंह पुत्र छेल सिंह और 18 साल के कुंदन कुमार पुत्र तरूण कुमार की मौत हो गई। हादसे में घायल 18 वर्षीय जिग्नेश पुत्र कालूराम कुमावत का हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

अनोखा साइबर क्राइम, युवती बन प्रेम जाल में फंसाया, आत्महत्या की धमकी देकर ऐंठे रुपए

चित्तौड़गढ़, 2 जून (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में कमाल का क्राइम। इंस्टाग्राम पर युवती के नाम से आइडी बनाकर युवक को प्रेम जाल में फंसाया। फिर आत्महत्या करने की धमकी देकर 1 लाख 27 हजार 700 रुपए ऐंठने के एक मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि पीड़ित ने 13 अप्रेल को साइबर थाने में रिपोर्ट दी कि इंस्टाग्राम पर किसी की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई, जिसे परिचित समझ कर उसने स्वीकार कर लिया। इसके बाद उस आइडी से मैसेज आने लगे व पीड़ित को बताया कि उसका नाम आरूषी है। युवती बनकर मैसेज कर रहे आरोपी ने पीड़ित को झांसे में लेकर गंभीर बीमारी का इलाज कराने के नाम स्कैनर भेजकर रुपए मांगे। पीड़ित ने रुपए भेज दिए।

होटल में काम करने वाले नेपाली कुक पर चाकू से जानलेवा हमला, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

बांसवाड़ा, 2 जून (एजेंसियां)। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र के परतापुर कस्बे में सोमवार सुबह एक होटल पर काम करने वाले नेपाली युवक को अज्ञात व्यक्ति ने गले में चाकू से वार कर घायल कर दिया। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने परतापुर पहुंचकर मौका मुआयना किया। जानकारी के अनुसार नेपाली युवक प्रेम पिछले दो वर्षों से परतापुर कस्बे में गढ़ी थाना भवन से करीब 1 किलोमीटर दूर एक होटल में कुक का काम करता है। सोमवार सुबह अज्ञात व्यक्ति ने प्रेम पर चाकू से वार कर दिया। सुबह होटल मालिक जब होटल पर पहुंचे तो उन्होंने कुक प्रेम को घायल हालत में देखकर पुलिस को सूचना दी। कुक को परतापुर में प्राथमिक उपचार के बाद बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर महात्मा गांधी चिकित्सालय रैफर किया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

ऑनलाइन गेमिंग से पति-पत्नी ने फांसी लगाकर दे दी जान

कोटा, 2 जून (एजेंसियां)। कोटा जिले के पास स्थित गांव खेड़ा रामपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पति-पत्नी ने बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आत्महत्या की वजह ऑनलाइन गेमिंग और उसके चलते हुए भारी कर्ज बताया जा रहा है। मृतकों की पहचान दीपक राठौर (विक्की) और उसकी पत्नी राजेश (कृष्णा) के रूप में हुई है। घटना का खुलासा तब हुआ जब सुबह परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोलने की आवाज लगाई। दरवाजा नहीं खुलने पर अंदर से विक्की और कृष्णा की 5 साल की बेटी ने दरवाजा खोला। अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए पति-पत्नी की लाशें फांसी पर लटकी मिलीं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि विक्की को ऑनलाइन सट्टा और गेमिंग की लत थी, जिसके चलते उस पर 2 से 5 लाख रुपये तक का कर्ज हो गया था। तनाव के चलते उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

पेशेवर वाहन चोर गिरफ्तार, 25 लाख मूल्य के वाहन बरामद

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीएस बालानगर और जीडीमेटला पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम ने दो आदतन और पेशेवर वाहन चोरी करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने एक हुंडई वर्ना कार, सात दोपहिया वाहन और एक अशोक लीलैंड गुड्स कैरियर वाहन बरामद किया, जिनकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। अतिरिक्त डीसीपी बालानगर जोन ने बताया कि आरोपी नक्का श्रीनिवास राव, निवासी साईं बाबा नगर, आईडीए जीडीमेटला, कुतबुल्लापुर और मोहम्मद शोहेब, निवासी बौरामपेट, डुंडीगल, कुतबुल्लापुर दोनों 2014 से ही मोटरसाइकिल चोरी में शामिल हैं। साइबराबाद और राचकोंडा कमिश्नरेट के अंतर्गत जीडीमेटला, सुरराम, पेट बशीराबाद, नेरेडमेट, कुशाईगुडा और शमीरपेट पुलिस स्टेशनों की सीमा में अपराध करते रहे हैं। अब तक 15 से अधिक मामलों का पता उनके पास लग चुका है। उन्होंने बताया कि आरोपियों का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है और उन्हें पहले भी साइबराबाद और राचकोंडा पुलिस द्वारा कई चोरी के मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्हें कई बार न्यायिक हिरासत में भी भेजा गया था।

सीसीएस बालानगर और जीडीमेटला टीमों ने बालानगर एलएंडओ एडीसीपी सत्यनारायण के मार्गदर्शन, बालानगर एलएंडओ एसीपी पी. नरेश रेड्डी की देखरेख और जीडीमेटला एसएचओ जी. मल्लेश, जीडीमेटला डीआई एस. कनकैया, सीसीएस इंस्पेक्टर राजू, एसआई पोचैया, गिरीश, डीएसआई एन. श्याम बाबू, एचसी एलीजार, पीसी अर्जुन, विशाल, राजकुमार और अपराध कर्मचारियों के नेतृत्व में मामलों का पता लगाया और चोरी की गई गाड़ियों को बरामद किया। मामले को सुलझाने और चोरी की गई संपत्ति को बरामद करने में उनके प्रयासों को उचित रूप से पुरस्कृत किया जा रहा है। बरामद वाहनों में हुंडई वर्ना कार, अशोक लीलैंड गुड्स कैरियर एलएमवी , होंडा एक्टिवा स्कूटर, रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल, बजाज पल्सर 150 मोटरसाइकिल, यामाहा एफजेड मोटरसाइकिल होंडा शाइन मोटरसाइकिल शामिल हैं।

आज तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर अग्रिकल्चरल मार्केट समिति बोइनपल्ली के कार्यालय में मार्केट समिति के अध्यक्ष आनंद बाबू ने झंडा फहराया। इस अवसर पर उपस्थित उपध्यक्ष डी.बी. देवेन्द्र, चयन ग्रेड सचिव वेंकन्ना, एमई बोइनपल्ली के वरिष्ट सरकारी सलाहकार मेंबर ए. गौतम जैन, मार्केटिंग अधिकारी खाजा, श्रीनिवास राव एवं अन्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

आदिलाबाद में भव्य तरीके से मनाया गया तेलंगाना का 11वां स्थापना दिवस

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य का 11वां स्थापना दिवस सोमवार को पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में भव्यता के साथ मनाया गया। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर और हरकारा गोपाल, वित्त आयोग के अध्यक्ष राजैया सिरिसिला और विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश ने क्रमशः आदिलाबाद, मंचेरियल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में इस अवसर पर तिरंगा फहराया। उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन के नायकों को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।

अली ने कहा कि सरकार महिलाओं के कल्याण को सर्वोच्च महत्व दे रही है। उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर, इंदिराम्मा आवास योजना और महिला शक्ति कैंटीन सहित कई पहलों का हवाला दिया।

पीएम मोदी ने आईएटीए की वार्षिक बैठक को किया संबोधित

कहा- भारत वैश्विक विमानन क्षेत्र का उभरता हुआ लीडर

नई दिल्ली, 2 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक विमानन क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद की सराहना की है। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) की 81वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत वैश्विक अंतरिक्ष-विमानन क्षेत्र में एक उभरता हुआ लीडर है। उन्होंने कहा कि इस समिट में हम जो चर्चा कर रहे हैं इससे वैश्विक विमानन क्षेत्र को एक नई दिशा मिलेगी।

पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां हमारी यात्रा की योजना सिर्फ धरती के शहरों तक सीमित नहीं है। आज इंसान अंतरिक्ष उड़ानों और अंतरग्रहीय यात्राओं का व्यवसायीकरण करने और उन्हें नागरिक उड्डयन के लिए खोलने का सपना देख रहा है। हालांकि यह सच है कि इसमें अभी कुछ समय है, लेकिन यह बताता है कि आने वाले समय में एविएशन सेक्टर कितने बड़े बदलाव और इनोवेशन का केंद्र बनने जा रहा है। भारत इन सभी संभावनाओं के लिए तैयार है।

वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास बाजार है। यह बाजार सिर्फ उपभोक्ताओं का समूह नहीं है, बल्कि भारत के महत्वाकांक्षी समाज का प्रतिबिंब भी है। दूसरा, हमारे पास प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए जनसांख्यिकी और प्रतिभा है। हमारे युवा नए युग के नवोन्मेषक हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सफलता ला रहे हैं। तीसरा, हमारे पास उद्योग के लिए खुली और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र नीति है। इन तीन क्षमताओं के आधार पर हमें भारत के एविएशन सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरा आग्रह है कि मेक इन इंडिया के साथ सभी एविएशन कंपनियां डिजाइन इन इंडिया भी करें। उन्होंने कहा कि आज भारत में 15 प्रतिशत से अधिक पायलट महिलाएं हैं। ये दुनिया की औसत से तीन गुना ज्यादा है। हम ड्रोन के जरिए महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को सशक्त कर रहे हैं। इससे खेती में, डिलीवरी में, सर्विसेज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

तेलंगाना में 80 एकड़ में इको-टाउन विकसित किया जाएगा : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आने वाली पीढ़ियों की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए और सतत विकास पर जोर देते हुए, तेलंगाना सरकार जापान के किताकियुशु सिटी मॉडल से प्रेरणा लेते हुए 80 एकड़ में इको-टाउन बनाने की योजना बना रही है। यह जानकारी आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और किताकियुशु के बीच हस्ताक्षरित आपसी सहयोग समझौता इस पहल के लिए एक रणनीतिक रोडमैप के रूप में काम करेगा। मंत्री सोमवार को यहां टी-हब में तेलंगाना सरकार और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "किताकियुशु से तेलंगाना तक : सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना" नामक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दूरदर्शी नेतृत्व में, तेलंगाना की जन-केंद्रित सरकार "तेलंगाना राइजिंग 2047" पहल के तहत मजबूत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से 2047 तक राज्य को सभी क्षेत्रों में वैश्विक नेता के रूप में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीधर बाबू ने आगे कहा कि पिछले 18 महीनों में सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़ॅन सहित कई वैश्विक निगम हैदराबाद में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो राज्य में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना राज्य में बढ़ते जापानी निवेश को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। पहले से ही, तेलंगाना के 50 युवाओं को जापान में रोजगार के अवसर मिले हैं।

ऐसे और अधिक अवसरों को सक्षम करने के लिए, सरकार, टॉमकॉम जैसे संस्थानों के माध्यम से जापानी भाषा प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य को देखते हुए तेलंगाना सरकार नेट जीरो लक्ष्य, रिवरफ्रंट विकास, सर्कुलर इकोनॉमी प्रथाओं, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और डिजिटल नवाचार सहित कई दूरदर्शी पहलों पर किताकियुशु के साथ सहयोग करेगी। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य आगामी फ्यूचर सिटी को पर्यावरणीय स्थिरता में एक बेंचमार्क के रूप में देख रहा है, जिसमें पर्यावरण के अनुकूल औद्योगिक क्षेत्रों, शून्य-अपशिष्ट डिजाइन सिद्धांतों और उन्नत जल और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। श्रीधर बाबू ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए हैदराबाद और किताकियुशु के बीच सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने की व्यवहार्यता का पता लगाया जाएगा। उन्होंने तेलंगाना में मौजूद अनुकूल औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित किया और जापानी उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने पर विचार करने का आग्रह किया।

राजीव युवा विकासम योजना के लॉन्च में देरी से बढ़ी निराशा

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार में कुछ खास बदलाव होता नहीं दिख रहा है। कई अन्य योजनाओं के आवेदकों की तरह, राजीव युवा विकास योजना के लिए आवेदन करने वाले लोग भी अब निराश हैं, क्योंकि सरकार इसकी शुरूआत में देरी कर रही है। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सोमवार को पूरे राज्य में वितरित किए जाएंगे। पहचाने गए लाभार्थियों को ये पत्र सभी विधानसभा क्षेत्रों में 2 से 9 जून तक मिलने थे।

10 से 15 जून तक प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे, उसके बाद 15 जून से ग्राउंडिंग प्रक्रिया (स्वीकृत सहायता का कार्यान्वयन) शुरू की गई।

इन सभी योजनाओं को अब रोक दिया गया है, हालांकि सरकार ने देरी के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

नराकास (उपक्रम) की 61वीं अर्द्धवार्षिक बैठक आयोजित

राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी, कप एवं राजभाषा गरिमा पुरस्कार प्रदान किए गए

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद की 61वीं अर्द्धवार्षिक बैठक का आयोजन भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, कॉरपोरेट अनुसंधान एवं विकास, हैदराबाद में किया गया। बैइक की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नराकास (उपक्रम) के अध्यक्ष अनुराग कुमार ने की। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के उप निदेशक अनिर्बान कुमार विश्वास तथा बीएचईएल, कॉरपोरेट अनुसंधान एवं विकास के महाप्रबंधक एवं प्रमुख वी.वी. सुब्रह्मण्यम मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन बीएचईएल, कॉरपोरेट अनुसंधान एवं विकास की वरिष्ठ प्रबंधक बी.जे. वसुंधरा ने किया। नराकास (उपक्रम) के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने विभिन्न सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन तथा आयोजित गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अध्यक्ष, नराकास (उपक्रम) ने अपने अभिभाषण में सदस्य-कार्यालयों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए जा रहे विशेष प्रयासों की सराहना की एवं कहा कि राजभाषा हिंदी न केवल हमारी पहचान की अभिव्यक्ति है, अपितु एक समावेशी कार्य संस्कृति का माध्यम भी है। उन्होंने सदस्य कार्यालयों द्वारा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु अपनाए गए नवीन प्रयोगों एवं समर्पित प्रयासों की प्रशंसा की तथा सभी सदस्यों को अधिक से अधिक राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। तदुपरांत, राजभाषा विभाग, दक्षिण क्षेत्र के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास ने समिति की गतिविधियों की प्रस्तुति तथा सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छमाही रिपोर्टों का अवलोकन कर राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद-सिकंदराबाद (उपक्रम) की यह समिति का कार्य सर्वथा प्रशंसनीय है। इस बैठक के दौरान उप निदेशक (कार्यान्वयन) ने राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। आगे बताया कि आगामी राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 10 जुलाई 2025 को हैदराबाद में आयोजित की जा रही है। सभी सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर समिति के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने मंच से विगत छः माह के दौरान समिति से संबद्ध सदस्य कार्यालयों द्वारा किए गए राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण गतिविधियों, नवाचारों, प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सदस्य कार्यालयों की सक्रिय भागीदारी, प्रतिबद्धता एवं रचनात्मक दृष्टिकोण के कारण समिति की गतिविधियां लगातार सशक्त एवं प्रेरक बन रही हैं। बैठक के पश्चात वर्ष 2024-25 हेतु राजभाषा शील्ड, ट्रॉफी, कप एवं राजभाषा गरिमा पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी प्रकार कार्यालयों द्वारा वर्ष के दौरान प्रकाशित पत्रिकाओं को भी 'उत्तम पत्रिका' के सम्मान से सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेता कार्यालयों के अधिकारियों ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई। समारोह में समिति के विभिन्न सदस्य कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी, राजभाषा विभागाध्यक्ष, समन्वयक, हिंदी अनुवादक तथा कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के आयोजन में बीएचईएल, कॉरपोरेट अनुसंधान एवं विकास प्रबंधन एवं उनकी टीम तथा ईसीआईएल की ओर से वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. चिप्पाड़ा अंबेडकर, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, अजहर सुल्तान, अनुभाग सहायक तथा विनिला, राजभाषा (प्रशिक्षु) का सक्रिय योगदान रहा।

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जेईई एडवांस्ड में शीर्ष स्थान से चूके छात्र

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई छात्रों द्वारा जेईई मेन 2025 में 100 पर्सेंटाइल स्कोर करने के बावजूद, उनमें से कोई भी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड 2025 में टॉप नहीं कर पाया। यह तेलंगाना के छात्रों के सामान्य प्रभुत्व के विपरीत है, जो हर साल जेईई एडवांस्ड में नियमित रूप से शीर्ष रैंक हासिल करते हैं। पिछले साल हैदराबाद के भोगलापल्ली संदेश ने परीक्षा में सफलता हासिल की थी और तीसरा स्थान प्राप्त किया था। शहर के छात्र वविलाला चिदविलास रेड्डी और पोलू लक्ष्मी साई लोहित रेड्डी ने क्रमशः 2023 और 2022 में पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया। हालांकि, इस बार, आईआईटी-हैदराबाद ज़ोन से लगभग 12,946 उम्मीदवार- सभी ज़ोन में सबसे अधिक- आईआईटी में प्रवेश के लिए सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक में उत्तीर्ण हुए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा सोमवार को घोषित परिणामों के अनुसार, हैदराबाद के वांगला अजय रेड्डी, कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) 19 के साथ जनरल-ईडब्ल्यूएस श्रेणी में शीर्ष पर रहे। इसी तरह, आईआईटी-हैदराबाद जोन के धर्मना ज्ञान रुत्विक साईं, जिन्होंने सीआरएल 20 हासिल किया, ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में शीर्ष स्थान पर रहे।

कोविड-19 के मामले बढ़े

विशेषज्ञों ने वैरिएंट निगरानी का किया आह्वान

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के कई राज्यों से कोविड-19 के नए मामले सामने आ रहे हैं। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने तेलंगाना में दो और मामलों की जानकारी दी। देशभर में कुल मामलों की संख्या अब 4,000 तक पहुंच गई है। अधिकांश वर्तमान मामले हल्के हैं, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि तेलंगाना को वर्तमान में प्रचलन में मौजूद वेरिएंट की पहचान करने के लिए परीक्षण करने और नमूने एकत्र करने के प्रयास शुरू करने चाहिए। इस तरह की कवायद मौजूदा वायरस के प्रकारों को निर्धारित करने और गंभीरता और संक्रामकता में संभावित बदलावों के लिए तैयार रहने के लिए उनके विकास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। अभी तक, तेलंगाना में मुफ़्त कोविड-19 डायग्नोस्टिक टेस्ट की पेशकश और जीनोमिक निगरानी करने का समन्वित प्रयास शुरू होना बाकी है।

पिछले एक पखवाड़े में कोविड-19 संक्रमण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करने वाले प्रमुख राज्यों में केरल (1,435), महाराष्ट्र (506), दिल्ली (483), गुजरात (338), पश्चिम बंगाल (331), कर्नाटक (253), तमिलनाडु (189), राजस्थान (69), उत्तर प्रदेश (157), पुडुचेरी (38) और आंध्र प्रदेश (30) शामिल हैं। कोविड से संबंधित चार मौतें दर्ज की गई हैं। 1 जनवरी, 2025 से अब तक देश में कोविड-19 से संबंधित कुल 32 मौतें दर्ज की गई हैं। सक्रिय संक्रमणों की बढ़ती संख्या और मौतों की रिपोर्ट चिंता का विषय है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा है कि ज़्यादातर मामले हल्के हैं और घबराने की कोई तत्काल वजह नहीं है।

तेलंगाना पुलिस को राष्ट्रपति पदक

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न रैंकों के 12 तेलंगाना पुलिस अधिकारियों को सोमवार को राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) से सम्मानित किया गया। दो अधिकारियों विजय कुमार- डीजी एसीबी, तेलंगाना और एम रमण कुमार- एआईजी चीफ ऑफिस को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया। इसके अलावा के राम कृष्ण प्रसाद राव, बंडी वेंकटेश्वर रेड्डी, आत्मकुरी वेंकटेश्वरलू, अरवेती भानु प्रसाद राव, अजेला श्रीनिवास राव, एस वेंकटेश्वरलू, महंकाली मधु, कक्केरला श्रीनिवास, ए सत्यनारायण और आर वेंकटैया को सराहनीय सेवा के लिए पदक से सम्मानित किया गया।

राज्य को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए बीआरएस से लें मार्गदर्शन या बदलें मुख्यमंत्री : कोठा प्रभाकर रेड्डी

सिद्दीपेट, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार की अक्षमता पर प्रकाश डालते हुए दुब्बाक विधायक और बीआरएस सिद्दीपेट जिला अध्यक्ष कोठा प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि बीआरएस नेतृत्व प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी को मार्गदर्शन देने के लिए तैयार है। उन्होंने राजीव युवा विकास पहल सहित प्रमुख योजनाओं को लागू करने में कांग्रेस सरकार की विफलताओं की आलोचना करते हुए ये टिप्पणियां कीं। सोमवार को सिद्दीपेट में बीआरएस जिला कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कांग्रेस नेतृत्व से आग्रह किया कि अगर इससे प्रशासन के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है तो मुख्यमंत्री को बदलने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने राजीव युवा विकास ऋण के वितरण में देरी के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की कड़ी आलोचना की, उन्होंने कहा कि इस कदम से लाखों बेरोजगार युवा निराश हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान रेवंत द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं, उनमें से कोई भी अब तक लागू नहीं हुआ है। दुब्बाक विधायक ने टिप्पणी की कि कांग्रेस ने राजीव युवा विकास योजना के माध्यम से युवाओं को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन ठोस कार्यान्वयन योजना की अनुपस्थिति ने इसे उल्टा कर दिया। उन्होंने सरकार के नेतृत्व को लेकर जनता के बीच भ्रम को भी उजागर किया, मुख्यमंत्री, उनके कैबिनेट सहयोगियों और विधायकों द्वारा दिए गए विरोधाभासी बयानों की ओर इशारा किया।

वन अधिकारियों के लिए कठिन चुनौती

कुमराम भीम बाघ संरक्षण रिजर्व

कुमराम भीम आसिफाबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) के गलियारे को कुमराम भीम टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व में बदलने के सरकार के कदम का वन अधिकारियों द्वारा स्वागत किया जा रहा है, लेकिन साथ ही, वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि बाघों का संरक्षण स्थानीय लोगों को शामिल करके ही हासिल किया जा सकता है, जिसके लिए उनकी आशंकाओं को दूर करना होगा और यह एक कठिन चुनौती हो सकती है। राज्य सरकार ने हाल ही में शुक्रवार को एक आदेश जारी कर केटीआर के गलियारे को केबी टाइगर कंजर्वेशन रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया है, जिसमें जिले में 1,492 वर्ग किलोमीटर या 1,49,288 हेक्टेयर वन क्षेत्र शामिल है। केबी रिजर्व 78 वन ब्लॉकों में फैला हुआ है, विशेष रूप से कदंबा, बेजूर और गरलापेट, जहां हाल के वर्षों में बाघों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

अधिसूचना के अनुसार, रिजर्व का परिदृश्य कवाल को न केवल टिपेश्वर टाइगर रिजर्व, कन्हारगांव और महाराष्ट्र के चपराला वन्यजीव अभयारण्यों, छत्तीसगढ़ में इंद्रावती वन्यजीव अभयारण्य से जोड़ता है। पिछले एक दशक में निवासी, प्रजनन करने वाले बाघों की उपस्थिति और कई अंतरराज्यीय बाघों के फैलाव से संकेत मिलता है कि यह बाघों के बीच संपर्क बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जैसा कि आदेश में उल्लेख किया गया है। वन्यजीव संरक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त वन रेंज अधिकारी एस वेणुगोपाल ने इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'कॉरिडोर को बाघ अभयारण्य में बदलना एक अच्छा कदम है। यह सिर्फ एक मील का पत्थर नहीं है; यह हर उस फ्रंटलाइन वन अधिकारी को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस भूभाग की रक्षा के लिए अथक परिश्रम किया, जिससे कागजनगर और आसिफाबाद डिवीजनों में बाघों को एक बार फिर से स्वतंत्र रूप से घूमने में मदद मिली।'

वन अधिकारियों ने कहा कि संरक्षण रिजर्व का उद्देश्य - बाघों की कुशल सुरक्षा - तभी साकार होगा जब स्थानीय लोग भू-भाग के मालिक होंगे और संरक्षण गतिविधियों में शामिल होंगे। एक वन्यजीव विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, 'सरकार को पड़ोसी महाराष्ट्र से प्रेरणा लेनी चाहिए, जो बाघों की बहुतायत के लिए जाने जाने वाले ताडोबा और तिप्पेश्वर जैसे अपने रिजर्व में बाघों के संरक्षण में स्थानीय लोगों का सफलतापूर्वक सहयोग ले रहा है।' हालांकि, स्थानीय लोगों ने चिंता जताई कि रिजर्व बनने के बाद बाघों की सुरक्षा का हवाला देते हुए वन अधिकारी यातायात पर प्रतिबंध लगा देंगे। एक राजनीतिक दल के नेता ने बताया, 'हाल ही में कवाल में रात के समय वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा है। रिजर्व में भी इसी तरह के नियम लागू किए जाएंगे, जिससे जंगल के किनारे के गांवों के निवासियों को असुविधा होगी।'

इसी तरह, स्थानीय लोगों को मवेशियों को चराने और लघु वन उत्पादों को इकट्ठा करने के लिए जंगल पर निर्भर नहीं रहने दिया जाएगा, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होगी। वे स्वाभाविक रूप से वन अधिकारियों को सहयोग नहीं देंगे।

जंगली जानवरों द्वारा मारे गए मवेशियों के शिकार, बाघों के खिलाफ़ द्वेष रखते हैं और राष्ट्रीय पशु को खत्म करने के लिए जहर देते हैं जैसा कि 2024 में कागज़नगर के दरीगांव के जंगलों में देखा गया। एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने कहा, 'स्थानीय लोगों का विश्वास जीतना एक बहुत बड़ा काम है, जो परंपरागत रूप से जंगलों पर निर्भर हैं और उन्हें संरक्षण का हिस्सा बनाना है। वन अधिकारियों को सह-अस्तित्व मॉडल में बाघों के प्रभावी संरक्षण को प्राप्त करने के लिए महाराष्ट्र के अपने समकक्षों द्वारा अपनाए गए तरीकों का अनुकरण करना चाहिए।'

दो युवकों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। याकूतपुरा रेलवे स्टेशन के पास घास इकट्ठा करने गए दो युवकों की सोमवार दोपहर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। याकूतपुरा निवासी फैजान (21) और शहाबुद्दीन (26) सोमवार दोपहर घास लेने के लिए रेलवे ट्रैक पर गए थे। राजकीय रेलवे पुलिस काचीगुडा ने बताया कि जब वे घास काट रहे थे, तभी एक अज्ञात ट्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों के शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट- गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 को हराया

गुस्से में कार्लसन ने बोर्ड पर मुक्का मारा, पहले कहा था- मुझे हराने वाला कोई नहीं

स्टवान्गर, 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय चेस खिलाड़ी और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने एक और बड़ा धमाका किया है। नॉर्वे चेस 2025 के छठे राउंड में ग्रैंडमास्टर गुकेश ने पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। क्लासिकल टाइम कंट्रोल में यह पहला मौका है जब गुकेश को कार्लसन के खिलाफ जीत मिली है। जीत के बाद गुकेश का उत्साह देखते ही बन रहा था। लॉबी में उन्होंने अपने कोच ग्रेजगॉर्ज गाजेव्स्की से मुलाकात की और एक जोरदार फिस्ट बंप किया। कोच के अनुसार यह गुकेश का अब तक का सबसे जोरदार बंप था।

गुस्से में कार्लसन ने मुक्का मारा

डी गुकेश से मिली हार को मैग्नस कार्लसन पचा नहीं पाए। उन्होंने खेल खत्म होने से पहले ही टेबल पर जोरदार मुक्का मारा। इससे चेज बोर्ड पर खड़े मोहरे भी गिर गए। इससे गुकेश भी हैरान रह गए और अपनी सीट से चले गए। इसके बाद कार्लसन बोर्ड के पास आए और जो मोहरों को पटका। इसके बाद उन्होंने मीडिया से भी बात नहीं कि अपने इवेंट से स्थान से चले गए।

एक गलती से नतीजा पलटा

मैग्नस कार्लसन ने खेल की शुरुआत में मजबूत स्थिति बनाई थी और अधिकांश समय तक दबदबा बनाए रखा। इस बीच गुकेश ने भी धैर्य बनाए रखा और मौके का इंतजार कर रहे थे। इस बीच समय की कमी के दबाव में कार्लसन ने एक गंभीर गलती कर दी। सफेद मोहरों से खेल रहे गुकेश ने इस मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने न सिर्फ डिफेंस में धैर्य दिखाया बल्कि सही मौके पर काउंटर अटैक कर खेल का रुख पलट दिया।

तीसरे स्थान पर पहुंचे गुकेश

गुकेश ने खेल के बाद कहा, 'अभी मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह रखता है कि मैंने गेम नहीं हारा। लेकिन हां, मैग्नस को किसी भी रूप में हराना खास है। इस जीत के साथ, गुकेश नॉर्वे शतरंज 2025 की अंक तालिका में 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फाबियानो कारुआना 9.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं।

अय्यर-पंड्या के खिलाफ बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

स्लो ओवर रेट के कारण की गई गलती के लिए सुनाई गई सजा

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 2 मुकाबले में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शानदार टक्कर देखने को मिली. लेकिन इस मैच के बाद दोनों टीमों के कप्तानों पर कार्रवाई की गई है. पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को आईपीएल के आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जिसके चलते उन पर भारी जुर्माना लगाया गया है. इस मैच में पंजाब ने मुंबई को 5 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई.

अय्यर-पंड्या के खिलाफ बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर यह कार्रवाई स्लो ओवर रेट के कारण की गई. आईपीएल के नियमों के अनुसार, टीमों को तय समय में

अपने ओवर पूरे करने होते हैं, और ऐसा न करने पर सजा का प्रावधान है. पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन का दूसरा ओवर रेट उल्लंघन था, जिसके चलते श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. इसके साथ ही, पंजाब किंग्स के प्लेइंग इलेवन के सभी सदस्यों, जिसमें इम्पैक्ट प्लेयर भी शामिल है, उन पर 6 लाख रुपए (या उनकी मैच फीस का 25% जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया.

मुंबई इंडियंस के लिए यह सीजन का तीसरा ओवर रेट उल्लंघन था. इससे पहले, गुजरात टाइटंस के खिलाफ दोनों मैचों में भी मुंबई को स्लो ओवर रेट के लिए दंडित किया गया था. हार्दिक पंड्या पर भी भारी जुर्माना लगाया गया है. मुंबई इंडियंस के कप्तान पंड्या पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है. इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है.

पंजाब ने चेज किया 204 रनों का टारगेट

इस रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203/6 का स्कोर खड़ा किया. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने 44-44 रनों की शानदार पारियां खेलीं, लेकिन पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों में नाबाद 87 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई. पंजाब ने यह टारगेट 19 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया, और इस जीत के साथ वे 11 साल बाद फाइनल में पहुंच गई. अब वह 3 जून को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ फाइनल खेलेगी.

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मैक्सवेल ने वनडे से संन्यास लिया

कहा, मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हूं; 13 साल का रहा करियर

खेल डेस्क, 2 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया को वनडे वर्ल्ड कप 2023 का खिताब जिताने में अहम रोल निभाने वाले स्टार ऑलराउंडर और विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे फॉर्मेट से तत्काल रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है. बिग शो के नाम से मशहूर इस स्टार खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा था कि उनके चलते टीम को निराश होना पड़ रहा था. इसलिए उन्होंने इस फॉर्मेट से विदाई लेने का मन बना लिया. मैक्सवेल ने इस फॉर्मेट में कंगारुओं की जर्सी में 13 साल तक क्रिकेट खेला.

2023 वनडे वर्ल्ड कप में मुंबई में अफगानिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया घोर मुश्किल में फंस गई थी, जब उसने 91 रनों पर अपने टॉप 7 विकेट गंवा दिए थे.

यहां की मुश्किल परिस्थितियों में मैक्सवेल ने टीम को घोर संकट से उबार कर जीत दिलाई थी. उन्हें इस पारी के दौरान जबरदस्त मांसपेशियों में खिंचाव हो गया था और उनका खड़ा हो पाना भी मुश्किल दिख रहा था लेकिन वह कप्तान पैट कमिंस के साथ साझेदारी निभाते और उन्होंने अपने करियर की बेस्ट पारी खेलते हुए कंगारुओं को जीत दिलाई.

इस पारी में मैक्सवेल ने 128 गेंदों पर नाबाद 201 रन बनाए थे, जबकि अफगानिस्तान 292 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी. मैक्सवेल की यह पारी वनडे इतिहास सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है.

36 वर्षीय इस ऑलराउंडर ने कहा कि उन्होंने इस फॉर्मेट से संन्यास का मन आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी 2025 के दौरान ही बना लिया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया भारत से हारकर सेमीफाइनल में बाहर हो गई थी. इस ऑलराउंडर ने साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना डेब्यू किया था. वह 2015 और 2023 वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रहे.

उन्होंने टीम के चीफ सिलेक्टर जॉर्ज बेली से इस बारे में पहले ही बात कर ली थी. उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वह जिस पॉजिशन पर खेलते हैं वहां वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले अन्य युवा खिलाड़ियों को मौका देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि चैम्पियन्स ट्रॉफी के पहले दो मैचों के बाद ही मुझे अहसास होने लगा था कि अब मेरा शरीर इस फॉर्मेट के लिए साथ नहीं दे रहा है. हालांकि वह टी20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे.

उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि मेरे चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम को थोड़ा बहुत निराश होना पड़ा है. क्योंकि मेरा शरीर 50 ओवर फॉर्मेट की परिस्थितियों के लिए साथ नहीं दे रहा था. बता दें ग्लेन मैक्सवेल को 2017 के बाद से टेस्ट फॉर्मेट में जगह नहीं मिल रही है, जबकि उन्होंने इस फॉर्मेट में भी मौका तलाशने की बात कही थी. वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपने करियर में 149 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 3,990 रन बनाए हैं, जिसमें 1 दोहरा शतक, 4 शतक और 23 हाफ सेंचुरी शामिल हैं. उन्होंने इस फॉर्मेट में 77 विकेट भी अपने नाम किए हैं.

आईपीएल 2025 से बाहर होकर भी मालामाल हुई मुंबई इंडियंस, मिलेगा 46.5 करोड़ का इनाम

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 2 एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ, जिसमें पंजाब किंग्स ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. हालांकि मुंबई इंडियंस इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन फिर भी उसे इस सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये की प्राइज मनी से नवाजा जाएगा.

बीसीसीआई की ओर से इस सीजन की प्राइज मनी को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 की प्राइज मनी पिछले साल के बराबर रखी गई हैय इस साल की कुल पुरस्कार राशि 46.5 करोड़ रुपए हो सकती है, जो टूर्नामेंट की चार टॉप-4 टीमों के बीच बांटी जाएगी.

पिछले साल तीसरे स्थान पर

रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपए मिले थे. इस बार मुंबई इंडियंस की टीम ने भी सीजन को तीसरे स्थान पर खत्म किया है. ऐसे में उसे अपने इस शानदार खेल के लिए 7 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी.

मुंबई इंडियंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों से हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी. हालांकि, पंजाब के खिलाफ वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे. लेकिन वह इस टारगेट को डिफेंड करने में नाकाम रही.

मुंबई इंडियंस के लिए ये हार काफी चुभने वाली हैं. दरअसल, आईपीएल में ये पहला मौका था जब पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की टीम को 200 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले वह 18 मौकों पर 200+ रन का टारगेट डिफेंड करने में कामयाब रही थी.

मुंबई की हार में इतिहास रच गए सूर्यकुमार यादव

डिविलियर्स के रिकॉर्ड को किया ध्वस्त

मुंबई, 2 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का सफर अब खत्म हो चुका है। पंजाब किंग्स ने क्वालीफायर 2 में मुंबई इंडियंस को हराकर उसका छठी ट्रॉफी जीतने का सपना तोड़ दिया। वहीं मुंबई इंडियंस की हार में भी सूर्यकुमार यादव इतिहास रच गए। इस मैच सूर्या ने एक खास उपलब्धि हासिल करते हुए आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को पीछे छोड़ दिया है।

सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास

पंजाब किंग्स के खिलाफ सूर्यकुमार यादव ने एकबार फिर से शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। हालांकि इस मैच में वे अपने अर्धशतक से चूक गए थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने 15 रन बनाए सूर्यकुमार के नाम एक खास उपलब्धि दर्ज हो गई।

सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले नॉन ओपनर बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने एबी डिविलयर्स को पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2016 में आरसीबी की तरफ से खेलते हुए एबी डिविलियर्स ने 16 मैचों में 687 रन बनाकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया था। जो अब टूट चुका है। सूर्यकुमार यादव ने इस सीजन 16 मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 167.92 के स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। इस दौरान सूर्या के बल्ले से 5 अर्धशतक निकले।

ऑरेंज कैप हासिल करने का भी टूटा सपना

सूर्यकुमार यादव के लिए सीजन-18 काफी शानदार रहा। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए हर मैच में शानदार बल्लेबाजी की। इसके अलावा सूर्या ऑरेंज कैप हासिल करने के भी प्रबल दावेदार थे लेकिन क्वालीफायर 2 में मिली हार के बाद उनका ये सपना टूट गया। ऑरेंज कैप की लिस्ट में सूर्या दूसरे पायदान पर रहे। अगर मुंबई इंडियंस क्वालीफायर 2 को जीत जाती तो फाइनल में फिर सूर्या के पास ऑरेंज कैप हासिल करना का मौका होता। ऑरेंज कैप पर फिलहाल गुजरात टाइटंस के साईं सुदर्शन का कब्जा है, जिन्होंने इस सीजन कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 15 मैचों में 759 रन बनाए।

पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच होगा फाइनल

इस बार आईपीएल को एक नया चैंपियन मिलने वाला है। 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच खेला जाएगा। ये दोनों टीमें आज तक आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है, ऐसे में दोनों टीमों के पास पहली बार आईपीएल का खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

टी-20 सीरीज 3-0 से जीती, मोहम्मद हारिस ने नाबाद सेंचुरी लगाई

इस्लामाबाद, 2 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली गई थी। सीरीज का आखिरी मैच खेला गया। इस मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी मोहम्मद हारिस ने शानदार शतक जमाया। इस शतक की बदौलत उन्होंने पाकिस्तान के लिए इतिहास रच दिया। वह पाकिस्तान के लिए बड़ा कारनामा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। हारिस की पारी के बदौलत पाकिस्तान ने बांग्लादेश को टी-20 सीरीज में 3-0 से धूल चटाई।

मोहम्मह हारिस ने रच दिया इतिहास

तीसरे टी-20 मुकाबले में मोहम्मद हारिस ने बांग्लादेश के गेंदबाजों का धागा खोल दिया। उन्होंने खूबसूरत अंदाज में बल्लेबाजी की और गेंदबाजों के पसीने निकाल दिए। हारिस ने 46 गेंदों में नाबाद 107 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के अपने नाम कर लिए। उन्होंने 232.60 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी की।

इस पारी की बदौलत हारिस पाकिस्तान के लिए टी-20 में शतक जड़ने वाले पहले नॉन ओपनर बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये कारनामा आज तक किसी भी पाकिस्तानी

खिलाड़ी ने नहीं किया था। लेकिन हारिस अब इस मुकाम को हासिल करने वाले पहले और इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मैच में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए बड़ा करिश्मा कर दिखाया।

ऐसा था मैच का हाल

इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए थे। बांग्लादेश के लिए तंजीद हसन ने 32 गेंदों में 42 रनों की शानदार पारी खेली।

इसके अलावा परवेज हुसैन ने 34 गेंदों में 66 रन बनाए थे। 197 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 17.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। हारिस के अलावा सईम अयूब ने 29 गेंदों में 45 रनों की शानदार पारी खेली।

इसके अलावा हसन नवाज ने भी 13 गेंदों में 26 रन जबकि कप्तान सलमान आगा ने 12 गेंदों में नाबाद 15 रन बनाए। इत तरह पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 पर 7 विकेट से कब्जा जमाते हुए सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान की ओर से हसन अली और अब्बास अफरीदी को 2-2 सफलता मिली थी। इसके अलावा मेहदी हसन मिराज ने बांग्लादेश के लिए 2 विकेट चटकाए।

बोपन्ना और पावलासेक की जोड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार

फ्रेंच ओपन में समाप्त हुआ सफर

पेरिस, 2 जून (एजेंसियां)। रोहन बोपन्ना और एडम पावलासेक की जोड़ी का सफर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया है। भारत के बोपन्ना और उनके जोड़ीदार पावलासेक ने दूसरी वरीयता प्राप्त हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन की जोड़ी को अच्छी टक्कर दी, लेकिन वे मुकाबला जीत नहीं सके। भारत और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फिनलैंड और ब्रिटेन के खिलाड़ी की जोड़ी ने 6-2, 7-6 से शिकस्त दी। हेलियोवारा और पैटन की जोड़ी शुरुआती सेट में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। बोपन्ना और पावलासेक इसके बाद अपनी सर्विस को भुनाने में सफल रहे

लेकिन प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की सर्विस को ब्रेक करने में नाकाम रहे। बोपन्ना ने दूसरे सेट में शानदार शुरुआत कर अपनी सर्विस पर एक भी अंक गंवाए बिना पहले गेम को अपने नाम किया।

बोपन्ना और पावलासेक की जोड़ी के पास दूसरे सेट में उस समय बढ़त को बड़ा करने का मौका था जब वे 3-2 से आगे थे। पैटन ने छठा गेम को डबल फॉल्ट से शुरू किया फिर एक और अंक गंवाकर 0-30 से पिछड़ गए लेकिन ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने लगातार चार अंक लेकर खतरे को टाल दिया। मैच के दूसरे सेट में कोई भी सर्विस ब्रेक नहीं हुआ जिससे मुकाबला टाई ब्रेकर में खिंच गया। हेलियोवारा की शानदार सर्विस रिटर्न ने दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को जीत दिला दी।

युकी भांबरी को भी अपने अमेरिका के साथी रॉबर्ट गैलोवे के साथ अपना तीसरे दौर का मैच खेलना है। उनका मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग से होगा। जूनियर चैंपियनशिप में भारत के मानस धामने को निराशा मिली। वह अमेरिका के क्वालीफायर रोनित कार्की से 5-7 3-6 से हारकर बाहर हो गए।

मुक्केबाज दीपक और नमन का थाईलैंड ओपन में शानदार प्रदर्शन, दोनों ने जीते स्वर्ण पदक

बैंकॉक, 2 जून (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाज दीपक और नमन तंवर ने थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। दीपक ने 75 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5-0 से हराया, जबकि नमन ने चीन के हान शुझेन को 90 किलो फाइनल में 4-1 से मात दी। इस तरह भारतीय मुक्केबाजों ने इस टूर्नामेंट में कुल आठ पदक जीते।

महिलाओं के 80 प्लस किलो वर्ग में किरण को कजाखस्तान की येलडाना टालिपोवा ने 3-2 से हराया जिससे उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा। तमन्ना (51 किलो), प्रिया (57 किलो), संजू (60 किलो), सनेह (70 किलो) और एल राल्टे (80 किलो) को कांस्य पदक मिले। भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 19 सदस्यीय दल भेजा था। अब इस महीने के आखिर में भारतीय मुक्केबाज कजाखस्तान में विश्व मुक्केबाजी कप के दूसरे चरण में भाग लेंगे। इसका फाइनल्स इस साल के आखिर में दिल्ली में होगा।

पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं: किशन रेड्डी

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि पिछले 10 वर्षों के दौरान तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि अधिशेष बजट के साथ अस्तित्व में आए तेलंगाना राज्य पर आज 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। राज्य भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी सोमवार को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर यहां राज्य भाजपा कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन कई लोगों के बलिदान के बाद हुआ है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन अहिंसक तरीके से चलाया गया था और इसमें भाजपा की अहम भूमिका थी। किशन रेड्डी ने कहा कि भाजपा तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देने के पक्ष में निर्णय लेने वाली पहली पार्टी थी।

उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर इसके फंड की लूट की गई। उन्होंने कहा कि युवाओं को उम्मीद थी कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद उन्हें नौकरियां मिलेंगी। केसीआर के परिवार को नौकरियां मिलीं, लेकिन युवाओं को नौकरियां नहीं मिलीं। जिन आकांक्षाओं के लिए लोगों ने लड़ाई लड़ी, वे पिछले 10 सालों में पूरी नहीं हुईं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना 'बंगारू (स्वर्णिम)' तेलंगाना नहीं बना, बल्कि केसीआर का परिवार बंगारू परिवार बन गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के साथ पानी, धन और नौकरियों के मामले में अन्याय हुआ है और राज्य में एक और बदलाव की जरूरत है। किशन रेड्डी ने कहा कि भाजपा तेलंगाना के शहीदों की आकांक्षाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी लेती है। भाजपा नेता ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर लोगों को बधाई दी और राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि दी।

किशन रेड्डी ने 'एक्स' पर लिखा, 'हमारा इतिहास गौरवशाली है और सांस्कृतिक वैभव अमूल्य है। हमारा तेलंगाना अद्भुत प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर रत्न है।' उन्होंने कामना की कि राज्य भारत के विकास में अहम भूमिका निभाए और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाएं पूरी हों। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने करीमनगर स्थित अपने कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया । उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले भाजपा नेता ने अपने संदेश में कहा कि तेलंगाना राज्य चार करोड़ लोगों की आकांक्षा, उनकी 60 साल की इच्छा और आत्मसम्मान के लिए उनके संघर्ष का परिणाम है। बंडी संजय ने कहा कि तेलंगाना राज्य शहीदों के संघर्ष और सुषमा स्वराज जैसे कई महान लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण एक वास्तविकता बन पाया।

रिश्वतखोरी के आरोपों के बीच पद से हटाए गए मुख्य अभियंता

संगारेड्डी, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिले के प्रभारी मुख्य अभियंता और मुख्य अभियंता (सिंचाई) संगारेड्डी के धर्मा के खिलाफ विभिन्न आरोपों के मद्देनजर उन्हें तत्काल उनके पद से मुक्त कर दिया गया है और उन्हें मुख्य अभियंता (सामान्य) कार्यालय, हैदराबाद से संबद्ध कर दिया गया है। धर्मा हैदराबाद के मुख्य अभियंता का पद भी संभाल रहे थे, इसलिए सरकार ने उन्हें भी पद से मुक्त कर दिया है। सिंचाई और सीएडी के प्रमुख सचिव राहुल बोज्जा ने रविवार शाम को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

कथित तौर पर धर्मा ने बचुपल्ली इलाके में एक मॉल के निर्माण की अनुमति देने के लिए बड़ी रकम की रिश्वत मांगी थी। जब वे संगारेड्डी में सीई पद पर थे, तब एसीबी अधिकारियों ने गुम्माडिडाला सिंचाई एई रवि किशोर को पटनचेरु में एक व्यक्ति से एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। हालांकि, एसीबी अधिकारियों को पूरे मामले में एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की संलिप्तता का संदेह था, लेकिन वे उसे पकड़ने में कामयाब नहीं हो सके।

तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर महापौर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

जीएचएमसी मुख्यालय में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी मुख्यालय में तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस कार्यक्रम में शहर की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने पुलिस की सलामी ली। कार्यक्रम में उप महापौर मोते श्रीलता शोभन रेड्डी और आयुक्त आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा शबरीश, रघु प्रसाद, वेणुगोपाल, सुभद्रा देवी, नलिनी पद्मावती, गीता राधिका, यादगिरी राव, अशोक सम्राट, सीसीपी श्रीनिवास, सीई सहदेव रत्नाकर, अतिरिक्त सीसीपी वेंकन्ना, प्रदीप, ईवीडीएम अतिरिक्त एसपी श्रीनिवास, एसीपी सुदर्शन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मावती, महेश कुलकर्णी, सीटीओ श्रीनिवास, खाता परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, ओएसडी अनुराधा और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के लोगों, स्वतंत्रता सेनानियों, तेलंगाना

कार्यकर्ताओं, पार्षदों और अन्य जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। तेलंगाना संघर्ष में कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लड़ाई लड़ी और शहीद हो गए, इस अवसर पर उन्हें याद किया गया और श्रद्धांजलि दी गई। महापौर ने सभी से राज्य और जीएचएमसी के विकास के लिए समर्पण के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया ताकि तेलंगाना राज्य आगे विकास के पथ पर आगे बढ़ सके और शहर के विकास में भागीदार बन सकें। इसके बाद महापौर, उप महापौर और आयुक्त ने सफाई, पशु चिकित्सा और कीट विज्ञान कार्यकर्ताओं को पीपीई किट वितरित कीं। इस अवसर पर जीएचएमसी में संचालित और चलाए जा रहे कार्यक्रमों जैसे एचसीआईटी, एसआरडीपी, एसएनडीपी, डी-सिल्टिंग, सौंदर्यीकरण, जलभराव, सामुदायिक विकास, कौशल विकास, पीएम स्वनिधि, खाद्य सुरक्षा, शहरी जैव विविधता और अन्य पर संक्षिप्त विवरण दिया गया।

डलास: केटीआर ने दोहराई तेलंगाना के प्रति बीआरएस की प्रतिबद्धता

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना और इसके विकास के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की, चाहे पार्टी सत्ता में हो या विपक्ष में। उन्होंने भरोसा जताया कि पार्टी तेलंगाना में सत्ता में वापस आएगी और के चंद्रशेखर राव तीन साल के भीतर मुख्यमंत्री के रूप में फिर से लौटेंगे, ताकि राज्य को विकास की पटरी पर वापस लाया जा सके। रामा राव रविवार को फ्रिस्को के डीआर पेपर एरिना में बीआरएस रजत जयंती और तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में अमेरिका भर से आए तेलुगु एनआरआई की एक विशाल सभा को संबोधित कर रहे थे। सभागार जय तेलंगाना के नारों से गूंज उठा।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि चुनावी झटके अस्थायी थे, लेकिन तेलंगाना के प्रति पार्टी का प्यार और प्रतिबद्धता स्थायी है। उन्होंने कहा कि जैसे मां के बीमार होने पर बच्चे को दूसरों को सौंप दिया जाता है, वैसे ही तेलंगाना भी दूसरों के हाथों में है, लेकिन जल्द ही सुरक्षित हाथों में वापस आ जाएगा। उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर के 'शिक्षित बनो, संगठित होओ, आंदोलन करो' के विचार से प्रेरित होकर राज्य का दर्जा पाने के लिए चंद्रशेखर राव के 14 साल के संघर्ष को याद किया। उन्होंने राज्य के लिए असंख्य लोगों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन ने हमेशा तेलंगाना आंदोलन की भावना को आगे बढ़ाया है जो इसके सभी विकास और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से स्पष्ट है।

मंत्री के रूप में 2015 की अपनी अमेरिकी यात्रा को याद करते हुए, रामा राव ने बताया कि कैसे उन्होंने वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को यह कहकर प्रभावित किया कि उनका नेता सिर्फ एक मुख्यमंत्री नहीं है, बल्कि वह व्यक्ति है जिसने राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने प्रवासी लोगों से तेलंगाना के विकास में योगदान जारी रखने और पीवी नरसिम्हा राव और के चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं से प्रेरणा लेकर राज्य में निवेश करने का आग्रह किया।

उन्होंने दर्शकों के दिलों को छूते हुए डलास को डलास पुरम कहकर पुकारा, जिसे स्थानीय तेलुगु एनआरआई प्यार से पुकारते हैं। उन्होंने मज़ाकिया लहज़े में कहा, 'तेलुगु लोगों के पास दो राज्य नहीं, बल्कि डलास पुरम के रूप में तीन राज्य हैं,' जिस पर दर्शकों ने तालियां बजाईं। इस अवसर पर उन्होंने संकटग्रस्त तेलुगु छात्रों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अमेरिका में बीआरएस कानूनी प्रकोष्ठ की स्थापना की भी घोषणा की। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्रियों, विधायकों और अन्य लोगों सहित बीआरएस नेताओं ने भाग लिया, जिसमें तेलंगाना की विरासत का जश्न मनाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे।

जेईई एडवांस्ड के नतीजे घोषित, आईआईटी दिल्ली जोन के रजित गुप्ता अव्वल

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी-दिल्ली जोन के रजित गुप्ता संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड 2025 के टॉपर बने हैं। उन्होंने सोमवार को आईआईटी-कानपुर द्वारा घोषित परिणामों में 332/360 अंक हासिल किए। आईआईटी-खड़गपुर जोन की देवदत्ता माझी परीक्षा की महिला टॉपर हैं। उन्होंने 312 अंक प्राप्त किए और कॉमन रैंकिंग लिस्ट (सीआरएल) में 12वां स्थान प्राप्त किया। अर्नव सिंह (सीआरएल 9), वडलामुडी लोकेश (10), धर्माना ज्ञान रुत्विक साई (18), वंगाला अजय रेड्डी (19) और अवनगंती अनिरुद्ध रेड्डी (20) आईआईटी-हैदराबाद जोन में शीर्ष पांच रैंकर्स में शामिल हैं, जिसमें राज्य - तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु शामिल हैं।

अजय रेड्डी और रुत्विक साईं को क्रमशः जनरल-ईडब्ल्यूएस और ओबीसी-एनसीएल कोटे में टॉपर घोषित किया गया। 18 मई को आयोजित जेईई एडवांस्ड 2025 में कुल 1,87,223 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था और 1,80,422 उम्मीदवार पेपर 1 और 2 दोनों में उपस्थित हुए थे। इस परीक्षा में 54378 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए हैं। कुल उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से 9404 छात्राएं हैं।

बीआरएस प्रमुख केसीआर ने दीं शुभकामनाएं

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सोमवार को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों के शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक संघर्ष को याद किया जिसके कारण राज्य का निर्माण हुआ। एक बयान में चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना, जिसे पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश के तहत उपेक्षित किया गया था, राज्य गठन के बाद समावेशी विकास और उल्लेखनीय कल्याण का गवाह बना है।

उन्होंने कहा, ""एक दशक तक तेलंगाना विकास और कल्याण के मामले में राष्ट्र के लिए एक आदर्श के रूप में खड़ा रहा।'' उन्होंने सुझाव दिया कि मौजूदा कांग्रेस सरकार जन-केंद्रित नीतियों को प्राथमिकता दे, चुनावी वादे पूरे करे और जनता का विश्वास बढ़ाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि तेलंगाना कृषि और डेयरी में समृद्ध होता रहेगा और समाज के सभी वर्गों की खुशहाली सुनिश्चित करेगा।

एमएलसी कविता ने राष्ट्रीय ध्वज और तेलंगाना जागृति का झंडा फहराया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्थापना दिवस पर बोलते हुए, बीआरएस नेता और एमएलसी कविता ने नए तेलंगाना जागृति कार्यालय में ध्वज फहराया। उन्होंने अनगिनत परिवारों, खासकर उन माताओं द्वारा किए गए गहन बलिदानों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने संघर्ष में अपने बच्चों को खो दिया। एमएलसी कविता ने तेलंगाना के निर्माण का श्रेय बीआरएस सुप्रीमो कलवकुंतला चंद्रशेखर राव के दृढ़ नेतृत्व और राजनीतिक दूरदर्शिता को दिया। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व की भी आलोचना की कि उन्होंने "जय तेलंगाना" का नारा तक नहीं लगाया और राज्य गठन के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को उचित श्रद्धांजलि देने में विफल रहे।

चंद्रबाबू नायडू, पवन कल्याण ने तेलंगाना के लोगों को दी राज्य स्थापना दिवस पर बधाई

अमरावती, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सोमवार को तेलंगाना के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी। दोनों नेताओं ने तेलंगाना की प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने संदेश में कहा कि अलग-अलग तेलुगु राज्यों के बावजूद, तेलुगु लोग एक हैं। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'मेरा मानना है और उद्देश्य यह है कि तेलुगु लोग जहां भी हों, उन्हें आत्म-सम्मान के साथ आगे बढ़ना चाहिए। तेलंगाना के लोगों को मेरी शुभकामनाएँ जो अपना 11वाँ राज्य स्थापना दिवस मना रहे हैं।'

नायडू ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि तेलंगाना राज्य का हर परिवार खुशी से रहे और विकास के पथ पर आगे बढ़े। दोनों तेलुगु राज्य विकास में प्रतिस्पर्धा करें और विकसित भारत-2047 तक शीर्ष पर पहुंचें, और तेलुगु समुदाय एक निर्विवाद शक्ति के रूप में उभरे। मैं हर तेलुगु नागरिक से इसमें भागीदार बनने का आह्वान करता हूं।'

पवन कल्याण ने भी तेलंगाना के लोगों को स्थापना दिवस की बधाई देने के लिए 'एक्स' का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना वह भूमि है जिसने जन सेना पार्टी को जन्म दिया और उन्हें पुनर्जन्म दिया, तथा उन्हें आंदोलन की भावना से भर दिया। जन सेना नेता ने याद दिलाया कि तेलुगु कवि दशरथी कृष्णामाचार्य ने तेलंगाना की प्रशंसा 'कोटि रत्नला वीणा (करोड़ रत्नों वाली वीणा)' के रूप में की थी। उन्होंने कहा कि दशकों के संघर्ष और छात्रों और युवाओं के बलिदान के बाद तेलंगाना राज्य साढ़े तीन करोड़ लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'राज्य अपने गठन के 11 वर्ष पूरे कर रहा है और 12वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं सभी लोगों को सभी क्षेत्रों में कल्याण और विकास के पथ पर आगे बढ़ने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने की कामना करता हूं और तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं।'

सेवा की सच्ची भावना को बनाए रखें: अविनाश मोहंती

सीपीओ में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 11वां तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह सोमवार को साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। आयुक्त ने परेड कमांडर से गार्ड ऑफ ऑनर भी प्राप्त किया। अपने संबोधन में, सीपी साइबराबाद ने एक मजबूत और प्रगतिशील तेलंगाना के निर्माण में सामूहिक प्रयास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी कर्मियों से एकता, समर्पण और नई ऊर्जा के साथ सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "हर भूमिका में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर, हम एक सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं और सेवा की सच्ची भावना को बनाए रख सकते हैं।" उन्होंने सभी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा, "मुझे आशा है कि आप अपने करियर में बड़ी सफलता हासिल करेंगे।" इस कार्यक्रम में साइबराबाद के संयुक्त सीपी ट्रैफिक डॉ. गजराव भूपाल, माधापुर के डीसीपी डॉ. विनीत, जी. मेडचल के डीसीपी कोटि रेड्डी, बालानगर के डीसीपी सुरेश कुमार, आईपीएस, राजेंद्रनगर के डीसीपी चौधरी श्रीनिवास, शमशाबाद के डीसीपी बी.राजेश, ईओडब्ल्यू के डीसीपी के. प्रसाद, अपराध के डीसीपी एल.सी.नाईक, एसबी के डीसीपी साई श्री, मेडचल के डीसीपी साई मनोहर, मेडचल के एसओटी डीसीपी, बालानगर के डीसीपी सुरेश कुमार, आईपीएस ने भाग लिया। श्रीनिवास, माधापुर एसओटी डीसीपी शोबन कुमार, सीएआर मुख्यालय डीसीपी संजीव, कानून और व्यवस्था एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, मंत्रालयिक कर्मचारी और अन्य कर्मियों ने भाग लिया।

तेलंगाना राज्य का गठन उच्च मानकों के साथ : सुधीर बाबू

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि तेलंगाना राष्ट्रमंडल देश में उच्च मानकों वाला राज्य है। उन्होंने अंबरपेट कार मुख्यालय पर ध्वजारोहण करते हुए कहा कि हैदराबाद शहर का इतिहास 500 साल पुराना है। कहा जाता है कि तेलंगाना में महिलाओं को सबसे ज्यादा प्रमोशन मिलता है। इस मौके पर उन्होंने तेलंगाना के लोगों को बधाई दी। कार्यक्रम में एलबीनगर डीसीपी प्रवीण कुमार , डीसीपी एसबीजी नरसिम्हा रेड्डी, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, एसओटी डीसीपी रमना रेड्डी, डीसीपी साइबर क्राइम नागलक्ष्मी, महिला सुरक्षा डीसीपी उषा विश्वनाथ, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी ट्रैफिक 1 मल्लारेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक-2 श्रीनिवासुलु, डीसीपी कार हेड क्वार्टर श्याम सुंदर, एडिशनल डीसीपी, एसीपी व अन्य ने भाग लिया।

डीजीपी कार्यालय में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह मना

तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार सुबह पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय में बड़े सम्मान और देशभक्ति के साथ समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीआईडी और प्रभारी समन्वय पुलिस महानिरीक्षक एम. श्रीनिवासुलु आईपीएस ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तेलंगाना राज्य गीत गाया गया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। स्थापना दिवस के अवसर पर आईजीपी ने अधिकारियों से बात की और राज्य द्वारा हासिल की गई प्रगति और पुलिस विभाग की भूमिका को याद किया। इस अवसर पर आईजीपी श्री एम. श्रीनिवासुलु ने कहा - "तेलंगाना राज्य के गठन का संघर्ष बलिदानों से भरा हुआ था। आईजीपी ने कहा कि इस राज्य के विकास में पुलिस विभाग की अहम भूमिका है। उनका मानना है कि विकास तभी हो सकता है जब कानून-व्यवस्था दुरुस्त हो। एआईजी एडमिन श्री नागराजू, अतिरिक्त एसपी, डीएसपी, डीजीपी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे और इन समारोहों में भाग लिया।

खेती से मृदा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव, सूक्ष्मजीवों को पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू

19 किस्मों के बीजों को मिलाया

सिद्दिपेट, 2 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दशकों में उर्वरकों, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग और एकल फसलों की खेती से मृदा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण, तेलंगाना विकास मंच (टीडीएफ) ने सिद्दिपेट में कृषि विभाग के अधिकारियों के सहयोग से सूक्ष्मजीव प्रेरित पुनर्जनन के साथ मृदा स्वास्थ्य को बहाल करने के प्रयास शुरू किए हैं। खेती से पहले एक हरी खाद वाली फसल बोने के पारंपरिक तरीके के विपरीत, टीडीएफ ने किसानों को हरी फसलों के रूप में कई बीज बोने के लिए प्रोत्साहित करने का फैसला किया। टीडीएफ के प्रतिनिधि मट्टा राजेश्वर रेड्डी और कृषि विस्तार अधिकारी टी नागार्जुन ने मिलकर 19 किस्मों के बीजों को मिलाया, जिसमें ढैंचा और सनहेम्प जैसी नियमित हरी खाद वाली फसलों के अलावा कई तरह के बाजरा, दालें, तिलहन, सब्जी के बीज, हरी पत्ती के बीज और कंद शामिल थे।

चूंकि प्रत्येक पौधे के राइज़ोस्फीयर में अद्वितीय सूक्ष्मजीव होते हैं, इसलिए, उन्होंने मिट्टी के स्वास्थ्य को समृद्ध करने के लिए विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मजीवों को पुनर्जीवित करने के लिए कई प्रकार के बीज उगाने का फैसला किया।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
मानव संसाधन प्रबंधन
रामचंद्रपुरम, हैदराबाद – 502032
विज्ञापन सं.: अप्रेंटिस/2025/03
बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत एक वर्ष की अवधि के लिए एचपीईपी, बीएचईएल, रामचंद्रपुरम में विभिन्न ट्रेडों में ट्रेड अप्रेंटिस के रूप में नियुक्ति के लिए सभी पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है।
ट्रेड अपरेंटिस के रूप में चयनित उम्मीदवारों को अप्रेंटिसशिप दिशानिर्देशों के अनुसार मासिक वृत्तिका दिया जाएगा।
इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने एवं अन्य विवरणों से संबंधित पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.